निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 5 अप्रैल 2025 शनिवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 311 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1930 : महात्मा गांधी अपने अनुयायियों के साथ नमक कानून तोड़ने के लिए दांडी पहुंचे।
1949 : भारत स्काउट एण्ड गाइड की स्थापना हुई।
1964 : नौसेना ने पहली बार राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाया।
1975 : सउदी अरब के राजा फैजल की हत्या।
1979 : देश का पहला नौसेना संग्रहालय मुम्बई में खुला।
1993 : मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या भारती की रहस्यमय तरीके से मौत।
2002 : भारत, म्यांमार व थाइलैंड के बीच मोरे-कलावा-मांडले सड़क परियोजना पूरी करने हेतु सहमति।

पूरे किए जा रहे सभी चुनावी वादे : हेमंत

झारखंड मुक्ति मोर्चा के 46वें स्थापना दिवस पर हजारीबाग में हुआ भव्य कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। झारखंड मुक्ति मोर्चा का 46वां स्थापना दिवस शुक्रवार को हजारीबाग जिला स्कूल मैदान में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत मंत्री योगेंद्र महतो और मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने का मंत्र दिया। साथ ही 2029 के चुनाव को लेकर अभी से ही तैयारी करने का आह्वान किया।

हजारीबाग की धरती झामुमो के लिए उर्वरकः सीएम

इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी की स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह झामुमो का संगठनात्मक कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि गरीब, आदिवासी, अल्पसंख्यक, जल, जंगल और जमीन बचाने और राज्य के लोगों को अधिकार दिलाने के लिए ही झारखंड मुक्ति मोर्चा बनाया गया था। राज्य गठन में कई आंदोलनकारी शहीद भी हो गए। बहुत संघर्ष के बाद राज्य बना है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह अभी से ही चुनाव की तैयारी में लग जाएं और पार्टी को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की नींव होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हजारीबाग की धरती पार्टी के लिए बहुत ही उर्वरक है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि चुनाव के दौरान जो भी वादे किए गए थे, वह सभी वादे पूरे किए जा रहे हैं। हर एक व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान और आधी आबादी को पैर पर खड़ा किया जा रहा है। सरहुल त्योहार में जिस तरह से लोगों ने हिस्सा लिया इससे यह स्पष्ट है कि उनके पॉकेट में पैसे थे, तभी त्योहार का रंग भी झारखंड वासियों के चेहरे पर चढ़ा। उन्होंने कहा कि झारखंड देश का ऐसा राज्य है जहां सबसे अधिक ग्रामीणों पर खर्च किए जा रहे हैं। अगर गांव मजबूत होगा, तभी प्रखंड मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि सीएम उत्कृष्ट विद्यालय छात्रों को बेहतर प्लेटफॉर्म दे रहा है। 9000 क्षमता वाले स्कूल में 35000 से अधिक फॉर्म भरे गए हैं। जो यह बताता है कि प्राइवेट स्कूलों के बजाय अभिभावक अब अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में प्रवेश दिलाना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई कार्य योजना बनाई जा रही है। उन योजनाओं की जानकारी देना भी कार्यकर्ताओं का दायित्व है। सरकार फिर से गांव में कैंप लगाकर ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने की तैयारी भी कर रही है। सरकार अब गांव तक पहुंचेगी। जो वादा किया गया था, वह पूरा किया जाएगा।

भाजपा पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी सरकार और कार्य योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी तो दूसरी ओर पिछली भाजपा की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 16 साल तक राज्य में शासन किया। उनके कार्यकाल में राज्यवासियों पर जुल्म किए गए। लोगों को राशन नहीं दिया गया और जमीन लूट ली गई। यही नहीं कई स्कूल बंद कर दिए गए। अपने 30 मिनट के भाषण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोरोना काल से लेकर अपने जेल जाने की बातों को साझा किया। उन्होंने कहा कि झूठा आरोप लगाकर उन्हें जेल में बंद कर दिया गया था। देश के पहले मुख्यमंत्री को झूठा आरोप लगाकर जेल भेज दिया गया। झूठा आरोप कभी सच नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव में अगर बाहर रहते तो एक भी सीट भाजपा को नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि पांच सालों तक भाजपा के लोग सरकार को गिराने की कोशिश करती रही। लेकिन जनता के प्यार के कारण सरकार ने 5 साल का कार्यकाल भी पूरा किया। कोरोना काल के दौरान परिवार की मुखिया का जो दायित्व होता है, वह पूरा किया गया। उन्होंने मंच से दोबारा सरकार बनाने के लिए राज्य की जनता का आभार जताया।

शांति के साथ रामनवमी मनाने की अपील

इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों से रामनवमी का पर्व शांति और सौहार्द से मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कई जगह खुराफाती लोग ज्यादा संख्या में हैं। वे लोग हो-हल्ला ज्यादा करते हैं। उन लोगों को अपने आसपास के लोगों से बचा कर रखना है।

झारखंड में वायुसेना का पहला एयर शो रांची में 19 एवं 20 अप्रैल को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में भारतीय वायुसेना (एयरफोर्स) का पहला एयर शो राजधानी रांची में 19 और 20 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। रांची के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री से उनके कार्यालय कक्ष में आज भारतीय वायुसेना की टीम ने मुलाकात की। भारतीय वायुसेना की टीम ने उपायुक्त से रांची में सूर्य किरण एक्रोबैटिक टीम द्वारा किए जानेवाले एयर शो को लेकर विस्तृत चर्चा की। डीसी ने टीम को आश्वस्त किया कि उन्हें जिला प्रशासन हर संभव मदद देगा। झारखंड में होनेवाला भारतीय वायुसेना का यह पहला एयर शो होगा। सूर्यकिरण टीम द्वारा 19 और 20 अप्रैल 2025 को रांची में प्रस्तावित खोजा टोली आर्मी ग्राउंड में एयर शो का प्रदर्शन किया जाएगा। एयर शो के मुख्य कार्यक्रम से पूर्व 17 अप्रैल 2025 को एयर शो के मुख्य कार्यक्रम से पहले इसका फुल ड्रेस रिहर्सल किया जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने उपायुक्त से एयर शो में होने वाली गतिविधियों और इसकी तैयारी से संबंधित जानकारी साझा की। उपायुक्त ने वायु सेना की टीम को आश्वासन दिया कि रांची जिला प्रशासन की तरफ से हर संभव सहायता की जाएगी। इसके साथ ही सभी तरह की प्रशासनिक तैयारी, एयर शो से संबंधित व्यापक प्रचार प्रसार, तकनीकी सहयोग आदि के लिए जिला प्रशासन ने वायु सेवा की टीम को आश्वस्त किया। बैठक में भारतीय वायुसेना की ओर से विंग कमांडर पीके सिंह और स्क्वाड्रन लीडर वालिया एवं जिला के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

नहीं रहे 'भारत कुमार'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंबई। अभिनेता एवं निर्देशक मनोज कुमार का शुक्रवार सुबह मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में निधन हो गया। वे 87 साल के थे। वे विशेष रूप से अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते थे। उन्हें 'भारत कुमार' के नाम से भी जाना जाता था। उपकार, पूरब-पश्चिम, क्रांति, रोटी-कपड़ा और मकान उनकी बेहद कामयाब फिल्में रहीं। उनका अंतिम संस्कार आज सुबह 11 बजे मुंबई के पवनहंस श्मशान घाट पर होगा। मनोज कुमार काफी समय से लिवर सिरोसिस से जूझ रहे थे। उन्हें 7 फिल्म फेयर पुरस्कार मिले थे। 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। 2016 में उन्हें दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से नवाजा गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनोज कुमार को श्रद्धांजलि दी है। पीएम ने 'एक्स' पर लिखा- 'महान अभिनेता और फिल्म निर्माता श्री मनोज कुमार जी के निधन से बहुत दुख हुआ।

रामनवमी पर तमिलनाडु में कई योजनाओं की सौगात देंगे प्रधानमंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामनवमी के अवसर पर तमिलनाडु का दौरा करेंगे। इस अवसर पर वे भारत के पहले वर्टिकल लिफ्ट सी ब्रिज, नए पम्बन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे और इस पुल से ट्रेन और जहाज को रवाना करेंगे तथा पुल के संचालन का अवलोकन करेंगे। इसके बाद लगभग 12:45 बजे वे रामेश्वरम के रामनाथस्वामी मंदिर में दर्शन और पूजा अर्चना करेंगे। लगभग 1:30 बजे रामेश्वरम में प्रधानमंत्री विभिन्न रेलवे और सड़क परियोजनाओं का नींव पत्थर रखेंगे और 8,300 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की इन परियोजनाओं को देश के नाम समर्पित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री संबोधन भी देंगे। प्रधानमंत्री नए पम्बन रेलवे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे और रामेश्वरम-तम्बराम (चेन्नई) नई ट्रेन सेवा की शुरुआत करेंगे। यह पुल गहरी सांस्कृतिक महत्व रखता है। रामायण के अनुसार राम सेतु का निर्माण रामेश्वरम के निकट धनुष्कोडी से प्रारंभ हुआ था।

नया पम्बन रेलवे ब्रिज :

रामेश्वरम को मुख्य भूमि से जोड़ने वाला यह पुल भारतीय इंजीनियरिंग का एक शानदार उदाहरण है। इसकी निर्माण लागत 550 करोड़ रुपये से अधिक है। यह पुल 2.08 किलोमीटर लंबा है, जिसमें 99 स्पान हैं और 72.5 मीटर का वर्टिकल लिफ्ट स्पान है, जो 17 मीटर तक उठता है, जिससे जहाजों का

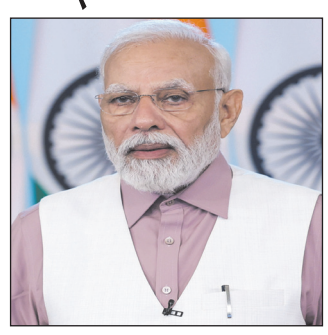

सुगम आवागमन और ट्रेनों का सहज संचालन सुनिश्चित होता है। यह पुल स्टेनलेस स्टील सुदृढीकरण, उच्च गुणवत्ता की सुरक्षात्मक पेंट और पूरी तरह से वेल्डेड जोड़ों के साथ निर्मित किया गया है, जिससे इसकी स्थायित्व बढ़ती है और रख-रखाव की आवश्यकता कम होती है। इसे भविष्य की मांगों को पूरा करने के लिए द्विआयामी रेल पटरियों के लिए डिजाइन किया गया है। विशेष पॉलिसिलॉक्सेन कोटिंग इसे जंग से बचाती है, जिससे यह कठोर समुद्री पर्यावरण में भी लंबे समय तक टिकाऊ रहता है।

प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन और नींव पत्थर रखने वाली परियोजनाएं :

प्रधानमंत्री तमिलनाडु में 8,300 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की विभिन्न रेलवे और सड़क परियोजनाओं का नींव पत्थर रखेंगे और उन्हें देश के नाम समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं में शामिल हैं :

- एनएच- 40 के वालाजपेट- रणीपेट खंड का 4-लेन निर्माण (28 किमी)
- एनएच- 332 के विलुप्पुरम-पुडुचेरी खंड का 4-लेन उद्घाटन (29 किमी)
- एनएएच- 32 के पूंडियंकुप्पम-सत्तानाथपुरम खंड का निर्माण (57 किमी)
- एनएच- 36 के चोलापुरम- थंजावुर खंड का निर्माण (48 किमी)

ये हाईवे कई तीर्थ स्थलों और पर्यटन स्थलों को जोड़ेंगे, शहरों के बीच की दूरी को कम करेंगे और मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, बंदरगाहों तक तेज पहुंच सुनिश्चित करेंगे। इसके अतिरिक्त, स्थानीय किसानों को कृषि उत्पादों को निकटवर्ती बाजारों तक ले जाने में मदद मिलेगी और स्थानीय चमड़ा उद्योग और लघु उद्योगों की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

रांची में रामनवमी से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची में रामनवमी पर शांति-व्यवस्था बनाये रखने के लिए रांची पुलिस अलर्ट है। रामनवमी से पहले आज (4 अप्रैल) विभिन्न इलाकों में ड्रोन से घरों की छतों का निरीक्षण किया गया। इसके अलावा जिले के वरीय पदाधिकरियों के साथ रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने जुलूस के रूट और विभिन्न मंदिरों का औचक निरीक्षण किया। मेन रोड, हिंदपीढ़ी और डेली मार्केट इलाके में ड्रोन कैमरे से घरों की छतों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान घरों की छतों की जांच की गयी कि कहीं किसी छत पर ईट-पत्थर न रखा हो। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा ने पूरे इलाके का जायजा लेने और संवेदनशील जगहों पर जवानों की

घरों की छतों का ड्रोन से निरीक्षण

तैनाती करने का आदेश दिया। एसएसपी ने कड़ी चेतावनी दी है कि अगर किसी इलाके में किसी तरह की कोई गड़बड़ी सामने आती है तो उक्त थाना प्रभारी पर कार्रवाई की जायेगी। रांची उपायुक्त ने कहा कि जुलूस के मार्ग पर भारी संख्या में दंडाधिकारियों एवं पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। रामनवमी पर सभी प्रमुख चौक-चौराहों में सीसीटीवी कैमरे से पैनी नजर रखी जायेगी। सोशल मीडिया पर भी जिला प्रशासन द्वारा चौबीसों घंटे निगरानी रखी जायेगी, ताकि कोई असामाजिक तत्व भ्रामक और आपत्तिजनक संदेश न फैला सके।

दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक की मौत

भागलपुर (नबिटा ब्यूरो)। भागलपुर में सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई है। पूरा मामला नवगछिया के रंगरा थाना अंतर्गत डुमरिया पुल के पास का है, जहां तेज रफ्तार से आ रही ट्रैक्टर अनियंत्रित हुई और वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई। ट्रैक्टर के सामने एक अन्य वाहन आ रहा था, जिसे बचाने के क्रम में यह घटना हुई और ट्रैक्टर सीधे खाई में जा गिरा, जिससे चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गोपालपुर थाना अंतर्गत कालूचक का रहने वाला संजय दास के रूप में हुई है। चालक संजय दास नवगछिया डुमरिया चपरघट पंचायत के पूर्व प्रखंड प्रमुख और वर्तमान मुखिया मनकेश्वर सिंह उर्फ मंटू सिंह का गाड़ी चलाया करता था।

सोशल मीडिया पर बच्चों के बैन की याचिका खारिज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर कानूनी प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा- यह नीतिगत मामला है। आप संसद से कानून बनाने के लिए कहें। यह हमारे दायरे से बाहर है। हालांकि कोर्ट ने अन्य अथॉरिटी के सामने अपील करने की छूट दी है। पीठ ने कहा कि आठ सप्ताह के भीतर कानून के अनुसार अपील की जा सकती है। जेप फाउंडेशन की याचिका में केंद्र सरकार और अन्य अथॉरिटी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक बच्चों की पहुंच को रेगुलेट करने के लिए बायोमेट्रिक वैरिफिकेशन जैसा एज वैरिफिकेशन सिस्टम शुरू करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इसके अलावा बाल संरक्षण नियमों का पालन करने में असफल रहने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की भी मांग की गई थी। अब 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया पर अकाउंट खोलने के लिए अपने पेरेंट्स की सहमति लेना जरूरी होगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के तहत नियमों का ड्राफ्ट तैयार कर चुका है। इस ड्राफ्ट को लोगों के लिए 3 जनवरी को जारी किया गया था। लोगों की आपत्तियों और सुझावों पर 18 फरवरी से विचार किया जा रहा है। ड्राफ्ट सामने आने के कुछ दिन बाद पैरेंट की सहमति के प्रावधान का एक मॉडल भी सामने आया था। आईटी मिनिस्ट्री के सूत्रों ने बताया था कि 18 साल से कम उम्र के बच्चों के पैरेंट्स के मोबाइल फोन और ईमेल पर ओटीपी आएगा। ये ओटीपी डिजिटल स्पेस में पहले से मौजूद बच्चों और पैरेंट्स की डिजिटल आईडी कार्ड के आधार पर जनरेट होगा। इसके जरिए बच्चों या माता पिता का डेटा पब्लिक नहीं होगा। उम्र और कंफर्म की परमिशन भी पैरेंट से ली जा सकेगी। सूत्रों के मुताबिक पैरेंट की परमिशन हमेशा के लिए नहीं होगी। उन्हें जब लगेगा कि उनकी परमिशन का गलत यूज हो रहा है या ये परमिशन धोखे से ली गई है, परमिशन के बारे उन्हें कोई जानकारी नहीं है। ऐसे में वे परमिशन वापस भी ले सकेंगे।

रिश्वत लेते रंगे हाथ धराया दारोगा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में आज एसीबी ने रांची में बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार को एंटी करप्शन ब्यूरो रांची की टीम ने नामकुम थाने के दारोगा चंद्रदीप प्रसाद को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। पीड़ित आशीष कुमार यादव ने इस बाबत एसीबी रांची में शिकायत की थी। यूपी के बलिया के रहनेवाले आशीष कुमार यादव ने एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी), रांची में शिकायत की कि 18 नवंबर 2023 को नंदजी यादव (आम घाट, बलिया) की पुत्री नीतू कुमारी से परिवादी का छेंका हुआ था, लेकिन निजी कारणों से छेंका टूट गया। पंचों के जरिए दिए गए सामान का आदान-प्रदान हो गया। इसके बावजूद नंदजी यादव द्वारा रांची के नामकुम थाने में उनके और उनके परिजनों के खिलाफ दहेज प्रतिषेध

अधिनियम के तहत केस दर्ज करा दिया गया। इस केस के अनुसंधानकर्ता चंद्रदीप प्रसाद हैं। नामकुम थाने में दहेज मामले में केस दर्ज कराए जाने के बाद आशीष कुमार यादव ने रांची सिविल कोर्ट से जमानत ली। केस मैनेज करने के नाम पर अनुसंधानकर्ता (दारोगा) चंद्रदीप प्रसाद ने एक लाख रुपए की मांग की। परिवादी रिश्वत देना नहीं चाहते थे। उन्होंने एसीबी में इसकी शिकायत की। इसके बीद एसीबी की टीम ने मामले का सत्यापन किया। फिर कार्रवाई के लिए जाल बिछाया और दारोगा चंद्रदीप प्रसाद 30 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ दबोचा गया।

राहुल गांधी को लखनऊ हाईकोर्ट से झटका

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। राहुल गांधी की याचिका लखनऊ हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। उन्होंने वीर सावरकर मानहानि मामले में लखनऊ की सेशन कोर्ट के समन आदेश और 200 रुपए जुर्माने को लेकर हाईकोर्ट में 2 अप्रैल को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उन्हें अल्टरनेट रेमेडी (वैकल्पिक उपाय) अपनाने का सुझाव देते हुए लखनऊ सेशन कोर्ट जाने को कहा है। दरअसल, 3 मार्च को लखनऊ की अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने लगातार पेशी से गायब रहने पर राहुल गांधी पर 200 रुपए जुर्माना लगाया था। चेतावनी दी थी कि 14 अप्रैल 2025 को अदालत में हाजिर हों, अगर वे इस तारीख को भी पेश नहीं होते हैं तो कठोर कानूनी कार्रवाई हो सकती है। गैर-जमानती वारंट भी जारी किया जा सकता है। शिकायतकर्ता नृपेंद्र पांडेय के

अनुसार, राहुल गांधी ने 17 दिसंबर 2022 को महाराष्ट्र के अकोला में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर पर विवादित बयान दिया था। उन्होंने सावरकर को 'अंग्रेजों का नौकर' और 'पेंशन लेने वाला' कहा था। शिकायतकर्ता ने कहा- यह बयान समाज में वैमनस्य और घृणा फैलाने की मंशा से दिया गया था। इतना ही नहीं, प्रेस कांफ्रेंस में पहले से तैयार पर्चे भी पत्रकारों के बीच वितरित किए गए थे।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

तेजस्वी के नाम पर पत्ते नहीं खोल रही कांग्रेस, अल्लावरु ने फिर कहा- अभी इस पर बात नहीं हुई

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए ने नीतीश कुमार को अपना चेहरा बनाने का ऐलान कर दिया है लेकिन महागठबंधन में तेजस्वी यादव के नाम पर तकरार बरकरार है। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से तेजस्वी याव को फाइनल किया जा चुका है लेकिन सहयोगी कांग्रेस पार्टी पत्ते नहीं खोल रही है। लालू प्रसाद यादव ने मोतिहारी में कहा था कि 2025 में तेजस्वी की सरकार बनने से कोई माई का लाल नहीं रोक सकता। लेकिन कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने एक बार फिर कहा है कि इस पर अबी बात नहीं हुई है। कांग्रेस पार्टी के बिहार प्रभारी(राहुल गांधी के करीबी) बार बार बिहार का दौरा कर रहे हैं। राजनैतिक गलियारे में चर्चा है कि कांग्रेस पार्टी बिहार में राजद की बैसाखी पर चलने के बजाए अपना वजूद कायम करना चाहती है। कृष्णा अल्लावरू कह चुके हैं कि कांग्रेस अब किसी की बी टीम बनकर काम नहीं करेगी। बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने की रणनीति पर काम चल रहा है। इधर 2025 में कांग्रेस राजद के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने को तैयार है लेकिन सीएम फेस पर अपने पत्ते नहीं खोल रही है। एक बार फिर पटना पहुंचे कृष्णा अल्लावरू ने सीएम फेस के सवाल को बड़ी चतुराई से टाल दिया। जब उनसे पूछा गया कि महागठबंधन तेजस्वी यादव के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी, इस पर उन्होंने कहा कि बिहार मे अभी चुनाव और बिहार की जनता के मुद्दों पर फोकस कर रहे हैं, सीएम फेसर अभी कोई बात नहीं हुई है। अभी चर्चा शुरू नहीं हुई है। जब होगा तो बता देंगे। इससे पहले दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं के साथ बिहार कांग्रेस की बैठक के बाद कृष्णा अल्लावरू ने यही बात कही थी। हालांकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने इसके उलट बयान दिया। उन्होंने कहा कि राजद बड़ी पार्टी है और बिहार में मजबूत है। तेजस्वी यादव को सीएम फेस बनाने पर पर पहले ही सहमति बन चुकी है।

पेंशन संशोधन बिल के विरोध में प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर, वसं। केंद्र सरकार की नई पेंशन पॉलिसी के विरोध में ऑल इंडिया पोस्टल एंव आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन ने प्रधान डाकघर परिसर में गुरुवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी पेंशन पेमेंट संशोधन विधेयक 2025 वापस लेने की मांग की। वे इसे कर्मचारियों के हितों के विरुद्ध बता रहे थे। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मो. शरफे आलम ने बताया कि एसोसिएशन के केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर यह प्रदर्शन किया गया। साथ ही अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन प्रवर डाकपाल को सौंपा। उनका कहना था कि सरकार जल्द ही आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करेगी। लेकिन नये पेंशन विधेयक में किए गए प्रावधान से पेंशनरों को इस वेतन आयोग की सिफारिशों का लाभ नहीं मिल पाएगा। इससे पेंशनरों के आर्थिक हित बुरी तरह से प्रभावित होंगे। इसलिए इसे वापस लिए जाने की मांग की गई। साथ ही पुरानी पेंशन प्रणाली (ओल्ड पेंशन सिस्टम या ओपीएस) को लागू करने के लिए आवाज उठाया गया। इससे सभी पेंशनरों के हितों की रक्षा हो जाएगी। प्रदर्शन में अध्यक्ष के अलावा सचिव अशोक कुमार ढ़ुढ़ सहित करीब एक दर्जन पेंशनर्स शामिल थे।

तीन शिक्षक के भरोसे हो रही 740 बच्चों की पढ़ाई

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के मध्य विद्यालय दुधैला में शिक्षकों की कमी से बच्चों का पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विद्यालय प्रधान राजीव कुमार ने बताया कि विद्यालय में 740 बच्चे हैं। प्रधानाध्यापक सहित तीन शिक्षक हैं। बच्चों की उपस्थिति प्रतिदिन 500 से अधिक रहती है। विद्यालय प्रधानाध्यापक ने इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को आवेदन देकर शिक्षकों की कमी को दूर करने की मांग की। शिक्षक की कमी से विद्यालय संचालन में काफी कठिनाई हो रही है।

वक्फ बिल पर जेडीयू में उथल-पुथल, दो मुस्लिम नेताओं ने छोड़ा नीतीश का साथ

पटना, एजेंसी। वक्फ बिल पर संसद में समर्थन करने के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। अब तक दो मुस्लिम नेताओं ने नीतीश का साथ छोड़ते हुए जेडीयू से इस्तीफे की घोषणा कर दी है। इनमें पूर्वी चंपारण के मोहम्मद कासिम अंसारी और जमुई से नवाज मलिक का नाम शामिल है। हालांकि, जेडीयू ने इस पर सफाई देते हुए इन दोनों के पार्टी के पदाधिकारी होने से इनकार कर दिया। पूर्वी चंपारण में जेडीयू के चिकित्सा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष होने का दावा करने वाले मोहम्मद कासिम अंसारी ने गुरुवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने वक्फ बिल का समर्थन करने के जेडीयू के रुख की आलोचना की। इस संबंध में कासिम ने जेडीयू अध्यक्ष सह बिहार के सीएम नीतीश कुमार को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि वक्फ बिल पर समर्थन करके जेडीयू ने लाखों मुसलमानों का भरोसा तोड़ दिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के लोकसभा में दिए भाषण पर भी निराशा जताई। इसी तरह नवाज मलिक ने भी खुद को जेडीयू के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का सचिव बताते हुए गुरुवार को पार्टी से इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने अपने पत्र में आरोप लगाया कि मुसलमान और उनके जैसे कार्यकर्ताओं को वक्फ बिल पर जेडीयू के समर्थन से झटका लगा है। दूसरी ओर, जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने दावा किया कि न तो पूर्वी चंपारण के रहने वाले मोहम्मद कासिम अंसारी और न ही जमुई निवासी नवाज मलिक पार्टी के पदाधिकारी हैं। जब अंसारी के बारे में पूछा गया तो रंजन ने कहा कि उन्हें कोई नहीं जानता है। वे कभी जेडीयू में महत्वपूर्ण पदों पर नहीं रहे। यहां तक कि जिला स्तर पर भी कोई पद नहीं संभाला। वहीं, सीएम नीतीश कुमार के करीबी एवं वरिष्ठ जेडीयू नेता विजय कुमार चौधरी ने कहा कि पार्टी के अंदर वक्फ बिल को लेकर कोई भ्रम नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव गुलाम रसूल बलियावी समेत अन्य मुस्लिम नेताओं द्वारा वक्फ बिल का सार्वजनिक रूप से विरोध करने के सवाल पर की गई। बलियावी ने गुरुवार को कहा कि वक्फ बिल के खिलाफ वे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

2005 के बाद बिहार में बढ़ा 323प्रतिशत क्राइम, आंकड़े दिखाकर एनडीए को घेरा

कांग्रेस बोली- अपराधियों को नहीं देंगे टिकट

पटना, एजेंसी। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय कुमार ने आरोप लगाया कि बिहार में एनडीए की सरकार में 2005 के बाद 323 प्रतिशत अपराध बढ़े हैं। एनडीए सरकार ने राज्य में अपराधियों का विश्वविद्यालय स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपराधियों को टिकट नहीं देगी। इस मामले पर पार्टी शीर्ष नेतृत्व गंभीर है। महागठबंधन के साथी दलों पर भी कांग्रेस दबाव देगी कि वे भी किसी अपराधी को टिकट नहीं दे। कांग्रेस के पूर्व सांसद व पूर्व आईपीएस अधिकारी अजय कुमार ने कहा कि एनडीए की 20 वर्षों के शासन में जब राज्य में पुलिस कर्मी सुरक्षित नहीं हैं, तो यहां की जनता कैसे सुरक्षित रहेगी। राज्य में पुलिस की दो लाख पद की क्षमता है, जबकि नीतीश कुमार ने एक लाख वैकेंसी निकाली है। उन्होंने कहा कि 2005 में कुल अपराध 1,07,664 दर्ज हुए, जो 2022 में 3,47,835 हो गए। बिहार में हर रोज 953 अपराध हो रहे हैं। इसमें 8 हत्याएं, 33 अपहरण, 136 जघन्य अपराध, 55 महिला अपराध, 28 महिलाओं के अपहरण, दो से ज्यादा दुष्कर्म, 17 बच्चों के अपहरण शामिल हैं। महिलाओं व बच्चियों पर अपराध बढ़े हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि नीतीश राज में दलितों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। भाजपा शासित राज्यों में दलितों, अनुसूचित जाति जनजाति के लोगों के साथ महिलाओं और बच्चों के साथ भी अपराध में बढ़ोतरी हुई है। मौके पर डॉ. मदन मोहन झा, राजेश राठौड़, कपिलदेव प्रसाद यादव, मोतीलाल शर्मा आदि मौजूद थे।

केंद्रीय वश्विवद्यिालय बनाने का प्रस्ताव पारित

दरभंगा, एजेंसी। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत वश्विवद्यिालय में नौ अप्रैल को होने वाली सीनेट से पूर्व गुरुवार को सिंडिकेट की बैठक का आयोजन कुलपति प्रो. लक्ष्मी निवास पांडेय की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से संस्कृत विवि को केंद्रीय संस्कृत वश्विवद्यिालय बनाने के प्रस्ताव को पारित करते हुए इस दिशा में अग्रिम कार्यवाही करने का नर्णिय लिया गया। बैठक में सदस्यों ने केंद्रीय वश्विवद्यिालय बनाने के लिए कॉलेजों एवं स्नातकोत्तर विभागों के शक्षिक एवं कर्मियों के संस्कृत में वार्तालाप को जरूरी बताते हुए इस दिशा में नर्दिश जारी करने का नर्णिय लिया। बैठक में आगामी सीनेट की तैयारी के क्रम में दो अप्रैल को संपन्न संबंधन समिति तथा तीन अप्रैल को संपन्न वत्ति समिति की बैठक में लिए गए नर्णियों का अनुमोदन किया। सीनेट की बैठक के लिए अध्यक्षीय अभिभाषण को भी सिंडिकेट के समक्ष रखा गया जिसे अनुमोदित किया गया। गौरतलब है कि इस वर्ष सीनेट की अध्यक्षता के लिए कुलपति को ही अधिकृत किया गया है। गत वर्ष सीनेट की अध्यक्षता कुलाधिपति सह राज्यपाल ने की थी। बैठक में वत्तीय वर्ष 2025-26 के लिए चार अरब 48 करोड़ 66 लाख 65 हजार 936 हजार रुपये घाटे के बजट को अनुमोदित किया गया। बजट में चार अरब 50 करोड़ 67 लाख 11 हजार 714 रुपये का अनुमानित व्यय दर्शाया गया है, जबकि आय के रूप में दो करोड़ 45 हजार 778 रुपये का अनुमान है। अब इस बजट को आगामी सीनेट की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। इस क्रम में सदस्य प्रो. अजीत कुमार चौधरी ने वत्ति समिति एवं सिंडिकेट के सदस्यों के चुनाव का मामला उठाते हुए आपत्ति दर्ज करायी। कहा कि विगत दो सीनेट के नर्णिय के बावजूद विवि प्रशासन सदस्यों का चुनाव नहीं करा पाया है। यह चुनाव अविलंब होना चाहिए। सीनेट की बैठक में उपस्थापित किए जाने वाले प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया। बैठक में राज्य के पर्यटन विभाग की ओर से लाईट एंड साउंड परियोजना के लिए प्राप्त एमओयू का विवि के हितों एवं वैधानिक दृष्टि से समीक्षा करने का मामला उठा। विमर्श के बाद इसके लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया। विवि के भूसंपदा पदाधिकारी के संयोजन में गठित समिति में सीसीडीसी, विकास पदाधिकारी एवं सिंडिकेट सदस्य प्रो. दिलीप कुमार चौधरी व प्रो. अजीत कुमार चौधरी को शामिल किया गया है। नये शक्षिकों के सेवा संपुष्टि का मामला भी उठा। जांच प्रक्रिया कर छह माह में सेवा संपुष्ट करने की बात कही गई। सदस्य शकुंतला गुप्ता ने अंशकालिक शक्षिकों की नियुक्ति करने का प्रस्ताव दिया। नर्णिय हुआ कि सभी अंगीभूत एवं स्नातकोत्तर विभागों के स्वीकृत एवं रक्ति पदों की गणना कर रक्तियों के अनुसार रोस्टर क्लियरेंस के बाद जुलाई तक नियुक्ति की जाएगी। प्रो. दिलीप कुमार चौधरी ने जगदीश नारायण संस्कृत उपशास्त्री कॉलेज, लगमा के चतुर्थ वर्गीय कर्मी अशोक कुमार यादव के लंबित वेतन भुगतान तथा रूदल राय ने प्राधिकार शाखा के सेवानिवृत्त सहायक जगन्नाथ झा के लंबित पारश्रिमिक भुगतान का मामला उठाया। नर्णिय हुआ कि लेखा जांच के बाद भुगतान शीघ्र किया जाएगा। बैठक के प्रारंभ में सिंडिकेट की गत बैठक की कार्यवाही एवं कार्यान्वयन प्रतिवेदन पर चर्चा हुई। इस क्रम में प्रो. दिलीप कुमार चौधरी ने क्रय-वक्रिय समिति के नर्णिय के आलोक में वक्रिय के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन करने एवं कचरे की बक्रिी समिति के सदस्यों के मूल्यांकन के बाद करने की बात कही। साथ ही सद्धिेश्वरी लक्ष्मीनाथ संस्कृत कॉलेज, गजहरा, मधुबनी के शासी निकाय की बैठक नहीं किये जाने के कारण तदर्थ समिति का गठन शीघ्र करने पर जोर दिया गया। कार्यवाही एवं कार्यान्यवन प्रतिवेदन को संपुष्ट किया गया। बैठक में कुलसचिव डॉ. ब्रजेश पति त्रिपाठी, डीएसडब्ल्यू डॉ. शिवलोचन झा, कुलानुशासक डॉ. पुरेंद्र वारिक, दर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. धीरज कुमार पांडेय, धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार झा, प्रधानाचार्य डॉ. विनय कुमार सिंह, पूर्व एमएलसी डॉ. दिलीप कुमार चौधरी, प्रो. अजीत कुमार चौधरी, रूदल राय, शकुंतला कुमारी गुप्ता, वत्ति पदाधिकारी जानकी रमण निधि एवं बजट पदाधिकारी डॉ. पवन कुमार झा उपस्थित थे।

बेतिया में टावर बैटरी चोर गिरोह का पर्दाफाश:मुजफ्फरपुर के 12 अपराधी गिरफ्तार, 118 चोरी की बैटरी बरामद

बेतिया, एजेंसी। बेतिया में मोबाइल टावर बैटरियों की लगातार हो रही चोरी के मामलों में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसपी डॉ. शौर्य सुमन के निर्देश पर गठित एसआईटी ने मुजफ्फरपुर जिले से टावर बैटरी चोर गिरोह के 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 118 चोरी की बैटरियां, एक ट्रक, एक पिकअप वाहन और एक लोहा कटर बरामद किया गया है।

चोर गिरोह के 12 अपराधी गिरफ्तार : गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मोतिपुर थाना क्षेत्र के ललन राय, मिथलेश कुमार, सुमन कुमार, मणी कुमार, मुन्नीलाल राय, राजा कुमार और संजय महतो शामिल हैं। कांटी थाना क्षेत्र से गोलू कुमार, विक्रम कुमार और गौरव कुमार, बोचहा थाना क्षेत्र से कमलेश राम और काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र से दिलीप कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली : पूछताछ के दौरान आरोपियों ने मझौलिया और जगदीशपुर थाना क्षेत्र में हुई टावर बैटरी चोरी की घटनाओं में शामिल होना स्वीकार किया है। साथ ही, उन्होंने अन्य जिलों में भी इस तरह की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली है।

पुलिस की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई : एसडीपीओ सदर-2 रजनीश कान्त प्रियदर्शी के नेतृत्व में तकनीकी शाखा और स्थानीय थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और इसके खिलाफ दोनों थानों में कुल पांच मामले दर्ज थे। पुलिस अब आरोपियों के अपराधिक इतिहास की जानकारी मुजफ्फरपुर, मोतिहारी सहित अन्य जिलों से जुटा रही है। इस कार्रवाई को लेकर पुलिस मुख्यालय ने टीम की सराहना की है।

बिहार के इस शहर को एक नहीं, मिलेंगी 4 वंदे भारत ट्रेनें, रेलवे ने मांगी फिजिबिलिटी रिपोर्ट

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। रेलवे देश की अब तक सबसे तेज चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की संख्या बिहार में बढ़ाने जा रहा है। आने वाले दिनों में राज्य को नई वंदे भारत ट्रेनें मिल सकती हैं। इसके लिए रेलवे के शीर्ष अधिकारियों ने जानकारी मांगी है। राज्य के प्रमुख शहर मुजफ्फरपुर से एक नहीं, बल्कि 4 वंदे भारत ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। इसके लिए फिजीबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इसे लेकर पूर्व मध्य रेलवे (पूमरे) के निर्देश पर सोनपुर मंडल ने प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुजफ्फरपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्रबंधक से इसकी रिपोर्ट मांगी गई है। करीब 15 दिनों तक स्टेशन पर वाणिज्य विभाग के साथ ऑपरेटिंग विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी अध्ययन कर इसकी रिपोर्ट तैयार करेंगे, जिसे मुख्यालय भेजा जाएगा। इस रिपोर्ट में वंदे भारत ट्रेनें चलाने की संभावनाओं और जरूरतों से जुड़ी हर तरह की जानकारी इकट्ठा की जाएगी।

इन रूट पर चलाई जा सकती है वंदे भारत ट्रेन : जानकारी हो कि, मुजफ्फरपुर से नई दिल्ली, न्यू जलपाईगुड़ी, हावड़ा और बनारस के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर सोनपुर मंडल ने पूमरे के माध्यम से रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेजा था। अब रेलवे बोर्ड ने इसके परिचालन की कवायद तेज कर दी है। परिचालन से पहले वंदे भारत एक्सप्रेस की फिजीबिलिटी जानना चाहता है, जिसको लेकर रिपोर्ट मांगी गई है।

फिजीबिलिटी रिपोर्ट से राह होगी आसान : फिजीबिलिटी रिपोर्ट एक अध्ययन है जो यह निर्धारित करने के लिए किया जाता है कि कोई प्रस्तावित परियोजना या व्यावसायिक विचार व्यावहारिक है या नहीं। इस रिपोर्ट में पहलुओं जैसे तकनीकी, आर्थिक, कानूनी और समयबद्धता आदि का विश्लेषण किया जाता है। इससे तय होता है कि परियोजना सफल होगी या नहीं।

रेल यात्रियों से भी ली जाएगी जानकारी : फिजीबिलिटी रिपोर्ट में देखा जाएगा कि मुजफ्फरपुर जंक्शन पर वंदे भारत ट्रेन की मांग है या नहीं। अगर है तो किस इलाके के लिए मांग है। क्या वंदे भारत के परिचालन से अन्य ट्रेनों पर भी असर पड़ेगा। किराया संबंधित रिपोर्ट भी रेलवे तैयार करेगी। यह रिपोर्ट गोपनीय तरीके से तैयार की जाएगी।

उगते सूरज को अर्ध्य के साथ चैती छठ का समापन

पटना, एजेंसी। बिहार में उगते सूर्य को अर्ध्य के साथ लोक आस्था के महापर्व चैती छठ का समापन हो गया। 4 दिनों तक चलने वाले छठ के पारण के साथ ही 36 घंटे का निर्जला उपवास खत्म हो गया। सुबह 4 बजे से ही गंगा घाटों पर छठ व्रतियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते दीघा घाट इलाके में जाम लगा। पटना में 41 गंगा घाट और 7 तालाबों पर व्रतियों और श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य को अर्ध्य दिया। आज मृगशिरा नक्षत्र में शोभन योग और रवियोग का सुयोग बन रहा है। जल में रक्त चंदन, लाल फूल, इत्र के साथ ताम्रपत्र में सूर्य को अर्ध्य देने से आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है। मान्यताओं के मुताबिक, सूर्य षष्ठी का व्रत आरोग्य की प्राप्ति, सौभाग्य और संतान के लिए रखा जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार, राजा प्रियव्रत ने भी छठ व्रत रखा था।

उन्हें कुष्ठ रोग हो गया था। पंडित राकेश झा के मुताबिक भगवान भास्कर को जल से अर्ध्य देने से मानसिक शांति और जीवन में उन्नति होती है। इस पर्व को करने से रोग, शोक, भय, आदि से मुक्ति मिलती है। छठ व्रत करने की परंपरा ऋग्वैदिक काल से ही चला आ रहा है। विष्णु पुराण के अनुसार तिथियों के बंटवारे के समय सूर्यदेव को सप्तमी तिथि प्राप्त हुई थी। इसलिए उन्हें इस तिथि का स्वामी भी कहा जाता है।

बक्सर में 36 लाख की कफ सिरप बरामद: मिनी ट्रक से 12 हजार फेंसिडिल की बोतलें जब्त

बक्सर, एजेंसी। बक्सर की उत्पाद पुलिस ने गुरुवार को नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चौसा चेकपोस्ट पर एक मिनी ट्रक से 12,000 बोतल फेंसिडिल कफ सिरप जब्त की है। सभी बोतल 100 मिलीलीटर की है। इस कार्रवाई में कुल 1200 लीटर बोतलें जब्त की गई है। बाजार में इसकी अनुमानित कीमत लगभग 36 लाख रुपए है।

प्याज-लहसुन की बोरियों के नीचे छिपाया सिरप : पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए यूपी के गाजीपुर जिले के नंदगंज गांव निवासी संदीप कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने फेंसिडिल को प्याज और लहसुन की बोरियों के नीचे छिपा रखा था, ताकि चेकिंग में शक न हो। ट्रक में कुल 38 बोरी प्याज और 70 बोरी लहसुन लोड थी।

गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी : जांच में सामने आया है कि यह नशीली खेप उत्तर प्रदेश से बिहार के रास्ते बंगाल या अन्य राज्यों में भेजी जा रही थी। पुलिस अब इस तस्करी से जुड़े गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। उत्पाद चेकपोस्ट प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए अभियान लगातार जारी है। जब्त सामग्री की गिनती बक्सर सदर के कार्यपालक दंडाधिकारी विनोद कुमार सिंह की मौजूदगी में वीडियोग्राफी के साथ की गई। फेंसिडिल एक प्रतिबंधित कोडीन-आधारित कफ सिरप है, जिसका दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है।

7 लोगों ने पीट-पीटकर किशोरी की तोड़ी कमर की हड्डी

शौच के लिए तालाब से पानी लेनी गई थी, बदमाशों ने समझा मछली मार रही

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में 14 साल की किशोरी को 7 लोगों ने बेरहमी से पीटा। उसकी कमर तोड़ दी। नाबालिग अपने घर से 500 मीटर दूर शौच के लिए गई थी। वहीं पर एक तालाब भी है। वो पानी लेने के लिए गई थी। तभी कुछ लोगों ने उसे तालाब से बाहर आने के लिए बोला। उन्हें लगा कि नाबालिग मछली मारने के लिए तालाब में गई है। जब नाबालिग तालाब से बाहर आई तो उसकी बुरी तरह से पिटाई कर दी। उसकी चीख सुनकर आसपास के लोग दौड़े। जिसके बाद सभी बदमाश फरार हो गए। सूचना पर परिजन भी पहुंचे तो देखा उनकी बेटी दर्द से कराह रही है। उसे अस्पताल ले गए। मामले को लेकर पीड़िता के पिता लाल बच्चन मुसहर ने थाने में आवेदन दिया। जिसमें मो. जावेद, हंसी अहमद का बेटा सद्दाम समेत 10 लोगों को आरोपी बनाया है। मामला 20 मार्च का है, लेकिन अब तक कार्रवाई तो दूर एफआईआर भी दर्ज नहीं हुई है। पीड़िता के परिजन को उम्मीद है कि मामला मंत्री जीतन राम मांझी तक पहुंचेगा तो वे जरूर आएंगे। कमतौल थानाध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी ने बताया, याद नहीं है, मैं देखता हूं कि आवेदन मिला या नहीं। मामला कमतौल थाना क्षेत्र के मधुपुर गांव की है।

बच्ची शायद ही जी पाएगी- पीड़िता के दादा

पीड़िता के पिता लाल बच्चन ने कहा कि उलाजे, राजिक, तनवीर, इब्राहिम समेत अन्य मेरे घर आए थे। पीड़ित परिवार ने थाना प्रभारी से सभी आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। बच्ची के दादा फौदार मांझी ने बताया कि पोती शौच के लिए गई थी। इसी दौरान दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने मारपीट की। मारपीट में बच्ची की कमर टूट गई। वह अब उठ नहीं पा रही है। जब परिवार के लोग उसे बचाने पहुंचे तो हमारे साथ भी मारपीट की। हम गरीब लोग हैं। कोई सहारा नहीं है। पोती की हालत

ऐसी है कि वह शायद ही जी पाए। अपनी जाति के नेता जीतन राम मांझी से न्याय की गुहार लगाते हैं।

सिर, कमर और पंजरे में चोट लगी है

वार्ड सदस्य सरवन कुमार झा ने बताया कि बच्ची के सिर, कमर और पंजरे में गंभीर चोटें हैं। कमतौल थाना पुलिस को आवेदन दिया गया है। अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की। परिजन ने बताया कि अभी हमलोग पंचायत कर रहे हैं, पंचायत में दोनों गांव के सरपंच और ग्रामीण उपस्थित हैं। पंचायत के फैसले के बाद कुछ बताएंगे।

आपस में सुलह की कवायद

टेकटार पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि गौरीशंकर साहू ने बताया कि मारपीट की घटना हुई थी।बच्ची अभी ठीक है। मारपीट करने वालों की तरफ से कहा गया है की बच्ची का समुचित इलाज हम लोग करवाएंगे। दोनों पक्ष आपस में सुलह में लगे हुए हैं।

क्या बोलीं एसडीपीओ

एसडीपीओ कमतौल ज्योति कुमारी ने बताया कि पूरी जानकारी मुझे मीडिया के द्वारा दिया गया। थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि पीड़ित परिवार से मिले और घटना स्थल का मुआयना करे।मैं खुद भी इसको मॉनिटरिंग करूंगी जो कानून संगत कार्रवाई होगा किया जायेगा।

Page 3_16.12..2018 PAGE-04.qxd 04-04-2025 22:09 Page 1

वक्फ संशोधन बिल पारित होते ही अल्पसंख्यकों का सीएम से मोहभंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में वक्फ संशोधन बिल को लेकर जारी सियासी उबाल ने अब जेडीयू की जड़ों को भी हिलाना शुरू कर दिया है। वक्फ बिल पर मोदी सरकार को समर्थन देने के बाद जदयू में अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

अब मुजफ्फरपुर जिले से इस नाराजगी का पहला बड़ा असर सामने आया है, जहां जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव अफरीदी रहमान ने अपने 20 से अधिक समर्थकों के साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।

इस्तीफा देने के साथ ही अफरीदी रहमान और उनके समर्थकों ने अपने-अपने घरों पर लगे जेडीयू के नेमप्लेट तोड़कर विरोध जताया। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। पार्टी से नाता तोड़ते हुए इन नेताओं ने नीतीश कुमार पर मुसलमानों के साथ विश्वासघात करने का गंभीर आरोप लगाया है।

जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव के नेतृत्व में पार्टी से अलग हुए नेताओं में मो. इमरान अली, मो. आजाद अली, मो. शमीम रहमान, मो. बबलू, राजू खान, मो. इम्तियाज, जानीसर खान, मो. छोटू, मो. अहमद, मो. विक्की, रऊफ अंसारी और दानिश इकबाल सहित कई कार्यकर्ता शामिल हैं।

पार्टी में बढ़ता असंतोष, मुस्लिम नेताओं में नाराजगी

अफरीदी रहमान ने इस्तीफा देते हुए कहा कि वक्फ संपत्तियां हमारे पूर्वजों की धरोहर हैं। इन संपत्तियों में मस्जिद, कब्रिस्तान, मदरसा जैसी आस्थाओं से जुड़ी चीजें आती हैं, जिन्हें आजादी से पहले वक्फ किया गया था। लेकिन केंद्र सरकार ने वक्फ संशोधन बिल लाकर मुसलमानों की इन संपत्तियों को हड़पने की साजिश रची है। उन्होंने कहा कि जेडीयू जैसे धर्मनिरपेक्ष कहे जाने वाले दल का इस बिल का समर्थन करना मुस्लिमों के साथ खुला धोखा है।

अफरीदी रहमान ने कहा कि उन्होंने वर्षों तक जेडीयू का झंडा उठाया, लोगों के बीच पार्टी की विचारधारा का प्रचार किया। लेकिन अब यह साफ हो चुका है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुस्लिम समुदाय के साथ न्याय नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमें अफसोस है कि हमने इतनी वफादारी निभाई और अंत में हमें ही धोखा मिला। यह घटनाक्रम केवल मुजफ्फरपुर तक सीमित नहीं है।

वक्फ संशोधन बिल पर जेडीयू के रुख से मुस्लिम समुदाय के नेताओं में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। पार्टी से जुड़े कई अन्य जिलों के मुस्लिम कार्यकर्ता भी अपने-अपने स्तर पर विरोध दर्ज करा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में अन्य जिलों से भी इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो सकता है।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर पूरे देश में मुस्लिम समुदाय द्वारा विरोध किया जा रहा है। समुदाय का आरोप है कि यह बिल मुस्लिमों की धार्मिक संपत्तियों को छीनने का रास्ता खोलता है। हालांकि केंद्र सरकार इसे सुधार बता रही है, लेकिन विपक्ष में शामिल कई पार्टियों के साथ जेडीयू, लोजपा, हम पार्टी और दक्षिण भारत के कुछ दलों द्वारा समर्थन देने के बाद से अल्पसंख्यकों में असंतोष गहरा गया है।

युवक ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामपुर दूधपुरा गांव से गुरुवार की देर शाम एक दर्दनाक घटना सामने आई है। 42 वर्षीय चंदन शाह ने पारिवारिक तनाव और पत्नी की विदाई न होने से आहत होकर घर की बल्ली से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान मोहल्ले के दिवंगत नागेंद्र शाह के पुत्र के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के भाई सूरज शाह के अनुसार, चंदन की शादी लगभग 15 साल पहले हुई थी और उनके दो बच्चे भी हैं। लेकिन बीते वर्षों में पति-पत्नी के रिश्तों में खटास आ गई थी। शिवरात्रि के दिन उनकी पत्नी सोनी देवी अपने दोनों बच्चों को लेकर मायके मोहम्मदपुर (दरभंगा) चली गई थीं। चंदन ने कई बार फोन कर पत्नी से वापस आने की अपील की, लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला। तीन दिन पहले वह ससुराल गया था, जहां न सिर्फ उसकी बेज्जती हुई, बल्कि उसे भगा भी दिया गया। बेज्जती का बोझ और पत्नी-बच्चों के बिना घर लौटने का गम चंदन बर्दाश्त नहीं कर सका।

सामने आया पुलिस का बर्बर चेहरा

हेमलेट न पहनने पर पुलिस ने बाइक सवारों को धुना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। जिले में पुलिस की कथित बेरहमी का एक शर्मनाक मामला सामने आया है। जहां हेलमेट न पहनने पर तीन युवकों को पुलिस ने इस कदर पीटा कि एक का पैर टूट गया और दूसरे की हालत इतनी गंभीर हो गई कि उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घायल युवक आदित्य राज दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। उसने पुलिस पर मारपीट के साथ-साथ जातिसूचक गालियां देने और एक हजार रुपये वसूली का आरोप भी लगाया है।

यह घटना 30 मार्च की रात की बताई जा रही है, जब नगर थाना की गश्ती टीम ने रात में बाइक से जा रहे तीन युवकों को पावर हाउस रोड के पास रोक लिया। हेलमेट न होने और कागजात की पूछताछ के दौरान मामला इतना बिगड़ गया कि पुलिसकर्मियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी।

घायल आदित्य राज ने बताया कि वह अपने ननिहाल गाछी टोला आया हुआ था और बीए थर्ड ईयर की परीक्षा देने के लिए रुका था। उसी दौरान दिल्ली से उसका दोस्त इम्तियाज मिलने आया और वहीं रुक गया।

रात करीब 12:30 बजे उसे यह सूचना मिली कि उसके मौसेरे भाई सन्नी कुंज प्रभाकर के दादा का निधन हो गया है। इसी खबर के बाद वे तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर नींगा गांव की ओर रवाना हुए।

हड़बड़ी में हेलमेट न पहनने के कारण उन्हें पावर हाउस रोड के पास पुलिस ने रोक लिया। आदित्य ने बताया कि जैसे ही उन्होंने दादा की मृत्यु की बात बताई, पुलिसकर्मी भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

आदित्य राज ने दावा किया कि पुलिस ने उसके सिर पर जोरदार डंडा मारा, जिससे उसका सिर फट गया और खून बहने लगा। वहीं, सन्नी को इतनी जोर से डंडा मारा गया कि उसका पैर टूट गया और वह बेहोश हो गया। तीसरे युवक इम्तियाज को भी पीटा गया, लेकिन उसकी चोटें अपेक्षाकृत कम थीं।

आदित्य ने कहा कि मारपीट के बाद उन्हें बोलेरो में पीछे की सीट पर बैठाया गया और फिर गाछी टोला, सुभाष चौक और पावर हाउस रोड के रास्ते घुमाया गया। इस दौरान पुलिस वाहन चला रहे चालक ने वढक स्कैनर निकाला और कहा कि अगर उन्हें छोड़े जाने की उम्मीद है, तो एक हजार रुपये देने होंगे।

आदित्य के अनुसार, उसने रात 1:10 बजे पुलिस के वाहन में ही चालक के स्कैनर पर एक हजार रुपये ट्रांजैक्शन किया। तब जाकर उन्हें छोड़ा गया।

पुलिस रात्रि गश्ती दल पर गोलीबारी

चौकीदार जखमी, महकमे में मची खलबली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। जिले में अपराधियों ने एक बार फिर पुलिस को खुली चुनौती दी है। जिले के बसनही थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात गश्ती पर निकली पुलिस टीम पर अज्ञात अपराधियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस घटना में थाने में पदस्थापित ग्रामीण चौकीदार राजेंद्र पासवान को गोली लग गई, जिन्हें पहले सहरसा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इस घटना के बाद जिले भर में पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। सहरसा एसपी और कई थानों की पुलिस टीमें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं और इलाके में सघन छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

घटना को लेकर घायल चौकीदार राजेंद्र पासवान ने बताया कि वह थानाध्यक्ष कुलवंत कुमार के साथ रात्रि गश्ती पर थे। वे इमजमाल संथाल टोला के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही एक बाइक पर सवार कुछ संदिग्ध युवकों को रोका गया। पुलिस को देखते ही उन लोगों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी।

गोलियों की आवाज से इलाका दहल उठा। अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की, जिसमें से एक गोली चौकीदार राजेंद्र पासवान की बांह में लगी। घटना के बाद साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत सहरसा सदर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने बताया कि गोली उनके हाथ में अभी भी फंसी हुई है, जिस कारण उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया।

घटना को लेकर मुख्यालय डीएसपी कमलेश्वरी प्रसाद सिंह ने बताया कि पुलिस ने गश्ती के दौरान एक अपराधी को पकड़ने की कोशिश की थी। लेकिन अपराधी ने तुरंत फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में चौकीदार घायल हो गया और इसी बीच आरोपी मौका देखकर फरार हो गया। डीएसपी ने बताया कि इस वारदात के बाद पुलिस ने इलाके की नाकाबंदी कर दी है और संभावित ठिकानों पर लगातार छापामारी की जा रही है। एसपी स्वयं बसनही पहुंचे हैं और मामले की निगरानी कर रहे हैं।

छठ के दौरान गंगा नहाने में डूबा 12 वर्षीय बालक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। छठ महापर्व की आस्था उस समय मातम में बदल गई जब वैशाली जिले के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के शिवनगर स्थित काशी घाट पर गंगा नदी में दर्दनाक हादसा हो गया। जहां शुक्रवार सुबह नहाते समय 12 वर्षीय स्वराज कुमार उर्फ सौरभ कुमार की डूबने से मौत हो गई। उस समय स्वराज अपनी दादी और परिजनों के साथ छठ पूजा के अवसर पर घाट पर गया था।

जानकारी के अनुसार, मृतक स्वराज कुमार स्थानीय निवासी हरबंस मिश्रा का पुत्र था। छठ पूजा के अवसर पर उसकी दादी और परिवार के अन्य सदस्य घाट पर पूजा अर्चना करने पहुंचे थे। इस दौरान स्वराज भी गंगा में स्नान कर रहा था कि अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। घटना होते ही आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल नदी में खोजबीन शुरू की और कड़ी मशक्कत के बाद स्वराज के शव को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। किशोर की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही गांव में मातम पसर गया। मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है, खासकर उसकी दादी जो छठ पूजा करने घाट पर आई थीं, सदमे में हैं। बच्चे की मौत ने पूरे परिवार की खुशियों को गम में बदल दिया। इधर, घटना की सूचना मिलते ही जुड़ावनपुर थाना अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

थाना अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि जैसे ही सूचना मिली, पुलिस टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि यह एक दुर्घटनावश हुई मृत्यु है। हालांकि इस घटना ने एक बार फिर छठ पूजा के दौरान घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

अग्नि पीड़ितों के बीच सहायता राशि का वितरण

शिवाजीनगर। प्रखंड के रहियार उत्तर पंचायत वार्ड एक गुलराही गांव में हुए अगलगी घटना के बाद अंचल कार्यालय में सभी पीड़ित परिवार को सीओ वीणा भारती ने सहायता राशि का चेक दिया। पीड़ित परिवार गौड़ी यादव, चुनचुन देवी, योगानंद यादव, रुणा देवी, शांति देवी, राजेंद्र यादव, देव चंद्र यादव, लुखनी देवी, को चेक दिया गया। बीते गुरुवार को गुलराही गांव में अचानक आग लगने से घर के अंदर रखे मोटरसाइकिल सहित सभी सामान जलकर राख हो गया था। मौके पर पंचायत मुखिया गजेंद्र प्रसाद सहित अंचल कर्मी मौजूद थे।

अपने पैतृक गांव पहुंचे मनोज वाजपेयी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गौनाहा। फिल्मी दुनिया और महानगरीय जीवनशैली से पांच दिनों का अवकाश लेकर अपने पैतृक गांव बेलवा पहुंचे अभिनेता मनोज बाजपेयी शुक्रवार को गौनाहा प्रखंड में बेलसंडी पंचायत के गम्हरिया गांव के ग्रामीणों से मिले। ग्रामीणों से गांगुली नदी के कटाव की विनाशलीला सुनकर वे भावुक हो गए। नदी के तट पर पहुंचे, जहां हर साल बरसात में किसानों की जमीन और ग्रामीणों के सपने का मर्दन गांगुली नदी करती है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ नदी का कटाव नहीं, ग्रामीणों के सुनहरे भविष्य पर वज्रपात है। अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो गांव और किसान दोनों ही नक्शे से गायब हो जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मैं कटाव से निजात के लिए डीएम समेत अन्य अधिकारियों से बात करूंगा और जरुरत पड़ी तो इसके लिए संघर्ष भी करेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मी दुनिया से अलग, यह मेरी असली दुनिया है। सो, मेरा फर्ज भी है कि मैं इस सामाजिक संकट में अपना योगदान दूं।

मनोज बाजपेयी के साथ राजनीतिज्ञ सह समाजसेवी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, शिक्षाविद ज्ञानदेव देव मणि त्रिपाठी, राकेश राव, नितेश राव, दीपेन्द्र बाजपेयी भी थे।

मनोज बाजपेयी ने सभी के साथ चर्चा के बाद आने वाले समय में समाधान की दिशा में ठोस प्रयास का भरोसा दिलाया। उल्लेखनीय है कि बरसात के दिनों में गांगुली नदी में बाढ़ और कटाव इलाके की बड़ी समस्या है।

वर्ष 2024 के बाढ़ में लगभग आधा दर्जन घर नदी में विलीन हो गए थे। बाढ़ पीड़ित भुवाली महतो, बच्चा गुरो, कमलेश गुरो, मनोज महतो, सुरेंद्र काजी ने कहा कि कटाव हर साल जारी रहता है। नदी से हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो जाती है। गांव और किसानों की जमीन को बचाने के लिए मजबूत बांध बनवाने की जरुरत है।

प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष ने विस अध्यक्ष से की शिष्टाचार मुलाकात

कई मुद्दों पर भी हुई चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टुंडी। पूर्वी टुंडी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष योगेश प्रसाद रजक आज गुरुवार देर शाम पार्टी के निर्देश पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो से उनके नाला स्थित निवास स्थान पर गुलदस्ता भेंट कर शिष्टाचार भेंट किया एवं अपने क्षेत्रों की ज्वलंत मुद्दों को लेकर विचार-विमर्श किया। ज्ञात हो कि जिला कांग्रेस के निर्देश पर विधानसभा अध्यक्ष से मिलकर पूर्वी टुंडी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष ने एक तीर से कई निशान साधने में सफल हुए है। उनके इस मुलाकात से बाजारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। दबी जुबान लोग कह रहे हैं कि वर्तमान प्रखंड अध्यक्ष को आलाकमान ने कोई बड़ी जिम्मेवारी सौंपी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि आने वाले दिनों में कांग्रेस अपने

बल पर एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरेगी तथा तथा कांग्रेस के एक एक कार्यकर्ताओं को सम्मान का ख्याल रखने का काम करेंगी कांग्रेस पार्टी। विदित हो कि विधानसभा अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट कर खासे उत्साहित हैं श्रीं रजक तथा पूर्वी टुंडी समेत सभी क्षेत्रों में कांग्रेस आने वाले दिनों में एक सशक्त रूप से मजबूत होने की बातें दुहराई।

अब जहानाबाद में ट्रैफिक की होगी डिजिटल निगरानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। आने वाले दिनों में जहानाबाद शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से बदलने वाली है। अब शहर के प्रमुख चौकों पर पटना की तर्ज पर रेड, येलो और ग्रीन ट्रैफिक लाइट लगाई जाएंगी। रेड लाइट का मतलब होगा रुकना, ग्रीन लाइट आगे बढ़ने की अनुमति देगी, और येलो लाइट ड्राइवरों को चेतावनी देगी कि वे धीमे हो जाएं क्योंकि रेड लाइट आने वाली है।

ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए शहर के प्रमुख चौकों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

इन कैमरों की मदद से वाहनों के नंबर प्लेट की तस्वीर ली जाएगी और जो भी यातायात नियमों का उल्लंघन करेगा, उसे ऑटोमेटिक तरीके से ई-चालान जारी किया जाएगा। यह सिस्टम खासतौर पर ओवरस्पीडिंग और रेड लाइट जंप करने जैसी गलतियों पर नजर रखेगा।

इस नई व्यवस्था को लागू करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने प्रमुख स्थानों की पहचान कर ली है। काको मोड़, अरवल मोड़ और अंबेडकर चौक पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने का प्रस्ताव पहले ही दिया जा चुका है।

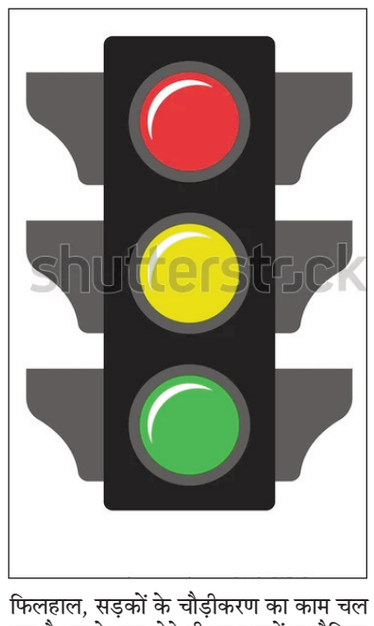

फिलहाल, सड़कों के चौड़ीकरण का काम चल रहा है। इसके पूरा होते ही इन स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल और सीसीटीवी कैमरों की स्थापना का काम शुरू कर दिया जाएगा। खासकर काको मोड़ और अरवल मोड़ के पास कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को ट्रैक किया जा सके।

अभी तक ट्रैफिक पुलिस इन चौराहों पर मैनुअली ट्रैफिक को कंट्रोल करती है, जिससे कई वाहन चालक चालान से बच निकलते हैं। लेकिन ई-चालान सिस्टम लागू होने के बाद ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई होगी। इससे दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। खासकर, बाइक सवारों के लिए हेलमेट न पहनने जैसी लापरवाहियों पर भी निगरानी रखी जाएगी।

ट्रैफिक डीएसपी नवीन कुमार ने बताया कि इस प्रस्ताव को जनवरी में पेश किया गया था, लेकिन सड़कों के चौड़ीकरण के कारण इसका कार्यान्वयन रुका हुआ है। वहीं, जिला परिवहन पदाधिकारी राहुल कुमार ने भी आश्वासन दिया है कि ई-चालान सिस्टम जल्द शुरू किया जाएगा। यह नया कदम जहानाबाद में ट्रैफिक व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और अनुशासित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

पत्थरों से कुचली लाश मिलने से सनसनी

भागलपुर। भागलपुर के कहलगांव थाना क्षेत्र के सौर गांव में शुक्रवार की सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एमजीआर पुल (पुल संख्या-16) के नीचे एक युवक का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। टहलने निकले ग्रामीणों की नजर जब शव पर पड़ी तो इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना कहलगांव पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में युवक की हत्या की आशंका जताई गई है। मृतक की पहचान रसलपुर थाना क्षेत्र के एकचारी भोलसर निवासी दिवंगत धनंजय सिंह के 19 वर्षीय पुत्र राबिन कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष अतुलेश सिंह ने बताया कि युवक के सिर और चेहरे को बुरी तरह पत्थरों से कुचला गया है, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल से पुलिस को एक मोबाइल भी बरामद हुआ है। मृतक के परिजनों के अनुसार, गांव में आयोजित नौ दिवसीय विष्णु यज्ञ और मेला देखने के लिए गुरुवार की शाम राबिन घर से निकला था। लेकिन वह देर रात तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

397 जूनियर इंजीनियरों की पदस्थापना से पटना मेट्रो के कार्यों को मिलेगी गति

▸ 1350 नए पदों का हुआ सृजन ▸ 15 अगस्त से चालू होने की संभावना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य के नगर निकायों में चल रही शहरी योजनाओं में अब तेजी आएगी। इसके लिए नगर विकास एवं आवास विभाग ने 397 जूनियर इंजीनियरों को विभिन्न नगर निकायों, बुडको, बिहार आवास बोर्ड, पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन में पदस्थापित किया है।इन अभियंताओं को शहरी इलाकों में चल रही विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं को ससमय गुणवत्तापूर्ण तरीके से लागू करने का निर्देश दिया गया है।

पटना मेट्रो के कार्यों को गति देने के लिए भी विभाग ने 11 सिविल, जबकि चार-चार इलेक्ट्रिकल एवं मेकेनिकल इंजीनियरों की तैनाती है। पटना मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर को इसी साल 15 अगस्त तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री जिवेश कुमार ने कहा कि 397 अभियंताओं के पदस्थापन से सम्राट अशोक भवन, प्रशासनिक भवन, जल जीवन हरियाली मिशन जैसी योजनाओं के काम में और तेजी आएगी।बिहार सरकार के इस बड़े कदम से जल निकासी, सड़क, नाला, पेयजल आपूर्ति, भवन निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता में सुधार होगा। शहरी नागरिकों को बेहतर सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

इन इंजीनियरों की बहाली बिहार तकनीक सेवा आयोग द्वारा की गई है। अधिसूचना के मुताबिक इलेक्ट्रिकल शाखा से 12 जेई और मैकेनिकल शाखा से 35 जेई का पदस्थापन किया गया है। साथ ही सिविल शाखा से 350 कनीय अभियंताओं को पदस्थापित किया गया है।

सभी अभियंताओं को एक सप्ताह के अंदर नव पदस्थापित कार्यालय में शैक्षणिक योग्यता एवं आवासीय समेत अन्य जरूरी प्रमाण पत्रों के साथ योगदान करने का आदेश दिया गया है। दूसरी ओर राज्य के सभी 38 जिला मुख्यालय वाले शहरों के सुनियोजित विकास के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग ने आयोजना क्षेत्र प्राधिकार (प्लानिंग एरिया अथारिटी) का गठन किया है। इन आयोजना क्षेत्र प्राधिकार में 1350 नए पद सृजित किए हैं। इसमें मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, नगर निवेशक, सांख्यिकी पदाधिकारी जैसे पद शामिल हैं।

विभाग के अनुसार, अगले बीस सालों की संभावित आबादी को देखते हुए शहरों का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। इसमें विभिन्न भूमि उपयोग (आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक इत्यादि) मूलभूत सुविधाओं एवं सड़क निर्माण की योजना का विस्तृत वर्णन होगा।

राज्य के प्रमुख शहरों में टाउनशिप परियोजना लाने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में प्रमण्डलीय जिला मुख्यालय एवं अन्य जिला मुख्यालय के आधार पर वगीर्कृत करते हुए पदों की स्वीकृति दी गई है। प्रमण्डलीय स्तर के नौ जिला मुख्यालय वाले आयोजना प्राधिकार में प्रति आयोजना प्राधिकार के लिए 39 पद, जबकि अन्य 29 जिला मुख्यालय वाले आयोजना प्राधिकार में प्रति आयोजना प्राधिकार के लिए 34 पद स्वीकृत किए गए हैं।

पटना महानगर क्षेत्र प्राधिकार के लिए सहायक नगर योजना पर्यवेक्षक के नौ पदों और उप नगर योजना पर्यवेक्षक के चार पदों की स्वीकृति दी गई है। इस तरह कुल 1350 पद सृजित किए गए हैं।

प्रशासनिक, योजना, वास्तु, इंजीनियरिंग, रियल एस्टेट, लेखा आदि कार्यों के आधार पर किया गया है। विभागीय मंत्री जिवेश कुमार ने बताया कि नए पद सृजन के बाद आयोजना क्षेत्र प्राधिकार के कार्यों में तेजी आएगी।

विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने कहा कि बिहार शहरी आयोजना तथा विकास नियमावली 2014 के तहत इन पदों का सृजन किया गया है। इसके अलावा जीआईएस विशेषज्ञ, आईटी मैनेजर, डाटा इंट्री ऑपरेटर, मल्टी टास्किंग स्टाफ की सेवा बेल्ट्रान या विभाग की ओर से निर्धारित एजेंसी के जरिए ली जाएगी।

मगही संस्कृति का संगम होगा मगही 'महोत्सव'

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मगध की सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक पहचान को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से पांच अप्रैल 2025 को बिहार की राजधानी पटना के गर्दनीबाग स्थित बापू टावर में मगही महोत्सव 2025 का आयोजन होने जा रहा है। यह एक दिवसीय भव्य कार्यक्रम सुबह नौ बजे से शाम सात बजे तक चलेगा और इसका उद्घाटन केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी करेंगे। यह आयोजन न केवल मगही भाषा और लोक परंपरा के संरक्षण का प्रयास है, बल्कि युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी माध्यम है। महोत्सव को मगध सम्राट अशोक की जयंती के अवसर पर खास तौर से आयोजित किया जा रहा है।

महोत्सव की शुरूआत सुबह 9:00 बजे प्रतिभागियों के पंजीकरण से होगी। इसके तुरंत बाद मगध की परंपरागत गया घराने की ठुमरी गायकी से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। प्रख्यात गायक राजन सिजुआर की प्रस्तुति सुबह 10:15 बजे से 11:00 बजे तक होगी, जो संगीत प्रेमियों को मगध की सुरमयी संस्कृति से जोड़ देगी।

महोत्सव में पूरे दिन भर मगही भाषा, इतिहास, पुरातत्व, उद्यमिता, सिनेमा और लोक संस्कृति पर केंद्रित सत्र आयोजित होंगे। इनमें बिहार और देश के नामी विद्वान, इतिहासकार, उद्यमी और कलाकार हिस्सा लेंगे। मगही भाषाः कल, आज और कल विषय पर सुबह 11:00 बजे से चचाएं होंगी, जिसमें प्रो. शिवनारायण, डॉ. अतीश पराशर, धनंजय श्रोत्रीय और इश्तेयाक अहमद अपने विचार साझा करेंगे। दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक मगध के इतिहास, पुरातत्व व विरासत विषय पर गहन चर्चा होगी जिसमें प्रो. आनंद वर्धन, सुजीत नयन और कुमार निर्मलेंदु वक्ता होंगे।

भोजनावकाश के बाद कार्यक्रम में मगध में उद्यमिता और मगध और सिनेमा जैसे रोचक विषयों पर संवाद होगा। यहां डॉ. सत्यजीत सिंह, अभिनेता विकास कुमार, अभिनेत्री अस्मिता शर्मा और फिल्म समीक्षक विनोद अनुपम जैसी हस्तियां भाग लेंगी।

मगही महोत्सव में युवाओं की भागीदारी भी प्रमुख आकर्षण होगी। शाम 4:00 बजे से मगहिया युवा संवाद नामक सत्र में इंडियन आइडल फेम रीतिका राज सिंह, पवन कुमार और पूजा कुमारी जैसे उभरते हुए युवा अपनी बात रखेंगे। यह सत्र युवाओं की ऊर्जा और उनके विचारों को मगही भाषा और संस्कृति से जोड़ने की पहल का हिस्सा है।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में मगही कवि सम्मेलन और लोकगायन का आयोजन होगा। कवि सम्मेलन में संजीव मुकेश, चंदन द्विवेदी, प्रेरणा प्रताप और अनमोल कुमारी अपनी रचनाओं से मंच को जीवंत करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सात वर्ष बाद मिला इंसाफः बेटी के प्रेमी की हत्या में पिता-पुत्रों समेत पांच को उम्रकैद, कार में मिली थी लाश

मेरठ , एजेंसी। सात साल पहले बेटी के प्रेमी संजीव उर्फ सैंकी को जिंदा जलाकर मारने वाले गुलाब सिंह, उसके बेटों पम्मी, जॉनी उर्फ विशाल, सन्नी और एक अन्य राहुल को दोषी करार देकर अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। संजीव का जला हुआ शव गंगानगर थाना क्षेत्र के ललसाना गांव के जंगल में जली गई वैगनआर कार में मिला था। न्यायालय ने दोषी पर अर्थदंड भी लगाया है।

एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि 7 दिसंबर 2018 को विकास कुमार निवासी पूठी, परीक्षितगढ़ ने गंगानगर थाने पर अपने फुफेरे भाई संजीव उर्फ शैंकी निवासी जंधेड़ी, मवाना की हत्या का मामला दर्ज कराया था। बताया था कि संजीव का पल्लवपुरम निवासी गुलाब सिंह की बेटी के साथ प्रेमप्रसंग चल रहा था।

इसी कारण पल्लवपुरम फेस-2 डबल स्टोरी, मोदीपुरम निवासी गुलाब सिंह, उसके बेटों पम्मी, जॉनी उर्फ विशाल, सन्नी और राहुल पुत्र ओमवीर ने संजीव को बुलाकर उसे ललसाना के जंगल में ले जाकर उसकी वैगनआर कार में जिंदा जलाकर मार दिया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने विवेचना कर पांचों के खिलाफ एक मार्च 2019 को आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया था। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनते हुए गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर दोषी पाते हुए पांचों को सजा सुनाई। कोर्ट ने हत्या की धारा 302 में उम्रकैद, 10-10 हजार रुपये अर्थदंड और साक्ष्य मिटाने की धारा 201 में तीन वर्ष का कारावास व पांच-पांच हजार रुपये के अर्थदंड़ की सजा सुनाई है।

आगरा में चोरी की बड़ी वारदातः किसान के घर चोरों का धावा

आगरा , एजेंसी। आगरा के कागारौल थाना क्षेत्र के मसेल्या गांव में चोरी की बड़ी वारदात हुई। यहां चोरों ने किसान के घर में धावा बोल दिया। घर के ताले तोड़कर आठ लाख की नकदी, 15 लाख के जेवर के साथ लाइसेंसी राइफल भी चोरी हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान फोरेंसिक टीम ने भी घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए।

मसेल्या निवासी सुभाष चंद पुत्र प्रेम सिंह के घर को बीती रात चोरों ने निशाना बना डाला। घर में पति पत्नी दूसरे कमरे में सोये हुए थे। चोर पीड़ित के घर में दीवार पर चढ़कर रात तक़रीबन 1 से 3 बजे के बीच में घुस गए। पूरे मकान खंगाल डाला। चोरों ने घर के संदूक में रखी लाइसेंसी रायफल, सोने चांदी के आभूषण और नगदी चुरा ली। इसके बाद सीढ़ियों के रास्ते छत से होकर घर के पीछे खेत से होकर भाग निकले।

घटना की जानकारी सुबह हो सकी, जब परिवार के लोग जागे। घर में बिखरा पड़ा सामान देख परिजनों के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पीड़ित चन्द्रवीर ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ घर में अकेले रहते हैं। वे चार भाई हैं। बड़े भाई जुगेंद्र सिंह दुधाधारी स्थित महात्मा गांधी इंटर कॉलेज में प्रोफेसर हैं। एक भाई सोलर पैनल की ठेकदारी करतें हैं। तीसरे नम्बर के भाई एसबीआई बैंक में ब्रांच मैनेजर के पद पर हैं।

मां कंपनी को कर चोरी का थमाया नोटिस, मांगा जवाब, जांच पड़ताल जारी

अलीगढ़ , एजेंसी। राज्य जीएसटी की विशेष अनुसंधान शाखा ने आगरा-मथुरा बाईपास रोड पर एक फार्मा उत्पाद कंपनी में लाखों रुपये की कर चोरी पकड़ी है। विभाग की ओर से इसकी जांच पड़ताल जारी है। कंपनी मालिक को नोटिस जारी किया गया है। इस मामले में कंपनी मालिक को अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया है। विभाग भी आकलन में जुटा है। विभाग के मुताबिक यह कंपनी पति और पत्नी के नाम से दर्ज है। जांच में स्पष्ट हुआ कि उत्पाद खरीद 230 लाख रुपये की हुई। इसमें मासिक बिक्री 50 लाख रुपये की है, जबकि पांच से सात लाख रुपये की बिक्री पर ही कर दिया गया है। इसको लेकर कंपनी मालिक को नोटिस दे दिया गया है। इसके अलावा विभाग ने सासनी गेट में चार अन्य प्रतिष्ठानों पर पहुंच कर जांच पड़ताल की है।

गोरखपुर मंडल में 2551 सरकारी संपत्तियों पर वक्फ का कब्जा

बैनामे कर कमाया मोटा मुनाफा, छानबीन हुई तेज

गोरखपुर, एजेंसी। वक्फ की संपत्तियों को लेकर गोपनीय तरीके से रिपोर्ट तैयारी की जा रही है। केंद्रीय एजेंसी की टीम वक्फ संबंधी मामलों को निगरानी कर रही है। सूत्रों की मानें तो वक्फ कितने मुस्लिम लोगों ने घोषित किया था और घोषित होने के बाद से लेकर अभी तक इन जमीनों पर क्या-क्या व्यावसायिक निर्माण हुआ है, इसकी रिपोर्ट एजेंसी की टीम तैयार कर रही है। इसमें मस्जिद, मदरसों को बाहर रखा। राज्यव की टीम ने रिकॉर्ड का सत्यापन शुरू कर दिया है।

गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीर नगर, बस्ती, महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर मिलाकर कुल 2,551 सरकारी सर्पत्तियों पर वक्फ का कब्जा मिला है। इसकी रिपोर्ट भी शासन स्तर पर भेज दी गई है। माना जा रहा है कि पहले इन सरकारी संपत्तियों को कब्जे से मुक्त करवाया जाएगा। इसके बाद वक्फ की जमीनों के व्यावसायिकरण पर कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों ने बताया कि जिला प्रशासन के पास मौजूद राजस्व अभिलेखों में 1366 फसली वर्ष से लेकर वर्ष 1795 के रिकॉर्ड भी मिले हैं। ये रिकॉर्ड उर्दू में हैं, लेकिन इनकी हिंदी प्रति भी तैयार कराई जा रही है। इसमें राजा सत्तासी और नवाब असिउद्दौला की तरफ से दिए गए संपत्ति का उल्लेख है। सूत्रों ने बताया कि ये संपत्ति गोरखपुर जिले के शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में भी है। रिकॉर्ड के अनुसार, नवाब और राजा की तरफ से जो 16 गांव दिए गए थे, वो मौजा उनौसा से लेकर कालेपुर(वर्तमान, डीआईजी बंगला रोड) का क्षेत्र है। इन गांवों को तत्कालीन राजा और नवाब ने धार्मिक उन्नति और बेहतरी के लिए दिया था। आजादी के बाद इन सरकारी जमीनों को गलत तरीके वक्फ में घोषित कर इनका बैनामा कर दिया गया।

राजस्व से जुड़े एक सेवानिवृत्त अधिकारी की मानें तो शहर में भी वक्फ ही नहीं शत्रु संपत्ति पर खूब खेल हुआ है, जो अभी 2017 के बाद तक चला है। 1947 में देश आजाद होने के बाद भारत और पाकिस्तान दो देश हो गए। इनमें बहुत से लोग भारत से पाकिस्तान चले गए गए। आजादी के बाद तत्कालीन सरकार ने भारत में रहने वालों के लिए एक समय सीमा निर्धारित की थी। आजादी के बाद जो इस निर्धारित समय सीमा के दौरान पाकिस्तान चला गया, उसकी जमीनें शत्रु संपत्ति हो गई। इनके रिकार्ड जिला प्रशासन के रेवेन्य या राजस्व विभाग में थे।

नियम बनाया गया कि प्रतिवर्ष जिला प्रशासन की तरफ से इन संपत्तियों के बारे में पूरी रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजेगी, जिससे शत्रु संपत्ति के बार में रिकार्ड सरकार के पास रहे। इसके अलावा जमींदारी की जमीनें को जमींदारी उन्मूलन एक्ट लागू होने के तहत तय मानक के बाद जमींदारों से लेकर उसे भी शासकीय कोष के रिकार्ड में दर्ज कर लिया जाएग। 1956 में गोरखपुर नगर पालिका को प्रथम श्रेणी की नगर पालिका घोषित किया गया था, और इसे 15 वार्डों में बांटा गया था इसी के साथ ही इन वक्फ की जमीनों पर खेल शुरू हो गया। धीरे-धीरे जमींदारी की इन जमीनों को वक्फ कर इनपर होटल व अन्य व्यावसायिक परिसर बना दिए गए।

वक्फ घोषित कर सीलिंग में खूब हुआ खेल

गोरखपुर में नगर पालिका होने के बाद इन शत्रु संपत्ति और वक्फ के नाम पर जमीनों को बेचा खरीदा गया। जबकि नियमानुसार ये सरकारी जमीनें केंद्र के अधीन होती हैं। जिलाधिकारी इसके कस्टोडियन होते हैं। इसी वजह से वक्फ के संशोधन बिल में भी डीएम को ही मूल अधिकारी दिए जाने की बात कही गई है। सूत्रों ने बताया कि अगर किसी संपत्ति को लीज(पट्टा) करना होता था, तो कस्टोडियन उस जमीन के पट्टे की पत्रावलियों को राज्य सरकार के पास भेजता था और राज्यपाल की तरभ से लीज दी जाती थी। लेकिन, वर्तमान रेवेन्यू रिकार्ड की जांच हो जाए हो जाएं तो दावा है कि बिना कस्टोडियन की जानकारी में डाले ही पट्टे की जमीन को सबलीज किए और वक्फ की जमीन को लोगों ने मंहगे-महंगे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाया।

शहर में वक्फ के अलावा 16 शत्रु संपत्तियां भी चिन्हित

शहर में घासी कटरा, इलाहीबाग, निजामपुर, सदर क्षेत्र, मोहद्दीपुर, नयागांव, तुर्कवलिया, पिपराइच, बांसगांव, करमहा बुजुर्ग इन इलाकों में वाणिज्यिक और आवासीय कब्जे लेकर कुल 16 शत्रु संपत्ति सामने आई है। जिला प्रशासन की तरफ से इसकी रिपोर्ट तैयार की गई है।

काशी में शवों को जलाने के लिए लकड़ी नहीं, बायोमास ब्रिकेट्स का होगा इस्तेमाल; फसलों के वेस्ट से होगा तैयार

वाराणसी , एजेंसी। अगले सप्ताह से मणिकर्णिका घाट पर फसल के अवशेषों से तैयार किए गए बायोमास ब्रिकेट्स की मदद से शवों को जलाने की सुविधा मिलेगी। एक शव को जलाने में लगने वाले पांच से नौ मन (200 से 360 किलो) लकड़ी की जगह 180 से 200 किलो बायोमास ब्रिकेट्स में शव को जलाया जा सकेगा। इससे तीन से पांच हजार रुपये बचत के साथ पर्यावरण और किसानों को फायदा भी मिलेगा।

पंजाब की एक कंपनी ने ऐसे तैयार किया है बायोमास ब्रिकेट्स

बायोमास ब्रिकेट्स को पंजाब की एक कंपनी ने धान, सरसों और अरहर जैसी कई फसलों के अवशेषों से तैयार किया है। इसे कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के काशी के घाटों पर प्रायोगिक तौर पर शुरू किया जाएगा। कंपनी के प्रबंध निदेशक, लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) मोनीश आहूजा ने बताया कि बायोमास ब्रिकेट्स लकड़ी का एक अच्छा विकल्प हैं।

कम होगी पेड़ों की कटाई

ब्रिकेट्स के निर्माण में फसल के अवशेषों का प्रयोग होता है, इससे पेड़ों की कटाई कम होगी। इसके साथ ही, कार्बन उत्सर्जन में 30 से 40 प्रतिशत तक की कमी आती है और दाह संस्कार की कुल लागत में भी लगभग 40 प्रतिशत की बचत होती है।

इन शहरों में हो रहा बायोमास ब्रिकेट्स का उपयोग

उन्होंने बताया कि पुणे के चार और औरंगाबाद के 34 श्मशान घाटों के अलावा दिल्ली, गुरुग्राम, अहमदनगर और गुवाहाटी जैसे शहरों में भी बायोमास ब्रिकेट्स का उपयोग कर शवों को जलाया जा रहा है। महाराष्ट्र, पंजाब, गोवा, असम और दिल्ली के कुछ श्मशान घाटों पर भी बायोमास ब्रिकेट्स का उपयोग किया जा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण में मिलेगी मदद

श्मशान घाटों पर बायोमास ब्रिकेट्स का उपयोग एक दूरदर्शी कदम है जो पर्यावरण और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंद साबित होगा। यह न केवल अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को सस्ता करेगा बल्कि पेड़ों की कटाई को कम करके और कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करके पर्यावरण को संरक्षित करने में भी मदद करेगा।

जलती चिता से निकाली गई विवाहिता की लाश...दो साल पहले हुई थी शादी

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना कागारौल की ग्राम पंचायत अकोला के मजरा नगला परमाल में विवाहिता की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मायके वाले आ गए। अधजले शव को छोड़कर ससुराल वाले भाग निकले। मौके पर पहुंची पुलिस ने चिता से लाश को निकालने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

पुलिस को देख भागे ससुराल वाले: थाना कागारौल की ग्राम पंचायत अकोला के मजरा नगला परमाल शुक्रवार सुबह विवाहिता का संदिग्ध हालत में मौत हो गई। इसके बाद ससुरार वालों ने अंतिम संस्कार करने की तैयारी कर ली। विवाहिता की लाश की चिता सजाकर, अंतिम संस्कार कर दिया। तभी मायके वालों के साथ पुलिस पहुंच गई। इस दौरान ससुराल वाले मौके से भाग निकले। पुलिस ने जलती चिता से विवाहिता के शव को निकाल लिया। अधजली लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

दो साल पहले हुई थी शादी: विवाहिता के पिता कृष्ण मुरारी ने बताया कि बेटी ममतेश के विवाह 4 दिसम्बर 2022 को नगला परमाल निवासी चंद्रवीर चाहर उर्फ चंदू के साथ किया था। शादी के कुछ दिन बाद तक तो सबकुछ ठीक रहा, लेकिन इसके बाद से बेटी को दहेज के लिए प्रातिड़त करना शुरू कर दिया।

पंचायत के बाद भी खत्म न हुआ लालच: उन्होंने बताया कि कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन ससुराल वालों का लालच खत्म नहीं हुआ। दहेज के लिए ससुराल वालों ने बेटी की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि ससुराल वाले फरार हैं। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

रामनवमी की तैयारीः श्रद्धालुओं पर ड्रोन से बरसेगा सरयू जल, गर्मी से बचाव के भी होंगे इंतजाम

अयोध्या , एजेंसी। जिला प्रशासन ने रामनवमी पर्व के लिए बेहद खास तैयारी की है। श्रीराम जन्मोत्सव के मौके पर देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं पर ड्रोन के माध्यम से रामपथ पर सरयू के पवित्र जल की फुहारें डाली जाएंगी। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीराम जन्मोत्सव के मौके पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। रामनगरी में सोहर और भजन के साथ श्रीराम को समर्पित गीत गूंजेंगे। इस मौके पर श्रद्धालुओं को कई तरह की सुविधा भी प्रदान की जाएगी।

राम मंदिर में सुगम दर्शन के सभी इंतजाम रहेंगे। सरयू नदी में स्नान के दौरान कोई दिक्कत न हो इसके प्रबंध किए जा रहे हैं। राम जन्मभूमि पथ पर शेड की व्यवस्था की जा रही है। हनुमानगढ़ी जाने वाले मार्ग पर पेयजल के इंतजाम के साथ पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं के लिए मैटिंग बिछाई जाएगी ताकि पैदल चलने के दौरान उनके पांव न जलने पाएं। धूप से बचने के लिए शामियाना और टेंट भी लगाया जा रहा है।

बुझ गया घर का इकलौता चिराग: परीक्षा देने जा रहे स्कूटी सवार युवकों को ट्रेलर ने रौंदा

गाजीपुर , एजेंसी। गाजीपुर जिले के रेवतीपुर थाना क्षेत्र के यादव बस्ती के समीप ताड़ीघाट-बारा नेशनल हाईवे पर शुक्रवार को एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने स्कूटी सवार दो युवकों को रौंद दिया। इस दौरान स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। घटना को लेकर आक्रोशित लोगों ने ढाई घंटे तक मार्ग जाम किए रखा।

रामवृक्ष का पूरा रेवतीपुर निवासी उपेंद्र यादव (20) अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी से अपने चचेरे भाई गोलू यादव (17) के साथ बिहार स्थित पटना में परीक्षा देने जा रहे थे, तभी घर के सामने ताड़ीघाट बारा मार्ग 124 सी पर बारा की तरफ जा रही टेलर की चपेट गए। बताते हैं कि ट्रेलर बाइक को टक्कर मारते हुए खड़े ट्रैक्टर में जाकर भिड़ा।

घटना के दौरान स्कूटी सवार उपेंद्र की मौत हो गई। जबकि गोलू यादव घायल हो गए। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे परिजनों द्वारा घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा लाया गया। जहां से सदर अस्पताल गाजीपुर रेफर कर दिया गया।

करीब चार घंटे बाधित रहा रास्ता

हादसे के बाद चालक ट्रेलर छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक उपेंद्र की मां गीता देवी और अन्य परिजनों में कोहराम मच गया। आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर हाईवे जाम कर दिया। करीब चार घंटे तक आवागमन बाधित रहा।

आश्वासन मिलने के बाद पुलिस को सौंपा शव

घटना की सूचना पर एसडीएम लोकेश कुमार, सीओ रामकृष्ण तिवारी सहित सर्किल के सभी थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने परिजनों को काफी समझा-बुझाकर शांत कराया। आश्वासन मिलने के बाद परिजन शव को पुलिस को सौंपने को राजी हुए। मृतक उपेंद्र के पिता मन्नू यादव ने बताया कि उपेंद्र उनका एकलौता बेटा था। वह बीए का छात्र था और एनसीसी में भी दाखिला लिया था। उन्होंने बिलखते हुए कहा कि परिवार का चिराग बुझ गया। एसडीएम लोकेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की तहरीर पर ट्रेलर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी तलाश की जा रही है।

आईआईटी से बीटेक करवाने जितनी महंगी है निजी स्कूलों में पढ़ाई

अभिभावकों से वसूली जा रही है मनमानी फीस

कानपुर , एजेंसी। कैंट स्थित एक प्रतिष्ठित स्कूल में अगर आपको अपने बच्चे का दाखिला पीजी यानी प्लेग्रुप में करवाना है तो साल भर में करीब 2,57,150 रुपये खर्च करने होंगे। पंजीकरण और प्रॉस्पेक्टस के नाम पर 1500, एडमिशन फीस के लिए 70 हजार, सिक्योरिटी मनी के लिए 5000 और त्रैमासिक फीस 38000 रुपये है। अगर बच्चा किसी एक्टिविटी में हिस्सा लेता है तो सालाना 7500 रुपये देने होंगे। ट्रांसपोर्टेशन के लिए 11150 रुपये तिमाही लगेगा। स्कूल की बताई दुकान से किताब और यूनिफार्म लेते हैं तो कम से कम 15000 रुपये का खर्च और लगेगा। ट्रांसपोर्टेशन और एक्टिविटी न लेने पर 18600 रुपये कम हो जाएंगे।

मैनावती मार्ग स्थित एक और प्रतिष्ठित स्कूल में पीजी में बच्चे को पढ़ाने पर सालाना 1,94,000 रुपये खर्च करने होंगे। दाखिला लेने पर एडमिशन फीस 30000 रुपये, स्कूल फीस 8000 रुपये मासिक यानी 96000 रुपये सालाना देनी होगी। बस के लिए 40 हजार रुपये सालाना फीस लगेगी।किताबों और यूनिफार्म का सेट 20 हजार रुपये का है। यूनिफार्म में छात्रों को लोअर-टीशर्ट का एक सेट दिया जाता है। एक्टिविटी समेत अन्य मदों के साथ खर्च दो लाख से अधिक पहुंच जाता है।

कानपुर में नामचीन निजी स्कूलों में बच्चों को प्लेग्रुप में दाखिला दिलाने के लिए मध्य वर्ग के परिवार को लोन तक लेना पड़ सकता है। इन स्कूलों में पीजी की फीस आईआईटी में बीटेक की फीस के बराबर है। इतना ही नहीं जितना पैसा आप इन स्कूलों की कॉपी-किताबों, यूनिफार्म पर खर्च करेंगे, उतने में ही छात्र विवि से सर्टिफिकेट या प्रोफेशनल कोर्स कर लेता है। शहर के एक नामचीन स्कूल से पीजी करने में ढाई लाख रुपये तक खर्च आता है। आईआईटी में सामान्य और ओबीसी कैटेगरी के छात्रों की बीटेक की छमाही फीस 1,18,000 रुपये है। यानी एक साल में 2,36,000 रुपये शुल्क देना होता है, जो पीजी की फीस से 14 हजार कम है। विवि में पेंटिंग, अप्लाइड आर्ट, फ्रेंज, जर्मन व अन्य विदेशी भाषाओं के सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं।

फीस में 20 से 25 फीसदी तक बढ़ोतरी: इनकी फीस 15 से 17 हजार के बीच है। इसके अलावा बीए ऑनर्स जैसे कोर्स भी विवि से 16 हजार रुपये में हो जाते हैं। ये शुल्क भी स्कूलों में वसूले जा रहे कॉपी-किताबों और यूनिफार्म के खर्च से कम हैं। स्कूल अभिभावकों की जेब में डाका डालने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। पिछले सालों के मुकाबले इस साल फीस में 20 से 25 फीसदी तक बढ़ोतरी की गई है।

मुनाफा स्कूलों के हिस्से में जा रहा है: ट्यूशन फीस के अलावा एक्टिविटी, मैगजीन समेत अन्य मदों के नाम पर भी फीस वसूली जा रही है। इसके अलावा कॉपी-किताबें भी उन्हीं बुक स्टॉलों से मिल रही हैं जिन्हें स्कूल चिह्नित करते हैं। कॉपी-किताबों के नाम पर मनमाने पैसे अभिभावकों से वसूले जा रहे हैं।

बलिया में तीन गाड़ियों से धमकी ईडी की टीम, आयुष्मान योजना में धोखाधड़ी का है मामला

बलिया , एजेंसी। बलिया जिले में खेजुरी थाना क्षेत्र के खेजुरी बाजार में बने एक मकान पर शुक्रवार को ईडी की टीम ने छापेमारी की। तीन गाड़ियों से पहुंची टीम को देख पहले तो लोग कुछ समझ नहीं पाए, लेकिन थोड़ी देर बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। सुबह करीब नौ बजे घर के अंदर दाखिल हुई टीम की समाचार लिखे जाने तक छापेमारी जारी थी। अधिकारियों के अनुसार मामला झारखंड में आयुष्मान योजना के तहत बिना उपचार किए कराए गए लाखों के भुगतान और धोखाधड़ी से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि स्थानीय पुलिस के अधिकारी इस संबंध में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आयुष्मान योजना के तहत बिना इलाज के पैसा क्लेम करने और भुगतान के मामले में ईडी की टीम ने तब्दीश दी थी। बताया जाता है कि मकान मालिक सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के खरीद निवासी हरेराम यादव पहले मेडिकल स्टोर चलाते थे। उनके दो लड़के आयुष्मान योजना में बतौर कर्मचारी कार्यरत हैं। एक झारखंड में कार्यरत है तो दूसरा पड़ोसी जनपद मऊ में कार्यरत है। आयुष्मान योजना के तहत बिना इलाज के पैसा क्लेम करने और भुगतान का मामला सामने आने के बाद इसकी जांच ईडी को सौंपी गई है।

वक्फ बिल के समर्थन से जदयू के पाले में आ सकते हैं गरीब और पसमांदा मुस्लिम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी स्वच्छ और धर्मनिरपेक्ष छवि को लेकर हमेशा से सजग रहे हैं। ऐसे में इस चुनावी साल में उनकी पार्टी जदयू ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन कर मुसलमानों की नाराजगी क्यों मोल ली? राजनीतिक हलकों में यह सवाल जोर शोर से उठ रहा है। इसके साथ ही संसद में वक्फ संशोधन बिल पारित होने के बाद बिहार की सियासत गर्मायी हुई है। जदयू के इस बिल के समर्थन को लेकर एक ओर जहां राजद हमलावर है तो दूसरी ओर जदयू के मुस्लिम नेताओं में भी नाराजगी है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि जब बिहार में छह महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं तो इस बीच नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने ऐसा कदम क्यों उठाया? क्या जदयू को मुसलमानों की जरूरत नहीं है? दरअसल, बिहार में जातिगत राजनीति होती है। इसके बिना सारा समीकरण फेल है जिस वक्फ संशोधन बिल का मुस्लिम समाज विरोध कर रहा है, उसकी जनसंख्या बिहार में करीब 18 फीसद है। इसमें पसमांदा मुसलमानों की संख्या 73 फीसदी है। कहा तो यही जा रहा है कि वक्फ संशोधन बिल से गरीब और पसमांदा मुसलमानों को फायदा होगा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने हाल के बिहार दौरे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यह समझाने में कामयाब रहे कि वक्फ संशोधन बिल गरीब और पसमांदा मुसलमानों के पक्ष में है। बिहार सरकार की ओर से अक्टूबर 2023 में जारी किए गए जातिगत सर्वे के आंकड़े के मुताबिक बिहार की कुल आबादी 13 करोड़ है। इसमें 81.99 फीसदी हिंदू और 17.70 फ़ीसदी मुसलमान हैं। कटिहार, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज और दरभंगा पांच ऐसे जिले हैं जो सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाले जिले हैं। वहीं बिहार में कम से कम 40 ऐसी विधानसभा सीटें हैं जहां मुस्लिम मतदाताओं का व्यापक असर पड़ता है। इन सीटों पर 20 से 60 फीसदी तक मुस्लिम मतदाता हैं। ऐसे में बिहार में कुल 243 विधानसभा सीटों में करीब 40 सीटों पर जीत-हार में मुस्लिम मतदाताओं का वोट निर्णायक होता है। इसमें 73 फीसदी पसमांदा मुस्लिम आबादी को अहम माना जा रहा है। पसमांदा मुस्लिम यानी पिछड़े मुस्लिम। वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को पेश करते हुए केन्द्र की मोदी सरकार ने भी कहा है कि इससे पसमांदा मुस्लिमों को बड़ा फायदा होगा। ऐसे में सियासी जानकारों का मानना है कि नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने सोची समझी रणनीति के तहत वक्फ संशोधन विधेयक 2025 का समर्थन किया है। इससे एक ओर पसमांदा वर्ग को अपनी ओर आकर्षित करने और दूसरी ओर हिंदुओं में भी अपनी पैठ जमाने की नीतीश कुमार की बड़ी रणनीति हो सकती है। सीएसडीएस के एक अध्ययन के मुताबिक 2015 के विधानसभा चुनाव में जब जदयू, राजद और कांग्रेस ने मिलकर गठबंधन किया तो जदयू की ओर से लड़ी गई सीटों पर 78 फीसदी और राजद की सीटों पर 59 फीसदी मुस्लिम मतदाताओं ने उनके पक्ष में मतदान किया। कुल मिलाकर 69 फीसदी मुसलमानों ने इस गठबंधन को वोट दिया, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में 89 फीसदी मुस्लिम मतदाताओं ने राजद गठबंधन के पक्ष में वोट दिया। वहीं, 2020 के विधानसभा चुनाव में जदयू के सभी 11 मुस्लिम उम्मीदवार हार गए। यहां तक कि मौजूदा समय में नीतीश कैबिनेट में जमा खान एक मुस्लिम चेहरे वाले मंत्री हैं, लेकिन वो बीएसपी छोड़कर जदयू में आए हैं। इसी तरह लोकसभा चुनाव 2014 में जब नीतीश कुमार भाजपा से अलग होकर चुनाव में उतरे थे तब जदयू को सिर्फ 2 सीटों पर जीत मिली थी।

मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने चैती छठ पर दिया अर्घ्य, बिहार की प्रगति की कामना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

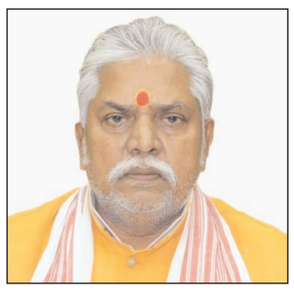

पटना। बिहार के सहकारिता मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. प्रेम कुमार ने चैती छठ महापर्व के अवसर पर भगवान भास्कर को संध्या अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को मानने वाले लोग प्रतिदिन पूजा-पाठ में विश्वास रखते हैं और हम प्रकृति के कण-कण की आराधना करते हैं। छठ महापर्व भी इसी परंपरा का एक हिस्सा है जिसमें हम न केवल उगते सूर्य बल्कि डूबते सूर्य की भी उपासना करते हैं। मंत्री प्रेम कुमार ने अपने सरकारी आवास, तीन सर्कुलर रोड, पटना में छठ महापर्व का आयोजन किया जिसमें उनकी पत्नी ने छठव्रती के रूप में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उनके परिजन, पार्टी के समर्थक, रिश्तेदार और कार्यकर्ता भी शामिल हुए और भगवान सूर्य की उपासना की। छठ पूजा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भगवान भास्कर साक्षात जीवित देवता हैं। उनकी उपासना से हम स्वयं को धन्य मानते हैं। दुनिया जहां केवल उगते सूर्य की पूजा करती है, वहीं हम बिहारी डूबते सूर्य की भी आराधना करते हैं। यही हमारी संस्कृति की विशेषता है। उन्होंने छठी मईया और भगवान भास्कर से बिहार की समृद्धि, शांति और खुशहाली की प्रार्थना की। साथ ही विकसित बिहार और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की कामना की। छठ महापर्व बिहार समेत पूरे देश और विदेशों में बसे बिहारी समुदाय द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी मईया की उपासना के साथ व्रत, जल अर्घ्य और कड़े नियमों का पालन कर श्रद्धा एवं भक्ति से संपन्न किया जाता है।

एचडीएफसी बैंक को मिला भारत का सर्वश्रेष्ठ एचएनडब्ल्यू बैंक का खिताब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत के अग्रणी निजी बैंक एचडीएफसी बैंक को यूरोमनी प्राइवेट बैंकिंग अवार्ड्स 2025 में भारत का सर्वश्रेष्ठ उच्च निवल मूल्य (एचएनडब्ल्यू) बैंक चुना गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वैश्विक वित्तीय पत्रिका यूरोमनी द्वारा प्रदान किया गया। यूरोमनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एचडीएफसी बैंक अपने इम्पेरिया कार्यक्रम के माध्यम से उच्च निवल मूल्य वाले ग्राहकों को विशेष बैंकिंग और निवेश समाधान प्रदान कर रहा है। इस सेवा के तहत बैंक के धन संबंध प्रबंधक बैंक विशेषज्ञों के साथ मिलकर ग्राहकों को व्यक्तिगत रूप से अनुकूलित निवेश और बैंकिंग सहायता प्रदान करते है। एचडीएफसी बैंक ने हाल ही में स्मार्टवेल्थ प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है जो बड़े पैमाने पर समृद्ध वर्ग तक अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मोबाइल-आधारित प्लेटफॉर्म ग्राहकों को उनके निवेश पोर्टफोलियो को ट्रैक करने, निवेश करने और लक्ष्य-आधारित अनुशंसाओं तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करता है। यूरोमनी ने इस प्लेटफॉर्म की सराहना करते हुए कहा गेमिफिकेशन और सहज उपयोगकर्ता अनुभव को एकीकृत करके, स्मार्टवेल्थ बैंक की शोध क्षमताओं को लोकतांत्रिक बनाता है जिससे ग्राहकों को स्वतंत्र रूप से सूचित वित्तीय निर्णय लेने में मदद मिलती है। पुरस्कार मिलने पर एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड - इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, प्राइवेट बैंकिंग, इंटरनेशनल बैंकिंग, डिजिटल इकोसिस्टम और बीएएस, राकेश के सिंह ने कहा किभारत के सर्वश्रेष्ठ एचएनडब्ल्यू बैंक के रूप में मान्यता प्राप्त करना हमारे लिए गर्व की बात है। यह हमारे ग्राहकों को सर्वोत्तम वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' एचडीएफसी बैंक का यह सम्मान भारत में प्रीमियम बैंकिंग सेवाओं के क्षेत्र में उसकी मजबूती और नवाचार क्षमता को रेखांकित करता है।

बजट का 99.21प्रतिशत यानी 2 लाख 76 हजार 522 करोड़ रुपए खर्च किए : सम्राट चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उपमुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि बिहार सरकार ने 31 मार्च 2025 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2 लाख 78 हजार 725 कड़ोड़ के कुल बजट का 99.21% यानी, 2 लाख 76 हजार 522 करोड़ का रिकार्ड तोड़ खर्च किया। इससे पहले बजट की राशि विकास योजनाओं पर खर्च करने में इतनी सफलता नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2001-02 में राजद सरकार बजट का मात्र 23% राशि ही खर्च की थी। सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य में बेहतर वित्तीय अनुशासन और योजनाओं को लागू करने की तत्परता से फोरलेन सड़क, स्कूल, पंचायत भवन, अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, प्रशासनिक भवन, ग्रामीण सड़क, खेल परिसर और सांस्कृतिक केंद आदि का निर्माण तेज हुआ। उन्होंने कहा कि बजट में निर्धारित राशि का अधिकतम उपयोग करने से निर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर तो बढ़े ही सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव से पहले 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा भी पूरा करने में लगी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने सामाजिक न्याय के साथ विकास किया जिससे बजट का आकार 20 साल में 23,885 करोड़ से बढ़ कर 3.17 लाख करोड़ रूपये हो गया है।

सीएम नीतीश कुमार पूरी तरह स्वस्थ : गोपाल मंडल

लोगों को इंतजार करना चाहिए, सारे पत्ते धीरे-धीरे खुलेंगे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर विपक्ष के बयानों को बेबुनियाद बताते हुए जदयू विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि वह पूरी तरह से स्वस्थ हैं और वही प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री बनेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के राजनीति में आने की चर्चाओं पर उन्होंने कहा कि निशांत कुमार राजनीति में आ चुके हैं। उनके पोस्टर लगाए जा रहे हैं। लोगों को इंतजार करना चाहिए, सारे पत्ते धीरे-धीरे खुलेंगे। गोपाल मंडल शुक्रवार को जदयू कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। राजद के द्वारा मुख्यमंत्री को गिरगिट कहे जाने पर गोपाल मंडल ने कहा कि नीतीश कुमार ने नए सिरे से बिहार को बसाने का काम किया है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि लालू प्रसाद यादव के दौर में बिहार का क्या हाल था। लोग पलायन कर रहे थे। बिहार में टूटी हुई सड़कें दिखाई पड़ती थीं। नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल में बिहार को संवारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार जैसा नेता न पहले कभी बिहार को मिला था न कभी बिहार को आगे मिलेगा। गोपाल मंडल ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बैठे रहते हैं कभी भाजपा आकर सट गया है तो कभी राजद आकर सट जाता है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो कुर्सी पर बैठते रहते हैं, हटता -सटता तो वो लोग है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बहुत स्वाभिमानी व्यक्ति हैं और मैं दावे से कह सकता हूं कि उनके जैसा मुख्यमंत्री न पहले कभी बना है और न आगे कभी बन सकता है। नीतीश कुमार कैसे गिरगिट हो गए। नीतीश कुमार ने बिहार के लिए क्या कुछ नहीं किया है। नीतीश कुमार के समय में शिक्षा, रोजगार हो या किसी भी क्षेत्र में देख लीजिए कितना काम हुआ है। नीतीश कुमार ने कितना काम किया है, यह सब जानते हैं। आप लोग भी जानते हैं कि नीतीश कुमार ने कितना काम किया है। वहीं वक्फ संशोधन बिल लोकसभा और राज्यसभा में पारित होने के बाद जदयू के कई नेता पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। इसको लेकर गोपाल मंडल से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने मुसलमानों के लिए बहुत काम किया है। मुख्यमंत्री समझाएंगे तो सब कंट्रोल में आ जाएगा। पार्टी में कोई नाराजगी नहीं है मुख्यमंत्री क्लास लेंगे तो सब सही हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है। मैं समझता हूं कि यह मुसलमानों के हित में हुआ है।

टेंडर हर्ट इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों ने किया रामनवमी का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों ने रामनवमी का आयोजन किया। लड़कियां सीता मां के रूप में सुसज्जित होकर आई जिसमें अकक्षिता भार्गव, याशिका, मानसी झा, वेदिका, श्रीसती, युविका एवं राम - यश, लक्ष्मण-आकाश और हनुमान-आयुष, आर्यन, अव्यांश, अभिराज, शत्रुधन-विश्रुत, उत्कर्ष, आरव, शिवम अत्यंत ही मनोरम दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे। बच्चों ने श्रीराम के जन्मोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। विद्यालय के निर्देशक राजीव भार्गव एवं प्रधानाचार्य शिवानी भार्गव ने इन पलों को अविस्मरणीय बताते हुए समाज को रामनवमी की हार्दिक बधाई दी एवं साथ ही बच्चों को श्री राम के गुणों से अवगत कराया और उन्हें सच्चाई और अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में रेवा भार्गव, इशिका, जागृति, अंशु इत्यादि का योगदान रहा।

पूर्व मध्य रेल के लिए एक और ऐतिहासिक उपलब्धि

पं. दीनदयाल उपाध्याय जं. से प्रधान खांटा तक 160 किमी प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक किया गया स्पीड ट्रायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल द्वारा रेल परिचालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए मिशन रफ्तार के तहत 4 अप्रैल को महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह के नेतृत्व में 412 किमी लंबे ग्रैंडकॉर्ड रेलखंड के पं.दीनदयाल उपाध्याय जं. से प्रधान खांटा जं. तक एवं वापसी में प्रधान खांटा से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं तक अप एवं डाउन लाइन पर अधिकतम 160 किमी प्रति घंटे तक की गति के साथ स्पेशल ट्रेन द्वारा स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न की गयी। यह पूर्व मध्य रेल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस स्पीड ट्रायल के सफलापूर्वक संपन्न होने के साथ ही पूर्व मध्य रेल की उपलब्धियों में एक और अध्याय जुड़ गया है। यह रेलवे की तकनीकी क्षमता को दर्शाता है। साथ ही यह भविष्य में तेज और सुरक्षित यात्रा का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। पूर्व मध्य रेल यात्रियों के संरक्षित परिचालन हेतु कृतसंकल्प है। इसी कड़ी में प्रमुख रेलमार्गों पर ट्रेनों की रफ्तार 160 किलोमीटर प्रतिघंटा करने के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक के दोनों किनारे सुरक्षा बाड़ लगाए जा रहे हैं। इसके तहत बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्व मध्य रेल क्षेत्राधिकार के लगभग 412 किलोमीटर लंबे ग्रैंड कॉर्ड रेलवे ट्रैक को कवर किया जा रहा है। इनमें प्रधानखंटा से धनबाद, नेसुबो गोमो, कोडरमा, गया, सोननगर होते हुए पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन तक 412 किलोमीटर रेलखंड में अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है। इसके साथ इस रेलखंड पर कवच की स्थापना का भी कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। इस दौरान पं.दीनदयाल उपाध्याय जं. से गया तक पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल के मंडल रेल प्रबंधक राजेश गुप्ता तथा गया से प्रधान खांटा तक धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा सहित मुख्यालय एवं निर्माण विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

वक्फ संशोधन विधेयक के संसद में पारित होने पर प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व सहकारिता मंत्री को दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/सासाराम। भाजपा बिहार के प्रदेश मंत्री त्रिविक्रम नारायण सिंह ने वक्फ संशोधन विधेयक 2025 के संसद में पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री व सहकारिता मंत्री अमित भाई शाह तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को हार्दिक बधाई दी है। साथ ही इस ऐतिहासिक विधेयक का समर्थन करने वाले सभी सांसदों के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री सिंह ने कहा कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय, विशेषकर गरीब भाई-बहनों, महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह विधेयक वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पारदर्शी, उत्तरदायी और न्यायसंगत बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र को साकार करते हुए राष्ट्र के प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु दृढ़प्रतिज्ञ है। यह विधेयक सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यक हितों की सुरक्षा की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित

विशाल कुमार सिंह ने किया 36 घंटे का निर्जला उपवास कर छठ व्रत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कंकड़बाग कॉलोनी पटना के निवासी विशाल कुमार सिंह ने छठ व्रत के अवसर पर 36 घंटे का निर्जला उपवास किया और एमआईजी पार्क में संध्या और प्रातः काल में सूर्य भगवान को जल चढ़ाकर व्रत पूरा किया। छठ व्रत अधिकतर महिलाएं करती हैं, लेकिन विशाल सिंह ने इसे पूरा कर एक मिसाल कायम की। विशाल कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने छठ व्रत को बहुत ही श्रद्धा और भक्ति के साथ पहली बार मनाया और सूर्य भगवान को जल चढ़ाकर अपने परिवार और समाज के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विशाल कुमार ने कहा छठ व्रत एक बहुत ही पवित्र और महत्वपूर्ण त्योहार है जो हमें अपने परिवार और समाज के लिए सुख-समृद्धि की कामना करने का अवसर प्रदान करता है। मैंने इस व्रत को बहुत ही श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया और सूर्य भगवान को जल चढ़ाकर अपने परिवार और समाज के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। मौके पर कॉलोनी के एम पी जैन ने बताया कि पहले उनकी माताजी छठ व्रत करती थी। किन्तु उनके पिताजी पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार सिंह के स्वर्गवास एवं माताजी की बीमारी के कारण उन्होंने स्वयं छठ करने का निर्णय लिया। विशाल कुमार सिंह के इस पहली बार छठ करने के प्रयास को उनके परिवार और मित्रों ने बहुत ही सराहा और उनकी भक्ति और समर्पण की प्रशंसा की।

छह केंद्रों पर पीपीयू की पैट टेस्ट शांतिपूर्ण संपन्न

पीपीयू के पैट टेस्ट में एक पेपर सब्जेक्टिव दूसरा वैकेल्पिक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी नामांकन जांच परीक्षा शुक्रवार को शांतिपूर्ण छह केंद्रों पर आयोजित हुई। पहली पाली में सुबह 11 बजे से 11:45 बजे तक जबकि दूसरी पाली सुबह 11:50 बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित हुई। शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन को लेकर कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव, कुलसचिव प्रो. एनके झा, परीक्षा नियंत्रक डा. मनोज कुमार ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। कदाचार मुक्त परीक्षा को लेकर कई स्तर के इंतजार किए गए थे। इसके तहत प्रश्नों को चार लेयर में सुरक्षित किए गए थे, इसके अतिरिक्त प्रश्न पत्र को खोलने की प्रक्रिया, पर्यवेक्षक, वीक्षक एवं केंद्राधीक्षक के सामने किया गया। सभी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई, इसके साथ ही परीक्षार्थियों की वीडियोग्राफी की गई। प्री पीएचडी टेस्ट 25 विषयों में 803 सीटों को लेकर परीक्षा केंद्र गंगा देवी महाविद्यालय, श्रीअरविंद महिला कालेज, जेडी वीमेंस कालेज, एएन कालेज, टीपीएस कालेज एवं बीडी कालेज में बनाया गया। इन परीक्षा केंद्रों का कुलपति प्रो. शरद कुमार यादव, कुलसचिव प्रो. एनके झा एवं परीक्षा नियंत्रक डा. मनोज कुमार ने निरीक्षण किया।

छात्रवृत्ति योजना स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग की 'समाज को वापसी' की अनूठी पहल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्कूल ऑफ क्रिएटिव लर्निंग, नरगदा, दानापुर ने शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर, किंतु मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित कर उनके शैक्षिक सपनों को साकार करने में सहयोग प्रदान करना रहा। समारोह में वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक व्यक्ति समाज का ऋणी होता है और जब वह आर्थिक रूप से सक्षम होता है तो उसका नैतिक दायित्व बनता है कि वह समाज के वंचित वर्ग के प्रतिभावान बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करे। इसी प्रेरणा से प्रेरित होकर कई गणमान्य विभूतियों के स्मृति में छात्रवृत्तियां स्थापित की गईं हैं। इस गरिमामय अवसर पर पटना विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं डीन, मनोविज्ञान विभाग, डॉ. लाला निखलेश कुमार सिन्हा तथा चीफ इंजीनियर स्वर्गीय ब्रजवंश प्रसाद की स्मृति में विशेष छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त उषा दयाल मेमोरियल छात्रवृत्ति, शांति देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति, मनोरमा देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति, राजनाथ प्रसाद मेमोरियल छात्रवृत्ति, सरस्वती देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति तथा श्यामा सती देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति के अंतर्गत चयनित छात्रों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी विजय प्रकाश ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री संजय पासवान तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया। इस अवसर पर विजय प्रकाश ने कहा कि हमें ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि एक अधिक समावेशी वातावरण तैयार किया जा सके। छात्रवृत्तियों का वितरण प्रो. डॉ. रूपा लक्ष्मी, प्रो. डॉ. निरूपा लक्ष्मी तथा प्रो. डॉ. रण विजय नारायण सिन्हा के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

दहेज को लेकर विवाहिता की हत्या, आरोपित फरार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। धनरूआ थाना क्षेत्र के नसीरना चक गांव में शुक्रवार की अहले सुबह दहेज को लेकर एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक का नाम रूबी कुमारी उम्र 30 वर्ष पिता रामप्रताप यादव ग्राम पंसारी थाना दुल्हिनबाजार का निवासी है। बताया जाता है कि वर्ष 2014 में धनरूआ के नसीरनाचक निवासी मिथलेश कुमार से शादी हुई थी। बहरहाल घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची धनरूआ पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए जांच पड़ताल में जुट गई है। थानाध्यक्ष शुभेंदु कुमार ने बताया कि पति मिथिलेश कुमार पर दहेज को लेकर अपनी पत्नी को गला दबाकर हत्या कर देने का आरोप है और बराबर इसे मारपीट किया करता था, इसके दो बच्चे भी हैं, मिथिलेश ट्रैक्टर ड्राइवर भी है। बहरहाल पूरे मामले की छानबीन की जा रही है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ संपन्न, श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। लोक आस्था के महापर्व के चार दिवसीय अनुष्ठान के चौथे दिन उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चैती छठ पर्व संपन्न हो गया। इस बीच मसौढ़ी के मणीचक सूर्य मंदिर छठ धाम पर आस्था का जनसैलाब उमड़ता दिखा, हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ का विहंगम दृश्य का नजारा देखने को मिला। हर कोई अपने मनोकामना पूर्ण करने को लेकर प्रत्येक साल कार्तिक और चैत महीने में मणीचक मंदिर छठ धाम पर छठ व्रत करने आते हैं। ऐसे में इस बार भी चैत महीने में दूर दराज के लोग अपनी मान्यता मांगने के लिए मणिचक धाम पर आये। मणीचक के सूर्य मंदिर के बारे में कहा जाता है यहां पर संतान सुख की प्राप्ति के लिए आते हैं। वहीं अनुमंडल प्रशासन द्वारा पूरे मसौढ़ी अनुमंडल में 80 घाट बनाए गए थे जिसमें 13 छठ घाट खतरनाक चिन्हित किए गए थे, सभी जगहों पर पुलिस दंडाधिकारियों की मुस्तैदी रही। मसौढ़ी मणिचक धाम पर विधायक रेखा देवी, एसडीएम अमीत कुमार पटेल, डीएसपी नभ वैभव, बीडीओ, सीओ नगर परिषद के ईओ, थानाध्यक्ष समेत पूरे मंदिर कमेटी के सचिव अध्यक्ष एवं अन्य विभागों के कर्मी मौजूद रहे। इसके अलावा धनरूआ के बरनी घाट, पुनपुन के पुनपुन घाट, राजघाट नवादा पर छठव्रतियों ने उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ संपन्न किया।

रामनवमी को लेकर मसौढ़ी में 35 जगहों पर पुलिस मजिस्ट्रेट की तैनाती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। शहर से लेकर गांव तक रामनवमी पर छह अप्रैल को श्रीराम शोभायात्रा निकाली जायेगी। रविवार को श्रीरामजानकी ठाकुरबाड़ी मंदिर से और शनिदेव मंदिर कमेटी की ओर से शोभायात्रा निकाली जायेगी। वहीं पुनपुन में पुनपुन बाजार में शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह शोभा यात्रा पूरे शहर का भ्रमण करेगा। ऐसे में अनुमंडल प्रशासन ने भी अपने स्तर से सभी तैयारियां पूरी कर ली है। मसौढ़ी धनरूआ एवं पुनपुन में 35 स्थानों पर मजिस्ट्रेट सहित पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गयी है। इसके अलावा ड्रोन कैमरा, सीसीटीवी और वीडियोग्राफी से हर गतिविधियों को भी कैद की जायेगी। प्रशासन ने साफ कह दिया है कि जुलूस में डीजे के प्रयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। एसडीएम अमीत कुमार पटेल ने बताया कि शोभायात्रा को देखते हुए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

संपादकीय

रूस से कच्चा तेल खरीदना अब हो सकता है मुश्किल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शायद विश्व राजनीति में धमकी की नई परंपरा कायम करने पर तुले हैं। अब उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने वालों को धमकाया है कि जो ऐसा करेगा, वह अमेरिका में कारोबार नहीं कर पाएगा। ऐसे देशों पर पच्चीस से पचास फीसद तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह धमकी उन्होंने इसलिए दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में न तो रूस और न ही यूक्रेन ने अपेक्षित सहयोग का रुख दिखाया है। इससे ट्रंप निराश हैं।पिछले महीने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को बुला कर ट्रंप ने कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी। यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी मदद पर रोक लगा दी गई है। इससे उम्मीद बनी थी कि रूस, अमेरिका की युद्ध विराम संबंधी शर्तें मान जाएगा, मगर उसने अपनी शर्त रख दी कि सभी नाटो देश यूक्रेन को सैन्य मदद और गोपनीय सूचनाओं पर रोक लगाएं, तभी वह युद्ध विराम पर विचार कर सकता है। यह अमेरिका के लिए कठिन ही नहीं, शायद कभी पूरी न हो सकने वाली शर्त है। ऐसे में ट्रंप ने अब रूस पर नकेल कसने का रास्ता चुना है। मगर यह रास्ता भी उनके लिए कितना आसान और कारगर साबित होगा, कहना मुश्किल है।अमेरिका की नई धमकी से भारत की चिंता जरूर कुछ बढ़ गई है, क्योंकि सचमुच अगर वह ऐसा करता है, तो भारत की तेल कंपनियों के लिए रूस से तेल खरीदना मुश्किल हो जाएगा। अभी भारत सबसे अधिक कच्चा तेल रूस से खरीदता है। पहले ईरान और खाड़ी देशों से खरीदता था, मगर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद भारतीय तेल कंपनियों ने वहां से तेल खरीदना बंद करके रूस से खरीदना शुरू कर दिया था। इस तरह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से महंगाई तेजी से बढ़ेगी, जिसका अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।हालांकि भारतीय तेल कंपनियां अभी समझ नहीं पा रही हैं कि अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क लगाने का ढांचा क्या होगा, इसलिए वे इसे अधिक चिंता का विषय नहीं मान रही हैं, पर जिस तरह पहले ही पारस्परिक शुल्क नीति के तहत अमेरिका ने भारी शुल्क थोप दिए हैं, उससे भारत के लिए संतुलन बिठाना कठिन हो रहा है। यह नया शुल्क और परेशान करने वाला साबित हो सकता है।मगर ट्रंप प्रशासन के लिए भी अपनी शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन होगा। इसे लेकर अमेरिका में ही विरोध हो रहा है। इसलिए कि पारस्परिक शुल्क के चलते अमेरिकी कारोबार पर भी बुरा असर पड़ सकता है। जिन चीजों के लिए अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर है, उनकी कीमतें बढ़ेंगी, तो वहां भी महंगाई बढ़ेगी। ऐसे में अमेरिकी लोगों का विरोध लंबे समय तक सहन कर पाना ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा। वहां के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप की पार्टी के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिर यह भी कि ट्रंप के नए ऐलान से रूस कितने दबाव में आ पाएगा, कहना मुश्किल है।

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहिम का आह्वान

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल

(ललित गर्ग)

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है।

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गर्माये, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढ़ेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल 'अखंड भारत' के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक सफलता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिन्दुओं को संगठित किया है।

मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दर्शाते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिन्दू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार,(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दिल्ली या यूपी, कौन मारेगा बाज़ी

दिल्ली एक बार फिर दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। इसके कुछ दिन बाद आई सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायर्नमेंट की रिपोर्ट भी यही बता रही है कि बीती सर्दियों में दिल्ली सबसे प्रदूषित महानगरों में रही। 40 दिन तक तो हवा की गुणवत्ता बेहद ही खराब श्रेणी में रही।

(अक्षय शुक्ला)

महानगरों के प्रदूषण से बचने के लिए लोग पहाड़ों का रुख करते हैं, पर अब तो वो भी इससे अछूते नहीं रहे। वायु गुणवत्ता पर निगरानी रखने वाली स्विस कंपनी आईक्यू एयर की हालिया रिपोर्ट की मानें तो मेघालय का बर्नीहाट दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है।

ऊंचे झरनों और पारदर्शी नदियों वाले पूर्वोत्तर के इस खूबसूरत राज्य का नाम सबसे खराब हवा के मामले में अव्वल आना चौंकाने वाला है।

सवाल यह है कि आखिर समस्या इतनी विकराल कैसे होती जा रही? इसका जवाब संसद में पेश हालिया रिपोर्ट में मिल जाता है। इसके मुताबिक इस वित्त वर्ष में प्रदूषण नियंत्रण योजना के लिए आवंटित 858 करोड़ रुपये में से मात्र 7.22 करोड़ रुपये यानी एक प्रतिशत से भी कम राशि खर्च की गई।

सरकारी तंत्र के ऐसे ढुलमुल रवैये की वजह से ही हवा के साथ साफ पानी के लिए भी हम तरस रहे हैं। हाल में आई दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमिटी

की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी में बह रही यमुना नदी सीवेज बनकर रह गई है। इसमें फेकल कोलीफॉर्म (ह्यूमन वेस्ट से पानी में आने वाला बैक्टिरिया) का स्तर तय मानक से 6400 गुना अधिक पाया गया। वहीं, जलीय जीवों के लिए ज़रूरी ऑक्सिजन का स्तर भी तय मानक से 72 गुना कम हो चुका है। दिल्ली में अनट्रीटेड सीवेज और इंडस्ट्रियल वेस्ट के लंबे समय तक यमुना में गिरने की वजह से इसकी यह हालत हो गई है।

यमुना की ऐसी हालत के पीछे एक और बड़ा कारण है और वह यह कि इस नदी को लेकर यहां सिर्फ राजनीति ही हुई, काम नहीं। नदी को साफ करने का वादा कर सत्ता में आई दिल्ली की नई सरकार की सीएम दावा कर रही हैं कि यमुना को भी अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तरह चमका देंगी। अब इस पर कितना यकीन करें क्योंकि ऐसे दावे तो पिछली सरकार ने भी किए थे।

इसकी खूबसूरती पर दाग लगाने के लिए भी वही कारण ज़िम्मेदार हैं, जो शहरों की हवा बिगाड़ रहे। सीमेंट, स्टील संयंत्रों से निकलने वाले धुएं और इनका माल ढोने वाले हज़ारों ट्रकों की आवाजाही ने यहां की हवा को विश्व स्वास्थ्य संगठन के तय मानकों से 22 गुना अधिक ज़हरीला बना दिया।

रिपोर्ट से साफ है कि प्रदूषण अब सिर्फ महानगरों की ही समस्या नहीं रह गया, बल्कि छोटे शहरों को भी ये अपनी चपेट में ले चुका है। इसकी गंभीरता का अंदाज़ा इसी से लगाइए कि दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में 13 भारत के हैं।

दिल्ली एक बार फिर दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी बन गई है। इसके कुछ दिन बाद आई सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायर्नमेंट की रिपोर्ट भी यही बता रही है कि बीती सर्दियों में दिल्ली सबसे प्रदूषित महानगरों में रही। 40 दिन तक तो हवा की गुणवत्ता बेहद ही खराब श्रेणी में रही।

जज वर्मा मामले से जजों की नियुक्ति में केंद्र को मिला मौका

जज कैशकांड के बाद सुप्रीम कोर्ट की फजीहत दो कारणों से हो रही है। न्यायिक नियुक्ति आयोग को रद्द करने और जस्टिस वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में करने से। आयोग को रद्द करने पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ द्वारा राजनीतिक दलों की बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक आयोग को निरस्त करने के फैसले की तीखी भर्त्सना की गई। दूसरी तरफ इलाहाबाद हाइकोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले का विरोध किया है। एसोसिएशन ने हड़ताल के अलावा जस्टिस वर्मा की कोर्ट के बहिष्कार की चेतावनी दी है।

(योगेंद्र योगी)

स्वतंत्र भारत के इतिहास में आज तक एक भी जज के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। अर्थात किसी भी जज को महाभियोग के जरिए नहीं हटाया गया है। दरअसल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति के बाद गंभीर किस्म के आरोपों के बाद किसी भी जज को हटाया जाना आसान नहीं है।

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से कथित तौर पर मिले लाखों रुपए के बाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति और तबादलों में केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिल गया है। केंद्र सरकार ने संसद में कॉलेजियम व्यवस्था के स्थान पर राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का कानून पारित किया था। इस कानून के एक विवादास्पद प्रावधानों में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग में भारत के प्रधान न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के दो वरिष्ठतम जजों और केन्द्रीय कानून मंत्री के अलावा दो जानी मानी हस्तियों को शामिल करने की व्यवस्था थी। वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून-एनजेएसी को असंवैधानिक ठहराते हुए रद्द कर दिया था।

जस्टिस वर्मा नोट प्रकरण के बाद न्यायिक नियुक्ति आयोग फिर से लागू करने की संभावना के बाद सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की उम्मीद फिर से पैदा हो गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा में राजनीतिक दलों से कहा कि उन्हें जजों की तरफ से जजों की नियुक्ति की व्यवस्था को समाप्त करने के लिए एक तंत्र के बारे में सोचना चाहिए। धनखड़ ने कानून को रद्द करने के शीर्ष अदालत के फैसले को गलत बताया। उन्होंने वर्ष 2014 में सर्वसम्मति से बनाए गए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को दूरदर्शी कदम बताया। इसका उद्देश्य एससी और एचसी के न्यायाधीशों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के एकाधिकार को समाप्त करना था। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष

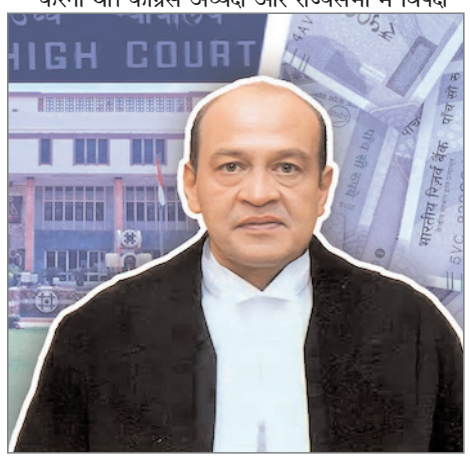

के नेता मल्लिकार्जुन खडगे और टीएमसी के सुखेंदु शेखर रॉय सहित विपक्षी नेताओं ने सरकार से उन कदमों की रूपरेखा तैयार करने को कहा है जो वह उठाना चाहती है।

जज कैशकांड के बाद सुप्रीम कोर्ट की फजीहत दो कारणों से हो रही है। न्यायिक नियुक्ति आयोग को रद्द करने और जस्टिस वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में करने से। आयोग को रद्द करने पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति धनखड़ द्वारा राजनीतिक दलों की बैठक के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक आयोग को निरस्त करने के फैसले की तीखी भर्त्सना की गई। दूसरी तरफ इलाहाबाद हाइकोर्ट बार एसोसिएशन ने जस्टिस यशवंत वर्मा के तबादले का विरोध किया है। एसोसिएशन ने हड़ताल के अलावा जस्टिस वर्मा की कोर्ट के बहिष्कार की चेतावनी दी है। जस्टिस वर्मा प्रकरण के बाद सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम द्वारा हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति प्रक्रिया पर फिर से उंगलियां उठने लगी हैं। न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति में पारदर्शिता नहीं होने और इनमें परिवारवाद को वरीयता दिए जाने को अंकल जज सिंड्रोम कहते हैं। जब जज बनाने के लिए अधिवक्ताओं के नाम प्रस्तावित किए जाते हैं तो किसी भी स्तर पर किसी से कोई राय नहीं ली जाती। ऐसे में जिन लोगों का नाम प्रस्तावित किया जाता है, उनमें से कई पूर्व न्यायाधीशों के परिवार से होते हैं या उनके संबंधी होते हैं। भारतीय विधि आयोग ने अपनी 230वीं रिपोर्ट में उच्च न्यायालयों में 'अंकल जजों की नियुक्ति के मामले का उल्लेख किया है, जिसमें कहा गया है कि जिन जजों के परिजन किसी उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे हैं, उन्हें उसी उच्च न्यायालय में नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। विवादों में घिरे जस्टिस वर्मा का अकेला मामला नहीं है, जिससे सुप्रीम कोर्ट के समक्ष परेशानी खड़ी हुई है। पूर्व में हाईकोर्ट के जजों खिलाफ इस तरह के मामले सामने आते रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर कुमार यादव पिछले दिनों विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में बयानबाजी को लेकर चर्चा में रहे। सुप्रीम कोर्ट ने उनके बयान को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट से पूरी जानकारी मांगी वहीं, संसद में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की मांग ने जोर पकड़ा। जस्टिस वी. रामास्वामी पहले न्यायाधीश थे जिनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू की गई थी। उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव 1993 में लोकसभा में लाया गया था। लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था क्योंकि उसे जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं हो सका। जस्टिस रामास्वामी 1990 में पंजाब और हरियाणा के मुख्य न्यायाधीश थे तब उन पर आधिकारिक तौर पर अलॉट किए गए घर पर कब्जा किए जाने का आरोप लगा था।

कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस सौमित्र सेन देश के दूसरे जज थे जिन्हें महाभियोग का सामना करना पड़ा था। उनके खिलाफ 2011 में राज्य सभा द्वारा महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। जस्टिस सौमित्र सेन ने महाभियोग चलाए जाने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल को अपना इस्तीफा भेज दिया था। वह पहले ऐसे न्यायाधीश थे जिन पर उच्च सदन द्वारा कदाचार के लिए महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया था। वर्ष 2015 में राज्यसभा के 58 सदस्यों ने गुजरात हाईकोर्ट के जस्टिस जे.बी. पारदीवाला के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। जेबी पारदीवाला ने आरक्षण के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। सांसदों ने अपने प्रस्ताव में अनुसूचित जाति और जनजाति के खिलाफ उनके अपशब्द कहे जाने पर आपत्ति जताई थी।

संक्षिप्त समाचार

मनोज कुमार को श्रद्धांजलि

भारतीय फिल्म जगत के प्रसिद्ध अभिनेता, फिल्म निदेशक, निमार्ता, लेखक, गीत कार, एवं दादा साहेब फालके पुरस्कार के विजेता मनोज कुमार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए वनफूल फिल्म एंड टीवी इंटरनेशनल के निर्देशक, लेखक अभिनेता तपन कुमार घोष ने कहा कि देश भक्ति विषयों पर फिल्म बनाने एवं भारतीय सिनेमा और कला में योगदान के लिए हमेशा याद किया जाता रहेगा। मनोज कुमार उपनाम भारत कुमार भारतीय सिनेमा के मार्गदर्शक और विभिन्न श्रेणियों में सात फिल्म फेयर पुरस्कार एवं एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त किये थे। दीपक कुमार घोष, महावीर साहू, पंकज पांडेय, गणेश लोहरा, प्रशांत कुमार, जितेन्द्र पांडे, श्रद्धा मिश्रा, बिरसा लोहरा, डॉ पी0के0 विश्वास, विश्वनाथ गौंझू, डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी, जयराम महतो, प्रार्थना कुमारी, आशुतोष भगत, किशोर ठाकुर, बसंत ठाकुर, संजय नाग मुंडा, मदन गोस्वामी, लक्ष्मी नारायण बड़ाईक, मनोहर प्रकाश राम आदि ने शोक व्यक्त करते हुए मनोज कुमार को श्रद्धांजलि दिया।

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कर्रा थाना खेती का गांव में 440 बिजली के चपेट में आने से महिला की मौत होगई है। बिजली का पोल टूटा

हुआ था इसलिए तार जमीन पर पड़ा था सुबह में 6:00 पास के अपने सब्जी बाड़ी में काम करने जा रही थी।

प्रत्येक बूथ पर जोड़े महिला मतदाता का नाम

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मतदाता सूची में महिला वोटरों की संख्या बढ़ाने को लेकर शुक्रवार को प्रखंड के सभागार भवन में उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार की अध्यक्षता बूथ संख्या एक से सौ तक के सभी बीएलओ की बैठक की गई। इस दौरान नरकटियागंज विधानसभा के मतदाता सूची में लिंगानुपात मतदाताओं की संख्या में यथाशीघ्र सुधार का निर्देश दिया गया। उप निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव की तैयारियो को लेकर प्रशाशन की ओर से मतदाता सूची में महिला वोटरों की संख्या बढ़ाने को लेकर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसी को लेकर एक बैठक की गई है।इस दौरान प्रत्येक बूथ पर एक हजार पुरुष मतदाता की तुलना में 890 से 903 महिला मतदाताओं का नाम जोड़ने का निर्देश सभी बीएलओ को दिया गया है। बैठक में शिक्षक वीरेंद्र कुमार सिंह समेत सभी बीएलओ उपस्थित रहे।

अवैध मिट्टी खनन में एक ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिकारपुर पुलिस ने अवैध मिट्टी के खनन करते हड़बोद नदी के समीप से एक ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त किया है। हालांकि पुलिस के इस करवाई में ट्रेक्टर चालक फरार हो गया। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया की गुप्त सूचना के आधार पर चनी मिल के समीप हड़बोड़ा नदी के पास से मिट्टी का खनन करते एक ट्रैक्टर ट्राली को पकड़ा गया है। हालांकि चालक पकड़ में नही आ सका है। उन्होंने कहा कि मिट्टी लदे ट्रैक्टर को थाना लाया गया। ट्रैक्टर के मालिक व चालक की पहचान कराते हुए उनके विरुद्ध करवाई की जा रही है।

आग का कहर,12 घर सहित कई मवेशी झुलसे

मझौलिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। थाना क्षेत्र के बखरिया कुर्मी टोला में शुक्रवार दोपहर आग लग गई। आग की चपेट में आकर 12 लोगों के घर जल गए। सात बकरी और एक गाय की मौत हो गई। इकबाल दास और उनका बेटा सोनू कुमार झुलस गए। दोनों का इलाज स्थानीय स्तर पर चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन दल मौके पर पहुंचा। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। तब तक सभी घर जलकर राख हो चुके थे। आग से करीब 15 लाख रुपये से ज्यादा की क्षति हुई है। जिनके घर जले उनमें इकबाल दास, हरिलाल दास, चंद किशोर दास, शंभू दास, पहलाद दास समेत 12 लोग शामिल हैं। आग लगने के कारण का अब तक पता नहीं चल सका है। पीड़ितों ने इसकी सूचना अंचलाधिकारी को दी। अंचलाधिकारी राजीव रंजन ने हल्का कर्मचारी साहेब कुमार को मौके पर भेजा। साहेब कुमार ने बताया कि एक दर्जन घर पूरी तरह जल गए हैं। वेटरनरी विभाग के डॉक्टर ने पहुंचकर मवेशियों की गिनती शुरू कर दी है।

जमीनी विवाद में महिला से मारपीट एफआईआर

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिकारपुर थाना के दियुलिया गांव वार्ड संख्या 6 में जमीनी विवाद को लेकर मारपीट की घटना घटी है। घटना 27 मार्च की है। मामले में आबिदा खातून ने शिकारपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराया है। एफआईआर में गाव के ही इरफान आलम,मो. इरशाद,मो. इशरार,मो. सलीम,मो. अदनान, अनीश आलम को नामजद किया है। आरोप है कि 27 मार्च को उक्त सभी लोग जमीनी विवाद को लेकर दरवाजे पर लाकर गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाठी, डंडे, व फरसा से मारपीट कर जख्मी कर दिए। बचाने आये भाई अफरोज को भी मारपीट कर जख्मी कर दिए। हो हल्ला की आवाज पर आसपास के लोग इक्कठे हुए और लोगो के बीच बचाव से मामला शांत हुआ। घायलों का इलाज जीएमसीएच में चल रहा है। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे की करवाई की जा रही है।

बेटे के गायब होने पर पिता ने पुलिस से लगाई गुहार

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिकारपुर थाना के गोखुला गाव से एक 17 वर्षीय किशोर एक सप्ताह से गायब है। मामले में उसके पिता सलामद देवान ने शिकारपुर थाने में आवेदन देकर पुत्र को ढूंढने में पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। दिए आवेदन में पिता ने बताया है कि 27 मार्च की रात्रि करीब आठ बजे घर से निकला लेकिन वापस नही आया है। काफी खोजबीन के बाद अब तक कही उसका पता नही चल पाया है। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर करवाई की जा रही है।

एसडीएम ने किया अंचल कार्यालय का निरीक्षण

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एसडीएम सूर्य प्रकाश गुप्ता ने शुक्रवार को अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान एसडीएम ने अंचल कार्यालय, रिकॉर्ड रूम आदि का निरीक्षण किया।इसके उपरांत एसडीएम ने राजस्व कर्मचारियो के साथ एक बैठक की। बैठक के दौरान राजस्व कार्यों में तत्परता, कागजातों को अद्यतन करने में अधिक सावधानी बरतते हुए ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया। वही परिमार्जन, दाखिल खारिज, छूटी हुई जमाबंदी, आरओआर, कोर्ट वाद, अतिक्रमण वाद समेत दर्जन भर बिंदुओं पर जानकारी सीओ सुधांशु शेखर से ली। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल मे विभाग द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्यों का निष्पादन करना है। इसके अलावा उक्त सभी सेवाओं की अद्यतन सूची उपलब्ध करवाने का निर्देश दिया।

सुरक्षागार्डो को दिया गया प्रशिक्षण

बगहा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बगहा दो व शहरी पीएचसी में तैनात सुरक्षा गार्ड्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को नगर के विमल बाबू खेल मैदान में आयोजित हुआ। इस दौरान डॉली सुरक्षा एजेंसी के द्वारा बगहा दो पीएचसी सहित पीएचसी के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ,स्वास्थ्य केंद्र एवं शहरी पीएचसी में तैनात सुरक्षा कर्मियों को अस्पताल के बेहतर संचालन एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद एजेंसी की ओर से सुरक्षा गार्ड्स के समस्याओं के निराकरण को लेकर कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें ईपीएफ सहित सुरक्षा गार्ड्स की अन्य समस्याओं का निराकरण किया गया। इसके बाद पीएचसी प्रभारी के द्वारा सभी सुरक्षा गार्ड्स के बीच वर्दी का वितरण किया गया। गौरतलब हो कि दो पीएचसी प्रभारी के द्वारा अस्पताल के सुरक्षा में लगे सुरक्षा गार्डो विशेष प्रशिक्षण को लेकर संबंधित एजेंसी को पत्राचार किया गया था। जिसकी आलोक में शुक्रवार में सभी सुरक्षा गार्ड्स को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा.राजेश सिंह नीरज के अलावा डॉली सुरक्षा सर्विसेज के सुधीर कांत शुक्ला, सुदीश श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

रामनवमी पर्व को लेकर पूरे जिले में व्यापक तैयारी : उपायुक्त

शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने में प्रशासन को करें सहयोग : पुलिस अधीक्षक

छतरपुर प्रखंड क्षेत्र में फ्लैग मार्च करते अधिकारीगण।

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक के निदेश पर उंटारी रोड, मोहम्मदगंज, हैदरनगर, हुसैनाबाद, छतरपुर एवं हरिहरगंज में निकाले गये फ्लैग मार्च में शामिल हुए जिलास्तरीय पदाधिकारी रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाये जाने हेतु जिले में विभिन्न प्रखंडों में आज फ्लैग मार्च निकाला गया। उपायुक्त शशि रंजन एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन के निदेश पर फ्लैग मार्च में जिला स्तरीय प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी भी शामिल रहे। उपायुक्त शशि रंजन एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने जिलेवासियों से शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी पर्व मनाने की अपील की है। उपायुक्त शशि रंजन ने कहा कि रामनवमी पर्व को लेकर पूरे जिले में व्यापक तैयारी की गई है। ड्रोन के माध्यम से नजर रखी जा रही है। वहीं जुलूस मार्गों पर सीसीटीवी अधिष्ठतापित कर प्रशासन द्वारा नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अराजक व असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी की है। ऐसे में शांति व्यवस्था बनाए रखने में सभी प्रशासन को सहयोग करें। अंतराज्यीय सीमाओं पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। उन्होंने डिजिटल व इंटरनेट मीडिया पर तकनीकी टीम द्वारा नजर रखे जाने की बातें कही। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया व इंटरनेट मीडिया पर तकनीकी टीम द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है। किसी भी भ्रामक और अपुष्ट सूचनाओं के प्रसारण पर संबंधितों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाली सूचनाओं का सत्यापन करके ही प्रसारण या प्रकाशन करना सुनिश्चित करें, ताकि शांतिपूर्ण पर्व संपन्न कराया जा सके। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष बनाया गया है, जिससे पल-पल का अपडेट लिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने रामनवमी का जुलूस निर्धारित मार्ग से ही निकालने की अपील की। प्रशासन की टीम को शांति व्यवस्था बनाए रखने में पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि रामनवमी पर्व को लेकर प्रशासन की ओर से दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी व जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। असमाजिक व अराजक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि ड्रोन के माध्यम से घर के छतों की भी लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व तैयारी दुरूस्त किया जा सके और संबंधित संदिग्धों, अराजक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सके। उंटारी रोड, मोहम्मदगंज, हैदरनगर प्रखंड क्षेत्र व देवी धाम क्षेत्र, हुसैनाबाद, छतरपुर एवं हरिहरगंज के विभिन्न मार्गों में निकाले गये फ्लैग मार्च का नेतृत्व उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद व अपर समाहर्ता कुंदन कुमार ने किया। फ्लैग मार्च के माध्यम से प्रशासन ने रामनवमी पर्व को लेकर शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की।

उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने सभी से विधि व्यवस्था संधारण में प्रशासन को मदद करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि रामनवमी देश का महत्वपूर्ण पर्व है। इस पर्व में लोगों की बड़ी आस्था होती है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पर्व को उत्साह, उमंग व हर्षोल्लास मनाते हैं। रामनवमी को लेकर विधि व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से तैयारी की समीक्षा की गई है। श्रद्धालुओं की व्यवस्था एवं सुविधाओं का आकलन किया गया है, ताकि समय रहते कमियों को दूर किया जा सके। साथ ही फ्लैग मार्च के माध्यम से शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि खुषियों के साथ पर्व संपन्न हो, इसके लिए शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना सभी की जिम्मेवारी है।

अपर समाहर्ता कुंदन कुमार ने भी शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में उत्साहपूर्वक पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने किसी तरह की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और सोषल मीडिया के दुरूपयोग से बचने की बातें कही। फ्लैग मार्च के साथ-साथ संबंधित क्षेत्रों में रामनवमी को लेकर विधि व्यवस्था संधारण एवं अबतक की गयी तैयारियों की भी समीक्षा की गई। वहीं रामनवमी का जुलूस निकलने एवं विसर्जन मार्ग का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया गया। अधिकारियों ने हैदरनगर देवी धाम मंदिर व मेला क्षेत्र का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही माता मंदिर में माथा टेका। देवी धाम मंदिर समिति की ओर से अधिकारियों को चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया। साथ ही मंदिर समिति के सदस्यों ने देवी धाम मंदिर रिसर में शौचालय, बिजली, पेयजल आदि सुविधाएं व्यापक स्तर पर उपलब्ध कराने की मांग की। उप विकास आयुक्त ने देवी धाम की व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने का आश्वासन दिया। फ्लैग मार्च में जिला स्तरीय, अनुमंडल, प्रखंड, अंचल एवं थाना स्तरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल रहे।

कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर नाबालिग के दुष्कर्मी हत्यारे को दिलाए फांसी : विमला कुमारी

मेदिनीनगर (पलामू) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की पलामू जिला उपाध्यक्ष विमला कुमारी ने कांदू मोहल्ला में 10 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुई हैवानियत पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अपराधी टिंकू शर्मा ने नाबालिग के साथ जघन्य अपराध करते हुए बलात्कार कर उसकी पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी है। यह हैवानियत की पराकाष्ठा है। उन्होंने इस मामले में कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया है। उन्होंने न्यायाधीश से विशेष कोर्ट के माध्यम से स्पीडी ट्रायल चलाकर फांसी दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद पुलिस का रवैया बेहद ही खराब रहा। कहा कि अपराधियों को पुलिस का कोई डर नहीं है। अपराधी शहर में बेखौफ होकर घटना को अंजाम दे रहे हैं। कोई ऐसा दिन नहीं है जिस दिन अपराधी घटना को अंजाम नहीं दे रहे हैं। कहा कि लड़की के पिता दैनिक मजदूरी का काम करते हैं। उनकी माली हालत अत्यंत ही खराब है। उनकी तीन बच्चियां ही थी। जिला प्रशासन अविलंब उन्हें मुआवजा दिलाने का काम करें। उन्होंने पलामू की पुलिस अधीक्षक से दुष्कर्मी हत्यारे को फांसी दिलाने के लिए कार्रवाई करने की मांग की है।

सरकारी स्तर पर परिवार को न्याय दिलाने में मदद करने का करेंगे प्रयास : अविनाश देव

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थोड़ा पीछे मुड़कर देखें तो 2012 में घटित निर्भया कांड के बाद बने सख्त कानून से लगा था कि अब देश में दुष्कर्म नहीं होगा, लेकिन हुआ ठीक उल्टा। कठुआ, कोलकाता, हाथरस, हैदराबाद के बाद अब मेदिनीनगर में मासूम दस वर्षीय बेटी को 35 वर्षीय पड़ोसी टिंकू शर्मा ने टॉफी के बहाने अपने सुनसान घर में ले गया व दुष्कर्म किया। अपने खतरे को भांपते हुए साक्ष्य छिपाने के लिए सबसे आसान कार्य हत्या कर किवाड़ से ढंक दिया। टिंकू शर्मा ने उस मासूम को ईंट से कुचलकर बेरहमी से दर्दनाक मौत का अंजाम दिया। यह हैवानियत की हद है। इस घटना से पूरा मेदिनीनगर शहर शर्मसार हो गया है।

उक्त बातें संत मरियम स्कूल के निदेशक व झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता अविनाश देव ने कही।वे शुक्रवार को मासूम घर पहुंचे थे। परिजन को ढांढस बंधाया व हर तरह से सहयोग का भरोसा दिलाया। कहा कि सरकारी स्तर पर परिवार को न्याय दिलाने में मदद हर संभव मदद करने का प्रयास करेंगे।

टुण्डी में मामूली विवाद को लेकर खूनी संघर्ष

दो लोग गंभीर रूप से घायल बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर

टुण्डी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। टुण्डी थाना क्षेत्र के बेहडा. गांव में मामूली विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए जहां देखते देखते खूनी संघर्ष में बदल गया और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार टुण्डी प्रखंड के बेहडा.गांव की सोनिका देवी सुबह के समय में स्नान करने कुआं आई हुई थीं तभी स्नान करने उतम मंडल भी पहुंच गए तथा दोनों में स्नान करने को लेकर तूं तूं में में होते होते अचानक मारपीट में दोनों उतारूं हो गए देखते ही देखते घटना ने विकराल रूप धारण कर लिया और खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया जहां दोनों पक्षों में जबरदस्त लाठी डंडे चले प्रथम पक्ष में राजकुमार मंडल उनके पिता श्रीकांत मंडल, मां सोनिका मंडल घायल हुए वहीं दूसरे पक्ष से उत्तम मंडल ,चिंकू मंडल, कृष्णा मंडल को भी गंभीर चौटे आई प्रथम पक्ष से राजकुमार मंडल जबकि दूसरे पक्ष से उत्तम मंडल को काफी गंभीर चौटे लगी है एवं काफी खून बहा है दोनों पक्षों से लगभग आधा दर्जन लोग इस खूनी संघर्ष में घायल हुए ऊं। घटना की जानकारी मिलते ही टुण्डी पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी उमाशंकर एवं अवर निरीक्षक सीताराम सिंह अपने सदलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को सी एच सी टुण्डी में प्राथमिक उपचार कराया तथा गंभीर स्थिति को देखते हुए राजकुमार मंडल एवं उत्तम मंडल में बेहतर इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल धनबाद रेफर कर दिया गया। फिलहाल दोनों पक्षों की इंजूरी रिपोर्ट ले लिया गया है उपचार के बाद ही आगे की कारवाई करने की बात टुण्डी पुलिस द्वारा किया जायेगा। समाचार लिखे जाने तक किसी पक्षों ने टुण्डी थाना में लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराया है।

चमकी बुखार के प्रबंधन को लेकर एंबुलेंस ईएमटी को दिया गया प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। चमकी बुखार (एईएस) के प्रभावी प्रबंधन व त्वरित चिकित्सकीय सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग लगातार तैयारियों में जुटा है। इसी क्रम में सदर अस्पताल स्थित जीएनएम स्कूल में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर जिले के 95 एंबुलेंस ईएमटी (इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन) को चमकी बुखार से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण शिविर में डीपीएम अरविंद कुमार और जिला वेक्टर जनित रोग सलाहकार सुधीर कुमार ने ईएमटी को चमकी बुखार के लक्षण पहचानने, त्वरित प्राथमिक उपचार देने और मरीज की स्थिति के अनुसार अगली चिकित्सा सुविधा तक पहुंचाने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में यह बताया गया कि पीड़ित बच्चों को एंबुलेंस में कैसे सुरक्षित लाना है, शरीर का तापमान और ग्लूकोज स्तर कैसे जांचना है, किस तरह ऑक्सीजन देना है तथा किन आवश्यक दवाओं का कितनी मात्रा में प्रयोग करना है। डीपीएम अरविंद कुमार ने कहा कि चमकी बुखार में शुरूआती चार घंटे बेहद अहम होते हैं। समय पर सही उपचार मिलने से बच्चों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि अब प्रत्येक ईएमटी के पास एक चेकलिस्ट होगी, जिसमें पीड़ित की स्थिति, लक्षण और दी गई प्राथमिक चिकित्सा दर्ज रहेगी। यह चेकलिस्ट चिकित्सकों को उपचार में सहायक सिद्ध होगी। जिला वेक्टर रोग सलाहकार सुधीर कुमार ने जानकारी दी कि एंबुलेंस में अब दवाएं, ऑक्सीजन सिलिंडर और आवश्यक उपकरण पहले से उपलब्ध रहेंगे। इससे तापमान और शुगर की जांच के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर सॉल्युशन और ग्लूकोज भी दिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था शुरूआती इलाज के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी।

स्वस्थ बिहार के निर्माण के लिए जरूरी है स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाना:मंगल पांडे

सदर अस्पताल के 39 बेड के पीकू वार्ड का स्वास्थ्य मंत्री ने किया लोकार्पण

सीवान/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री मंगल पांडे ने शुक्रवार को जिला स्वास्थ्य समिति के परिसर में नव निर्मित दो करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से बने 39 बेड के प्रीफैब स्ट्रक्चर का पीकू वार्ड का उद्घाटन किया.उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हम बढ़ते हुए बिहार,विकसित होते हुए बिहार एवं समृद्ध होते हुए बिहार के मूल आधार स्वस्थ बिहार के निर्माण के लिए स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बना रहें हैं.पिछले दो दिनों में सीवान में साढ़े उन्नीस करोड़ की लागत से निर्मित सदर अस्पताल के पीकू वार्ड,दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 4 हेल्थ एंड वेलनेस का लोकार्पण किया गया है.उन्होंने कहा कि यह हमारा संकल्प है कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को दूसरे राज्यों के स्वास्थ्य सेवाओं के बराबर खड़ा करें.उन्होंने कहा कि पीकू वार्ड चालू हो जाने के बाद सदर अस्पताल में अभी 205 बेड संचालित किए जा रहें है.इस साल के अंत तक 100 बेड का एमसीएच भी चालू हो जाएगा.इस प्रकार लोगों को इस साल के अंत तक 305 बेड की सुविधा मिलेगी.एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हीट वेव से निबटने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग अलर्ट है.सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों के इलाज की व्यवस्था की गई है.ग्रामीण स्तर तक ओआरएस पावडर एवं अस्पतालों में आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करा दी गई है.इसके अलाव अखबारों में विज्ञापन एवं अन्य माध्यमों से लोगों में जनजागरण के माध्यम से जागृति लाने का प्रयास किया जा रहा है.इस अवसर पर विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह,जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी,पूर्व एमएलसी मनोज कुमार सिंह,संजय पांडे,देवेंद्र गुप्ता,सिविल सर्जन डॉ श्रीनिवास प्रसाद,अधीक्षक डॉ अनिलकुमार सिंह,डॉ उमेश कुमार,डॉ कालिका कुमार सिंह एवं डीपीएम विशाल कुमार सिंह उपस्थित थे।

बड़रम में उप स्वास्थ्य केन्द्र का मंत्री ने फीता काट कर किया उद्घाटन

बड़रम/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखण्ड के बड़रम में शुक्रवार को उप स्वास्थ्य केन्द्र का नवनिर्मित भवन का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय, क्षेत्रीय विधायक हरिशंकर यादव, विधायक कर्ण जीत सिंह, को कॉपरेटिव चेयरमैन मनोज कुमार सिंह, सिविल सर्जन श्रीनिवास प्रसाद,जिला पार्षद अनिता देवी, जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया. मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों द्वारा मंत्री सहित विधायक एवं अन्य अतिथियों को अंगवस्त्र तथा बूके देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार की सोंच है कि सुदूर इलाकों के ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराया जाय.उन्होंने ग्रामीणों से अपील किया कि डब्लूएचसी पर 146 प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं. मंत्री ने ग्रामीणों से लाभ उठाने की अपील की. वहीं उन्होंने कहा कि अन्य बड़े स्वास्थ्य केन्द्रों पर ब्लड जांच, एक्स रे, सहित इमरजेंसी सेवा उपलब्ध है. मरीजों को उनके घर से स्वास्थ्य केन्द्र लाने व पहुंचाने की एम्बुलेंस की फ्री सेवा है.

सांसद राजीव प्रताप रूडी की अध्यक्षता में होगी वाराणसी रेल मंडल की मंडलीय समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा (सारण)। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल अंतर्गत मंडलीय समिति की बैठक आगामी 8 अप्रैल 2025 (मंगलवार) को प्रातः 11:00 बजे मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, लहरतारा, वाराणसी में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता सारण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी करेंगे। बैठक में रेलवे मंडल से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं जनहितकारी प्रस्तावों को लेकर सांसद श्री रूडी ने एक विस्तृत एजेंडा डीआरएम को प्रेषित किया है। इस एजेंडे में सिवान से छपरा और पटना के लिए सुबह-शाम दो जोड़ी डीएमयू ट्रेनें चलाने, छपरा कचहरी स्टेशन को वैकल्पिक टर्मिनल के रूप में विकसित करने, छपरा जंक्शन पर सफाई, निकास द्वार, प्लेटफॉर्म 7 और 8 पर फर्श व शेड निर्माण तथा पार्किंग एवं बस स्टैंड की व्यवस्था, रेलवे भूमि की मापी व अतिक्रमण मुक्त कर आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने जैसे अहम बिंदु शामिल हैं। सांसद ने कोरोना काल में बंद ट्रेनों की बहाली व ठहराव पर पुनर्विचार, थावे से पटना के लिए रेल संचालन में संशोधन, मैरवा स्टेशन पर अवध असम एक्सप्रेस, छपरा-मथुरा एक्सप्रेस आदि ट्रेनों के ठहराव की बहाली, छपरा-भटनी पैसेंजर व थावे के लिए डीएमयू सेवा की पुनर्बहाली तथा रिविलगंज हॉल्ट पर भवन निर्माण संबंधी मांगें भी एजेंडे में रखी हैं। इसके अलावा ग्राम करिंगा को आरओबी से जोड़ने हेतु संपर्क मार्ग की भी विशेष मांग की गई है। श्री रूडी ने छपरा नगर निगम के सहयोग से जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने की दिशा में भी कदम उठाने का प्रस्ताव रखा है।

जनता से सुझाव साझा करने की अपीलः

सांसद श्री रूडी ने क्षेत्रीय जनता से अपील की है कि वे रेलवे से संबंधित समस्याएं एवं सुझाव टोल फ्री नंबर 18003456222 पर साझा करें, ताकि उन्हें आगामी बैठक में रेलवे अधिकारियों के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया जा सके।

बैठक में ये सांसद होंगे शामिलः

इस बैठक में मंडल समिति के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रीय सांसद या उनके प्रतिनिधि शामिल होंगे। इनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (वाराणसी), जनार्दन सिंह सिग्रीवाल (महाराजगंज), उज्ज्वल रमण (प्रयागराज), धर्मेंद्र यादव (आजमगढ़), सनातन पांडेय (बलिया), कमलेश पासवान (बाँसगांव), डॉ. विनोद कुमार बिंद (भदोही), वीरेंद्र सिंह (चंदौली), शशांक मणि (देवरिया), राजीव राय (घोसी), अफजाल अंसारी (गाजीपुर), रवि किशन शुक्ला (गोरखपुर), शब्बू सिंह कुशवाहा (जौनपुर), विजय कुमार दूबे (कुशीनगर), दरोगा प्रसाद सरोज (लालगंज), प्रिया सरोज (मछलीशहर), पंकज चौधरी (महराजगंज), अनुप्रिया पटेल (मिजार्पुर), प्रवीण पटेल (फूलपुर), रमाशंकर राजभर (सलेमपुर), डॉ. आलोक कुमार सुमन (गोपालगंज) व विजयलक्ष्मी देवी (सिवान) सहित राज्यसभा से सीमा द्विवेदी, डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, संगीता यादव, जया बच्चन, नीरज शेखर, डॉ. संगीता बलवंत, कुंवर रतनजीत प्रताप नारायण सिंह, दर्शना सिंह व साधना सिंह जैसे सदस्य बैठक में भाग लेंगे।

भक्ति में डूबा गढ़वा, जय श्री राम के जयकारों से गूंजा शहर

गढ़वा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रामनवमी के अवसर पर पूरा शहर भक्तिमय हो गया है। सभी चौक-चौराहों और सड़कों की दोनों ओर भगवा ध्वज लहराए जा रहे हैं। उससे पूरा माहौल राममय हो उठा है। शहर के विभिन्न पूजा समितियों द्वारा एकम से अष्टमी तक रामकथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। वहीं अखाड़ों द्वारा आकर्षक रथों का निर्माण किया जा रहा है। श्री राम पूजा समिति का भव्य आयोजन श्री राम पूजा समिति, शिव मंदिर चिनियां रोड द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम एवं राम दरबार की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां एकम से अष्टमी तक रामकथा का आयोजन किया जा रहा है। उसे सुनने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है।

वोडा-आइडिया के शेयर पर सरकार लेने जा रही बड़ा फैसला, सेबी की हरी झंडी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सरकार को वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के शेयरधारकों के लिए खुली पेशकश लाने से छूट दे दी। यह छूट वीआईएल में स्पेक्ट्रम बकाया को इक्विटी में बदलने के एवज में 34 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के बाद दी गई है।

सरकार की 49 फीसदी हो जाएगी हिस्सेदारी- इस परिवर्तन से कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी वर्तमान के 22.6 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 49 प्रतिशत हो जाएगी - जिससे टेलीकॉम प्रोवाइडर वीआईएल अपने ग्राहक आधार को सेवा प्रदान करना जारी रख सकेगी और भारत में दूरसंचार पहुंच बढ़ा सकेगी। यह छूट देते हुए सेबी ने कहा कि फिलहाल भारत सरकार का वीआईएल के प्रबंधन या बोर्ड में भाग लेने का कोई इरादा नहीं है और दूरसंचार कंपनी के नियंत्रण में कोई बदलाव नहीं होगा। इसके अलावा, ऐसी होल्डिंग को सार्वजनिक शेयरधारिता के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। पिछले महीने सरकार ने संकटग्रस्त कंपनी को एक जीवन देते हुए सितंबर, 2021 के दूरसंचार सुधार पैकेज के प्रावधानों के तहत वीआईएल के स्पेक्ट्रम नीलामी बकाया के 36,950 करोड़ रुपये को इक्विटी में परिवर्तित करने का निर्णय लिया। सामान्य तौर पर भारत सरकार की शेयरधारिता को बढ़ाकर 48.99 प्रतिशत करने से अधिग्रहण नियमों के तहत खुली पेशकश की बाध्यता उत्पन्न हो जाएगी, लेकिन नियामक ने सरकार को इससे छूट प्रदान की है।

क्या है नियम

नियमों के तहत, किसी सूचीबद्ध कंपनी में 25 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सेदारी हासिल करने वाली संस्थाओं को शेयरधारकों के लिए एक खुली पेशकश करनी होती है। अपने आदेश में, नियामक ने उल्लेख किया कि वीआईएल द्वारा सरकार को एक बड़ी राशि का भुगतान किया जाना है, जो कंपनी की वित्तीय स्थिति पर संभावित बोझ डाल सकता है। इसके अलावा, भारत सरकार की ओर से एक खुली पेशकश की बाध्यता में नकदी की बड़ी मात्रा में निकासी शामिल है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में से सरकार घटा रही है अपनी हिस्सेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में से सरकार ने अपनी हिस्सेदारी घटाने का फैसला किया है। इसके लिए सरकार की तरफ से फ्लोर प्राइस का ऐलान कर दिया गया है। सरकार ने बताया है कि कुल 4.83 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचा जाएगा। जिसके लिए कंपनी ने 2525 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से फ्लोर प्राइस तय किया है।

6 प्रतिशत गिरा कंपनी के शेयरों का भाव- निवेशकों को सरकार का यह फैसला पसंद नहीं आ रहा है। जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों में आज शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयर बीएसई में 2571.40 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 2558.75 रुपये (सुबह 9.45 बजे) पर आ गया। बता दें, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत टूट गया है। दीपम के सचिन अरुनिश चावला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 3 अप्रैल को किए गए पोस्ट में जानकारी दी, नॉन रिटेल निवेशकों के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड का ऑफर फार सेल कल खुल जाएगा। वहीं, रिटेल निवेशक सोमवार को इस पर दांव लगा पाएंगे। सरकार की तरफ से 2.83 प्रतिशत हिस्सेदारी को घटाया जा रहा है।

बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों ने डिपॉजिट रेट्स घटाने शुरू किए

एचडीएफसी, यस बैंक, बंधन और बजाज फाइनेंस ने घटा दिए हैं डिपॉजिट रेट्स

- **आरबीआई की एमपीसी इस हफ्ते की बैठक में रेपो रेट में और कटौती कर सकती है**

नईदिल्ली, एजेंसी। बैंकों और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों ने डिपॉजिट रेट्स घटाने शुरू कर दिए हैं। उम्मीद है कि अगले हफ्ते रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ब्याज दरों में और कटौती कर सकता है साथ ही लिक्विडिटी (रुपये की उपलब्धता) में भी सुधार होने की बात कही जा रही है। एचडीएफसी बैंक, यस बैंक, बंधन बैंक और एनबीएफसी बजाज फाइनेंस ने इस हफ्ते डिपॉजिट रेट्स घटा दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इससे आने वाले दिनों में लोन (उधार) पर ब्याज दरें भी कम होंगी और आरबीआई की नीतियों का असर आम लोगों तक जल्दी पहुंचेगा। आरबीआई ने जनवरी से सिस्टम में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए 1.4 लाख करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे हैं। मंगलवार को उसने और 80,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदने का ऐलान किया। यानी आरबीआई बाजार में और पैसा डाल रही है ताकि ब्याज दरें कम हो।

इकॉनमिक टाइम्स के मुताबिक, इस साल फरवरी में सेंट्रल बैंक ने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कमी की थी उम्मीद है कि एमपीसी की अगली मीटिंग में रीपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। अधिकतर बैंकों

से इस तिमाही में डिपॉजिट रेट्स कम करने की उम्मीद है। उन्होंने पहले ही येपो रेट से जुड़े एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट के आधार पर डिपॉजिट रेट्स घटा दिए हैं लेकिन बैंकरों का कहना है कि वो अभी अपने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स के आधार पर लोन की दरें तुरंत नहीं घटाएंगे। डिपोजिट रेट्स में कटौती से एमसीएलआर में कमी का रास्ता साफ होता है। एचडीएफसी बैंक, येस बैंक और बजाज फाइनैंस ने डिपोजिट रेट्स 0.25-0.40 प्रतिशत तक घटा दिए हैं। बंधन बैंक ने सेविंग अकाउंट्स पर ब्याज दरों में आधी तक कटौती की है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

बैंक ऐसे वक्त में ब्याज दरें कम कर रहे हैजब सरकार ने अप्रैल-जून के लिए अपनी सभी स्मॉल सेविंग स्कीम्स की दरें जस की तस रखी हैं। इनमें आरबीआई बॉन्ड्स और सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम्स पर ज्यादा से ज्यादा 8.2 प्रतिशत ब्याज मिलता है Money Honey फाइनैंशल सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर अनूप भैया कहते हैं कि फिक्स्ड डिपॉजिट करने वालों को इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। चार से पांच साल की लंबी अवधि के लिए ज्यादा ब्याज दरों पर पैसा लगा देना चाहिए। फाइनैंशल प्लानर्स बताते हैं कि फिक्स्ड डिपॉजिट (स्र इसलिए पसंद किए जाते हैं क्योंकि ये समझने में आसान होते हैं और नियमित रूप से पैसा मिलता रहता है। यह बाजार की स्थिति पर निर्भर नहीं होता। ये प्रोडक्ट्स रिटायर लोगों या उन निवेशकों को पसंद आते हैं जो अपने लक्ष्यों को पूरा करना चाहते हैं और बिना किसी अनिश्चितता के काम को सरल रखना चाहते हैं। इसके मुकाबले, डेट फंड्स पर रिटर्न तय नहीं होता और चुने हुए फंड और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के आधार पर ये अस्थिर हो सकते हैं। ज्यादा ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के दौरान मार्केट टू मार्केट लाभ या नुकसान हो सकता है। ये कटौती खास तौर पर उन स्पेशल डिपॉजिट्स पर केंद्रित है जो सीमित समय (31 मार्च तक) के लिए ज्यादा ब्याज दरों पर शुरू की गई थीं।

अंबानी ने खरीदे 6 करोड़ से ज्यादा शेयर, 265 रुपये तक जा सकता है भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी- जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने ज्वाइंट वेंचर को लेकर एक अहम ऐलान किया है। जियो फाइनेंशियल ने गुरुवार को कहा कि कंपनी और ब्लैकरॉक ने अपने 50-50 ज्वाइंट वेंचर- जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के 6.65 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदे हैं। इसका फेस वैल्यू 10 प्रति शेयर है। इस लिहाज से कुल 66.5 करोड़ का निवेश हुआ है। बता दें कि यह ज्वाइंट वेंचर अपने व्यावसायिक संचालन को सपोर्ट देने के लिए इस फंड का उपयोग करेगा।

शेयर का हाल- बीएसई इंडेक्स पर गुरुवार को यह शेयर 230.45 रुपये पर था। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर 0.26 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। अप्रैल 2024 में शेयर की कीमत 394.70 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। वहीं, शेयर के 52 हफ्ते का लो 198.60 रुपये है। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट- बिजनेस टुडे की खबर के मुताबिक विश्लेषकों ने सुझाव दिया है कि जियो फाइनेंशियल के शेयर ओवरसोल्ड लेवल से उबर चुके हैं और शॉर्ट टर्म में मजबूती देखी जा सकती है। आनंद राठी के वरिष्ठ प्रबंधक - तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक जिगर एस पटेल ने बताया कि शेयर को समर्थन 220 रुपये और प्रतिरोध 236 रुपये पर मिलेगा। शॉर्ट टर्म के ट्रेडिंग रेंज की बात करें तो 220 रुपये और 250 रुपये के बीच रहने का अनुमान है। स्टॉक्सबॉक्स के अमेय रानादिवे ने कहा कि पिछले दो हफ्तों में जियो फाइनेंशियल में तेजी का रुख रहा है, जो ओवरसोल्ड स्तरों से उबर रहा है। यह शेयर अल्पावधि में मजबूती का संकेत दे रहा है। शेयर का संभावित लक्ष्य 257-265 रुपये की सीमा में रह सकता है।

दिसंबर तिमाही के नतीजे

दिसंबर 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में जियो फाइनेंशियल का 295 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा। जियो फाइनेंशियल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 294 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। तिमाही में कुल आय बढ़कर 449 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 414 करोड़ थी। कुल खर्च में भी सालाना आधार पर वृद्धि देखी गई। यह बढ़कर 131 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 99 करोड़ रुपये था।

1 शेयर पर 1 शेयर बोनस दे रही है कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक केबीसी ग्लोबल लिमिटेड के शेयर आज स्टॉक मार्केट में एक्स-बोनस के तौर पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी की तरफ से योग्य निवेशकों को एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया गया है। बता दें, केबीसी ग्लोबल लिमिटेड के शेयरों का भाव 1 रुपये से भी कम का है।

हर शेयर पर एक शेयर का फायदा- एक्सचेंज को दी जानकारी में केबीसी ग्लोबल लिमिटेड ने बताया था कि 1 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर दिया गया है। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने पहले से ही 4 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया था। जोकि आज है।

2021 में बोनस शेयर दे चुकी है कंपनी- इस पेनी स्टॉक ने 2021 में भी बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 4 शेयर बोनस शेयर तौर पर दिए थे। वहीं, केबीसी ग्लोबल लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा 2 बार हुआ है। पहली बार कंपनी के शेयरों का बंटवारा 2020 में हुआ था। तब कंपनी ने अपने शेयरों को 5 हिस्सों में बांट दिया था। उसके बाद कंपनी के शेयरों को 2021 में बांट दिया गया था। तब कंपनी ने अपने शेयरों का बंटवारा 2 हिस्सों में किया था। इस दूसरी बार स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो गई थी।

- **कंपनी के शेयरों में लगा अपर सर्किट-** बीएसई में आज यह स्टॉक 3.85 प्रतिशत की उछाल के बाद 0.54 रुपये के लेवल पर खुला है। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी के शेयरों का यह अपर सर्किट है। बता दें, आज इस स्टॉक को खरीदने वाले निवेशकों को बोनस शेयर का लाभ नहीं मिलेगा।

टाटा मोटर्स के शेयर डाउनग्रेड, टार्गेट प्राइस भी घटाया, अब बेचने की लगी होड़

नईदिल्ली, एजेंसी। पैसेंजर और कमर्शियल व्हीकल निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड को ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए ने अपनी हाई कन्विक्शन आउटपरफॉर्म लिस्ट से हटा दिया है। सीएलएसए ने टाटा मोटर्स को फिर से आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है और इसके शेयर का टार्गेट प्राइस 18 प्रतिशत घटाकर 930 से 765 कर दिया है। नया टार्गेट गुरुवार के क्लोजिंग प्राइस से 17 प्रतिशत की संभावित बढ़त दिखाता है। आज यह स्टॉक करीब 4 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 625 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहा है।

34 एनॉलिस्टों में से 21 ने कहा-खरीदो- टाटा मोटर्स पर नजर रखने वाले 34 एनॉलिस्टों में से 21 ने 8 ने होल्ड और 5 ने स्द्यद्य रेटिंग दी है। टाटा मोटर्स के शेयर अब अपने 52-हफ्ते के निचले स्तर 606.30 रुपये की ओर बढ़ रहा है।

ट्रंप के टैरिफ का असर

टाटा मोटर्स को इस लिस्ट में शामिल किए जाने के महज दो महीने के अंदर ही हटा दिया गया है। सीएलएसए ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि अमेरिका में 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगने और जगुआर मॉडल्स की उत्पादन बंदी के कारण जगुआर लैंड रोवर की बिक्री वित्तीय वर्ष 2026 में 14 प्रतिशत गिर सकती है। इससे टाटा मोटर्स का इबीआइटी मार्जिन वित्तीय वर्ष 2026-27 में 9 प्रतिशत से घटकर 7 प्रतिशत रह जाएगा।

इस वजह से सीएलएसए ने जगुआर लैंड रोवर के इबीआइटीडीए अनुमान को कम किया है, हालांकि उसे उम्मीद है कि जगुआर लैंड रोवर वित्तीय वर्ष 2026 और 2027 दोनों में फ्री कैश फ्लो पॉजिटिव रहेगा।

जगुआर लैंड रोवर को ग्रोथ की चुनौतियां

कम अवधि में जगुआर लैंड रोवर को ग्रोथ की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए सीएलएसए ने जगुआर लैंड रोवर का मल्टीपल 2.5× से घटाकर 2× कर दिया है।

भारत में कमर्शियल व्हीकल्स का साइकिल वित्तीय वर्ष 2026 में निचले स्तर पर पहुंच सकता है। इसलिए, सीएलएसए ने टाटा मोटर्स के कॉमर्शियल व्हीकल्स बिजनेस का वैल्यूएशन वित्तीय वर्ष 2028 तक बढ़ा दिया है, जिससे 127 प्रति शेयर की बढ़त हो सकती है। सीएलएसए ने कहा कि यह जगुआर लैंड रोवर पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कुछ हद तक कम कर देगा।

2000 रुपये से कारोबार की शुरुआत

आज सालाना 35 लाख की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। किसी भी कारोबार में सफलता के लिए जरूरी है कि उसमें जानकारी होना। काफी एक्सपर्ट भी यही सलाह देते हैं कि बिना जानकारी के कारोबार शुरू करना नुकसान का सौदा हो सकता है। ऐसा ही कुछ किया सुंदरगढ़ (ओडिशा) के रहने वाले जतिंद्र बरवा ने। वह मशरूम का कारोबार करते हैं। इस कारोबार को शुरू करने से पहले उन्होंने इसकी ट्रेनिंग ली थी। आज वह लाखों रुपये सालाना कमा रहे हैं। जतिंद्र बरवा को कारोबार करने का शुरू से ही शौक था। जतिंद्र एमएससी करने के बाद इस उलझन में थे कि उन्हें सरकारी नौकरी करनी चाहिए या कारोबार की दुनिया में कदम रखना चाहिए। इसी दौरान उन्होंने इग्नू से फूड सेफ्टी एंड क्वालिटी मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा किया। हालांकि जतिंद्र का खेती की ओर रुझान बड़े भाई को देखकर हुआ।

बड़े भाई से मिली प्रेरणा- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जतिंद्र बताते हैं कि उन्होंने अपने बड़े भाई को खेती में सफल होते देखा था। भाई को देख जतिंद्र ने भी खेती करने के बारे में सोचा। जतिंद्र का मानना है कि नौकरी में बहुत सारे प्रतिबंध होते हैं। जबकि कारोबार काम की आजादी देता है। जतिंद्र ने अपने भाई से खेती की कुछ ट्रेनिंग ली। इसके बाद उन्होंने साल 2009 में 5 एकड़ जमीन लीज पर ली और सब्जियां उगाना शुरू कर दिया।

ऐसे आया मशरूम का ख्याल

जतिंद्र बताते हैं कि सब्जी विक्रेताओं के साथ काम करने के दौरान उन्हें मशरूम के बारे में पता चला। उन्हें पता चला कि मशरूम की मार्केट में काफी डिमांड है। इसके बाद उन्होंने मशरूम की खेती करने का प्लान बनाया। इसके लिए जतिंद्र ने एक इंस्टिट्यूट से मशरूम की खेती की ट्रेनिंग ली। उन्होंने धान के भूसे से बने मशरूम और ऑयस्टर मशरूम के बीज खरीदे और बैग को शेड में रख दिया। ऑयस्टर मशरूम को उन्होंने इसलिए चुना क्योंकि इसकी खेती पूरे साल की जा सकती है।

2000 रुपये से शुरुआत

जतिंद्र के मुताबिक उन्होंने अपने कारोबार की शुरुआत मात्र दो हजार रुपये से की थी। ये पैसे उन्होंने बीज और सब्सट्रेट (बैग आदि) पर खर्च किए थे। उन्हें शुरुआती खेती के अच्छे रिजल्ट मिले और इसे आगे बढ़ाने का फैसला किया। इसके बाद जतिंद्र ने बैंक से एक लाख रुपये का लोन लिया। लेकिन यहां उन्हें एक परेशानी आने लगी। उन्हें मशरूम के बीज खरीदने के लिए करीब 450 किमी दूर जाना पड़ता था। इससे न केवल खर्चा ज्यादा हो रहा था, बल्कि समय भी ज्यादा लग रहा था।

बिजनेस अपडेट के बाद डीमार्ट के शेयर लुढ़के, 4,000 के नीचे आया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। रिटेल चेन डीमार्ट को ऑपरेट करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स के शेयर 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,000 के नीचे आकर 3,946 प्रति शेयर पर पहुंच गए। यह गिरावट कंपनी के मार्च 2025 तिमाही के बिजनेस अपडेट के बाद आई, जो विश्लेषकों की उम्मीदों से कम रहा।

पिछले 4 साल में सबसे ज्यादा स्टोर खोले- गुरुवार को एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने मार्च तिमाही में स्टैंडअलोन ऑपरेटिंग रेवेन्यू 14,462 करोड़ बताया, जो पिछले साल की समान तिमाही के 12,393 करोड़ से 16.67 प्रतिशत अधिक है। इस तिमाही में कंपनी ने 28 नए स्टोर खोले, जो पिछले 4 साल में सबसे ज्यादा है। अब कुल स्टोर संख्या 415 हो गई है। वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने कुल 50 नए स्टोर जोड़े, जो वित्त वर्ष 24 (41 स्टोर) और वित्त वर्ष 23 (40 स्टोर) से अधिक है। यह संख्या विश्लेषकों के अनुमान (40 स्टोर) से भी बेहतर रही। कंपनी ने पहले ही अपने इन्वेस्टर्स डे में

लॉन्ग टर्म में स्टोर वृद्धि दर 10-15 प्रतिशत बनाए रखने का लक्ष्य रखा था।

उम्मीदों से कमजोर रहे नतीजे- हालांकि, दिसंबर तिमाही में कंपनी के नतीजे उम्मीदों से कमजोर रहे, क्योंकि मेट्रो शहरों में क्विक कॉमर्स (तेज ऑनलाइन डिलीवरी) की वजह से स्टोर परफॉर्मेंस प्रभावित हुई-हालांकि क्यू2एफवाय25 के मुकाबले असर कम था। एक्सिस सिक्योरिटीज ने अपनी क्ठ रिपोर्ट में कहा था कि डीमार्ट को आने वाले समय में स्टोर मेट्रिक्स सुधारने में चुनौतियां रहेंगी। इसकी 4 वजहें हैं।

प्राइसिंग प्रेशर से ग्रोथ और मार्जिन पर दबाव - विश्लेषकों का मानना है कि क्विक कॉमर्स कंपनियों (जैसे जेप्टो, ब्लिंकिट) द्वारा हाल में जुटाए गए फंड्स ने प्रतिस्पर्धा बढ़ा दी है। हालांकि डीमार्ट का वैल्यू-बेस्ड मॉडल लंबे समय में क्विक कॉमर्स के साथ चल सकता है।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 04-04-2025 22:08 Page 1

देवघर एयरपोर्ट पर खुलेगा एफटीओ

पैदा होंगे रोजगार के अवसर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने लोकसभा में गुरूवार को घोषणा किया कि देवघर एयरपोर्ट पर फ्लाइंग ट्रेनिंग आगेर्नाइजेशन खुलेगा। दरअसल सांसद डा. निशिकांत दुबे ने चार साल पहले उठाए मामले को स्मरण कराते हुए सदन में सवाल उठाया कि एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस मुनाफे में चल रही है।

देश में अलग अलग कंपनियां 1700 एयरक्राफ्ट लाने वाली है। इसी क्रम में याद दिलाया कि चार साल पहले केंद्रीय मंत्री ने देवघर एयरपोर्ट पर एफटीओ (फ्लाइंग ट्रेनिंग आगेर्नाइजेशन) खोलने की घोषणा किया था। उस दिशा में सरकार कब तक कार्य करेगी।

देवघर में कब तक एफटीओ खुलेगा। सांसद के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने अपने जवाब में सदन में कहा कि देवघर में जल्द ही एफटीओ खोला जाएगा। मंत्रालय कई शहरों में एफटीओ खोलने की योजना पर काम कर रहा है। उसी तर्ज पर देवघर में भी खोला जाएगा।

एयरक्राफ्ट के सवाल पर भी अपनी बातों को रखा। बताया जाता है कि एफटीओ (फ्लाइंग ट्रेनिंग आगेर्नाइजेशन) खुलने से पायलट प्रशिक्षण का रास्ता खुलेगा। देवघर एक बड़ा एयरपोर्ट हो रहा है। आने वाले समय में दुमका और बोकारो से सेवा आरंभ होगी।

पड़ोसी जिला भागलपुर से छोटे जहाज के उड़ान भरने की योजना पर काम आगे बढ़ रहा है। ऐसे में कुशल पायलटों की जरूरतें पूरी होगी। अधिक से अधिक संख्या में पायलटों को प्रशिक्षित किया जा सकेगा। रोजगार का सृजन होगा।

विमानन उद्योग में होने वाले फायदा की संभावनाओं को भी नहीं टाला जा सकता है। जानकारों का कहना है कि एफटीओ के खुलने से एयरलाइंस, एयरपोर्ट आपरेटर और पर्यटन उद्योग को भी लाभ मिलेगा।

प्रतिमाह 70 करोड़ की दवाएं खा रहे हैं धनबाद के लोग

बाजार में नकली दवाओं की भरमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। शहर के बीचों-बीच बेकारबांध के गुप्तेश्वर अपार्टमेंट में भारी मात्रा में नकली दवा के रैपर मिलने के बाद सनसनी फैल गयी। पुलिस प्रशासन अभी तक सरगना का उद्वेदन नहीं कर पाई है। राज्य की सबसे घनी आबादी वाला जिला धनबाद में काफी संख्या में लोग विभिन्न बीमारी से ग्रसित हैं। सूत्रों की मानें तो धनबाद में प्रति महीना 70 करोड रुपए की दवा लोग खा रहे हैं।

दवा के क्षेत्र में धनबाद बड़ा हब बन रहा है और यहीं से नकली दवाओं का कारोबार भी तेजी से फलने-फूलने लगा है। बाजारों में तीन तरह की नकली दवाएं बेची जा रही हैं। इसमें सब स्टैंडर्ड दवा, नकली दवा और प्रोपेगेंडा दवा शामिल है। ड्रग निदेशालय झारखंड में इससे पहले धनबाद समेत अन्य जिलों के औषधि निरीक्षक को नियमित सैंपलिंग करने को कहा है। लेकिन इसका पालन जिला में नहीं हो रहा है।

सब स्टैंडर्ड वह दवा है, जिसमें ब्रांड का नाम तो है लेकिन उसमें गुणवत्ता कम होती है। मसलन मरीज को दवा खाने के बाद लंबे समय के बाद आराम हो रहा है।

धनबाद में नकली दवा सबसे ज्यादा मल्टीविटामिन, एंटीबायोटिक, एंटी एलर्जिक से जुड़े उत्पाद में मिल रहे हैं। लगभग 500 से ज्यादा अलग-अलग दवा कंपनियों के नाम से नकली दवा बिक रहे हैं और दुकानदार से लेकर आनलाइन यह दावा 50 प्रतिशत डिस्काउंट में भी मिल रहा है।

यह दावा भी सब स्टैंडर्ड की तरह है। बड़े ब्रांड कंपनियों की तरह मिलते-जलती दवा को भारी डिस्काउंट में दवा दुकानदार बेच रहे हैं। पहचान मुश्किल है कि कौन ओरिजिनल और कौन प्रोपेगेंडा दवा है।

जिले में लगभग 40 करोड़ से ज्यादा दवा बीपी शुगर, खांसी और मौसमी बीमारियों से संबंधित बिक रही है। बेकारबांध में पकड़े गए नकली रेफर में भी मल्टीविटामिन के साथ

मौसमी बीमारियों से जुड़े दवा के रैपर मिले हैं। धनबाद में लगभग 200 हालसेलर की दवा दुकान है। बड़े होलेसलरों की सालाना कारोबार 50 लाख रुपए से लेकर एक करोड रुपए तक है। वहीं खुदरा दुकानदारों का कारोबार अलग है। लेकिन कौन क्या दवा बेच रहा है, इसके बारे में जांच की कोई नियंत्रण नहीं है।

जिले में लगभग 1400 से ज्यादा दवा दुकान हैं। लेकिन औषधि निरीक्षक कार्यालय का इस पर कोई नियंत्रण नहीं हो पता। जिला औषधि निरीक्षक कार्यालय में लगभग 40 कर्मचारियों की आवश्यकता है। लेकिन मात्र पांच कर्मचारियों में ही काम हो रहे हैं। टीम की जगह मात्र दो ड्रग इंस्पेक्टर हैं और इन दोनों को धनबाद के अलावा दो और जिलों के चार्ज है। सब स्टैंडर्ड नकली और प्रोपेगेंडा दवा होने की वजह से मरीज को ठीक होने में वक्त लग रहा है। ऐसे में मरीज को लगातार दवा खानी पड़ रही है। इसके साइड इफेक्ट से भी मरीज को दूसरी परेशानी शुरू हो जा रही है।

सवालों के घेरे में जैक

11वीं के परीक्षार्थियों में दिख रही मायूसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राज्य में तीन अप्रैल से ही नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है। वार्षिक परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों की अगली कक्षा की पढ़ाई शुरू हो चुकी है, लेकिन गिरिडीह सहित पूरे राज्य में 11 वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा अब तक नहीं हो पाई है। इससे विद्यार्थियों में मायूसी है।

परीक्षा नहीं होने की वजह से वे दुविधा की स्थिति में हैं। इससे पूरे झारखंड के तीन लाख से अधिक विद्यार्थी प्रभावित हो रहे हैं। समय पर परीक्षा नहीं होने से झारखंड अधिविद्य परिषद भी सवालों के घेरे में है। इसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

बता दें कि जैक की ओर से 11 वीं कक्षा की परीक्षा ली जाती है। परीक्षा के लिए विद्यार्थी फार्म भी भर चुके हैं। नियम के अनुसार, उनकी वार्षिक परीक्षा मार्च तक हो जानी चाहिए थी, ताकि नया सत्र शुरू होने के साथ ही वे 12 वीं की पढ़ाई प्रारंभ कर सकें, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार समय पर परीक्षा नहीं हो पाई है।

परीक्षा नहीं होने की वजह से केवल गिरिडीह जिले के लगभग 40 हजार विद्यार्थी परेशान हैं, जबकि पूरे राज्य में ऐसे विद्यार्थियों की संख्या तीन लाख से अधिक बताई जा रही है। परीक्षा नहीं होने से छात्रों की अगली कक्षा की पढ़ाई पर भी असर पड़ेगा।

11 वीं की परीक्षा को लेकर जैक से अब तक किसी तरह की कोई सूचना भी जारी नहीं की गई है। इससे शिक्षक भी कुछ बताने की स्थिति में नहीं हैं।

शिक्षक राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि परीक्षा को लेकर अभी कुछ कह पाना मुश्किल है, क्योंकि जैक की ओर से इस संबंध में किसी तरह की कोई सूचना जारी नहीं की है।

झारखंड मैथिली मंच से सम्मान पाकर उत्साहित हुईं छात्राएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखण्ड मैथिली मंच के तत्वावधान में पिछले सप्ताह आयोजित समारोह में एस आर डी ए वी पुंदाग के छात्राओं द्वारा गणेश वंदना एवं भाव नृत्य मनमोहक एवं आकर्षक प्रस्तुति से प्रभावित होकर बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए 4 अप्रैल को मंच के कार्यकारिणी सदस्यों ने एस आर डी ए वी पुंदाग विद्यालय जाकर संबंधित सभी छात्राओं एवं उनके निर्देशक शिक्षिकाओं को आकर्षक मोमेंटो एवं प्रमाण-पत्र भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान पाकर बच्चियाँ काफी उत्साहित हुई ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संजीत कुमार मिश्र एवं सहयोगी शिक्षक आह्लादित हुए और इस कदम की सराहना की। बच्चों ने उत्साहित होकर भविष्य में और तैयारी के साथ नृत्य आदि अनेक विद्या में आकर्षक प्रस्तुति करने की इच्छा जताई।

इस अवसर पर झारखण्ड मैथिली मंच के उपाध्यक्ष नन्द किशोर महतो, महासचिव जयन्त कुमार झा, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार मिश्र, ब्रज किशोर झा, मोहन झा पड़ोसी, ब्रज कुमार झा, नरेश झा, रंधीर झा उपस्थित थे।सम्मान पाने वालों में उत्कृष्ट निर्देशन के लिए हिमांशी झा , शिल्पा सिंह, हिमा जैन, आशा ममता कुजुर, एवं छात्राओं में, आयुषी द्विवेदी, प्रतीक्षा कुमारी, वंशिका सिंह, अंजलि कुमारी, श्रुति मिश्र, सुश्री पलक कुमारी, रूपसा रॉय वर्धन, दीपिका सिंह,पलक कुमारी, एंजेल कुमारी, अनुश्री कुमारी, कोमल कुमारी, अनीशा कुमारी, अलका कुमारी ,स्वस्ति साहु, अभिलाषा मिश्र, रक्षिता सिन्हा, पाखी क्षेत्री, अराध्या राज, रिद्धि यादव, अराध्या क्रीति, काव्या सिंह एवं नव्या तिवारी थी । अंत में प्राचार्य ने झारखण्ड मैथिली मंच के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया।

कई और हैं ईडी के रडार पर

रांची। प्रवर्तन निदेशालय की टीम झारखंड की राजधानी रांची में छापेमारी कर रही है। साथ ही कई अन्य भी इसके रडार पर हैं। शुक्रवार सुबह ईडी की टीम ने राजधानी के कई इलाकों में एक साथ छापा मारा। इस साल रांची में ईडी की यह पहली कारवाई है।

जानकारी के अनुसार, ईडी की टीमों द्वारा रांची के विभिन्न क्षेत्रों पर छापेमारी की जा रही है। छापेमारी को लेकर जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार, ईडी की टीम एदलहातू, बरियातू, लालपुर, पीपी कंपाउंड, चिरौंदी, अशोक नगर में छापेमारी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई मेडिकल इंश्योरेंस कंपनी के ठिकानों पर की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि आयुष्मान भारत घोटाले को लेकर यह कारवाई की जा रही है।

आयुष्मान योजना से जुड़ी अनियमितताओं को ईडी ने खंगाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को झारखंड में कई स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी आयुष्मान भारत से जुड़ी योजनाओं में कथित अनियमितताओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, संघीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने करीब 21 स्थानों पर छापेमारी की। जांच केंद्र सरकार की सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना में कुछ कथित अनियमितताओं से संबंधित है।

जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीमों की ओर से रांची के अलग-अलग इलाकों में छापेमारी की जा रही है। टीम एदलहातू, बरियातू, लालपुर, पीपी कंपाउंड, चिरौंदी, अशोक नगर में छापेमारी कर रही है। ज्यादातर कार्रवाई मेडिकल इंश्योरेंस कंपनी के ठिकानों पर की जा रही है।

दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) झारखंड में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना घोटाले के संबंध में आज झारखंड, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में 21 स्थानों पर पीएमएलए के तहत तलाशी ली जा रही है। ईडी के मुताबिक, छापेमारी वाले परिसर कथित धोखाधड़ी नेटवर्क में प्रमुख संदिग्धों से संबंधित हैं। इनमें सलाहकार, संबद्ध फर्मों के पूर्व अधिकारी, झारखंड राज्य आरोग्य सोसायटी (जेएसएएस) से जुड़े अधिकारी या सलाहकार, थर्ड-पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (एमडी इंडिया, सेफवे, मेडी असिस्ट जैसे टीपीए) के कर्मचारी, कार्यालय और उनके सहयोगी शामिल हैं। झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के निजी सचिव ओम प्रकाश सिंह से जुड़े परिसर पर भी छापेमारी चल रही है।

ईडी ने बताया कि ईडी की जांच से पता चलता है कि आयुष्मान भारत योजना में व्यवस्थित धोखाधड़ी के माध्यम से अपराध की आय पैदा की गई थी। इसमें अस्पताल के पैनल में हेरफेर और कमीशन या किकबैक की मांग करने वाले एक गैंग की ओर से सुगम बनाए गए फर्जी दावों की प्रक्रिया शामिल थी।

साइबर ठगों का गढ़ बना करमाटांड

- ठगों ने दिहाड़ी पर रखे हैं युवा कर्मी
- हर चौराहे पर बैठा रखा है खबरी
- स्कूली बच्चों से भी करा रहे काम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। देश-दुनिया में साइबर ठगी के लिए बदनाम जामताड़ा जिले में करमाटांड कस्बा साइबर अपराध का केंद्र है। महान समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की कर्मस्थली रहा यह इलाका अब साइबर ठगों के क्षेत्र के नाम से जाना जाने लगा है। पुलिस से बचने के लिए यहां साइबर ठगों ने हर चौराहे और गली में अपने खबरी बैठाए हैं। इतना ही नहीं, जब लोगों की जरूरत पड़ी तो ठगों ने स्कूली बच्चों को अपने गिरोह में भर्ती कर लिया। आलम यह है कि प्रशासन को दिन में अलग-अलग समय पर स्कूलों में बच्चों की हाजिरी लगाने के निर्देश देने पड़े।

जब जामताड़ा से करमाटांड की ओर चलते हैं तो रास्ते में कई मंजिला मकान दिखते हैं। इन कोठीनुमा घरों के बड़े दरवाजे बंद मिलते हैं। इस क्षेत्र के लोग बात करने से कतराते हैं, लेकिन थोड़ा तैयार होने पर हर घर की सच्चाई बता देते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि नब्बे के दशक में रेल में चोरी, जहरखुरानी और छिनैती होना इस क्षेत्र के लिए आम बात थी।

हालात यह थे कि बैगन ब्रेकिंग के नाम से यहां का रेलवे स्टेशन जाना जाता था। एक दशक पहले शुरू हुए साइबर ठगी के खेल ने एक और दाग लगा दिया है। इतना ही नहीं, कुछ अपराधी ऐसे भी पकड़े गए हैं, जिन पर पहले चोरी या लूट जैसे मुकदमे थे, लेकिन अब वे उसे छोड़ साइबर ठगी करने लगे हैं। इस इलाके से जुड़े हेठकरमांड, मट्टांड, झिलुआ, सियाटांड, पारटोल व सिंदरजोरी जैसे कई गांव साइबर ठगों के गांव के नाम से ही जाना जाने लगे हैं। कुख्यात ठग सीताराम मंडल भी करमाटांड ब्लॉक के गांव

सिंदरजोरी का ही रहने वाला है।

करमाटांड में अब तक दस से ज्यादा राज्यों की पुलिस छापे मार चुकी है। पुलिस और साइबर सेल ने जब शिकंजा कसा तो ठगों ने अपने सुरक्षा नेटवर्क को भी मजबूत बना लिया। यहां के लोग बताते हैं कि इन ठगों ने हर चौराहे पर बेरोजगारों या बुजुर्ग लोगों को बैठा रखा है। कुछ पैसे और मोबाइल रिचार्ज में ये लोग मुखबिरी करते हैं। जैसे ही पुलिस कस्बे में घुसती है तो यहे लोग साइबर ठगों को सतर्क कर देते हैं। कुछ चायवाले और नाई की दुकान वाले भी इसमें शामिल हैं। इतना ही नहीं, साइबर ठगों ने अपने घर के साथ-साथ पूरी गली में सीसीटीवी लगा रखे हैं। बड़े साइबर ठगों ने दिहाड़ी पर भी युवक रखे हैं। उन्हें रोजाना के 800 या 1,000 रुपये देते हैं और अपनी ओर से मोबाइल डाटा उपलब्ध कराते हैं। पकड़े जाने पर जेल यही युवा जाते हैं और असली ठेकेदार बच निकलता है।

साइबर ठगों ने गैंग बढ़ाने के लिए अलग तरीका अपनाया। ठग विशाल मंडल जब पुलिस के हत्थे चढ़ा तो उसने बताया कि स्कूली बच्चों को ट्रेंड करके उनसे साइबर ठगी करवाते हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले निर्धन परिवारों के बच्चों को पैसा कमाने का लालच देकर साइबर ठगी कराई जाती है। रकम का बड़ा हिस्सा असली ठग के हिस्से में आता और कुछ स्कूली बच्चों में बांट दिया जाता है।

पैसा आने पर बच्चों के परिजनों ने भी कोई आपत्ति नहीं जताई। पकड़े जाने पर नाबालिग होने का फायदा मिलता। इसका सारा खर्चा भी मास्टरमाइंड ही उठाता है। बचाव में स्कूल में रजिस्टर में लगी हाजिरी को स्कूल में होने का सुबूत देकर पेश किया जाता। बच्चे सुबह हाजिरी लगाने के बाद स्कूल की दीवार फांद जंगल में साइबर ठगी करते हैं।

झारखंड के जामताड़ा जैसी जगह साइबर ठगी के केंद्र में यूं ही नहीं है। यहां बच्चों में थोड़ी समझ पैदा होते ही साइबर ठगी के गुर घरवाले ही सिखाने लगते हैं। स्कूली बच्चों से स्कूल छुड़वाकर बाकायदा ट्रेनिंग देते हैं। बच्चों को भी इस खेल का चस्का लगता है और वह जरायम की इस काली दुनिया में उतर जाते हैं।

समय से पहले आने पर ट्रेन को मिली सजा

25 मिनट लेट खोली गयी कोलकाता-मदार साप्ताहिक एक्सप्रेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। समय से पहले चलने के कारण ट्रेन को सजा दे दी गई जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ा। वाकया गुरुवार का है। 19607 कोलकाता-मदार साप्ताहिक एक्सप्रेस दिन में 11:25 पर खुली और समय से पहले धनबाद पहुंच गई। धनबाद आगमन का निर्धारित समय शाम 5:15 है जबकि ट्रेन 4:51 पर ही आ गई। ट्रेन का समय से पहले आना रेलवे को नागवार गुजरा।

शाम 5:20 पर ट्रेन का प्रस्थान समय होने के बाद भी हरी झंडी नहीं दिखाई गई। 54 मिनट तक ट्रेन के पहिए धनबाद स्टेशन पर थमे रहे। बाद में निर्धारित समय से 25 मिनट विलंब से शाम 5:45 पर रवाना की गई।

यात्री ने पूछा 70 मिनट क्यों रोकी ट्रेन, रेलवे बोली समय से पहले आने के कारण

कोलकाता-मदार एक्सप्रेस के धनबाद स्टेशन पर काफी देर तक रुके रहने को लेकर रेलवे के एक्स हैंडल पर यात्री ने शिकायत दर्ज कराई। पूछा कि ट्रेन धनबाद स्टेशन पर 70 मिनट क्यों रोकी गई। रेलवे का जवाब हैरान करने वाला था। कहा गया कि ट्रेन समय से पहले

आ गई है जिस वजह से रोकी गई।

इधर दूसरी ओर भुवनेश्वर से धनबाद आनेवाली स्पेशल ट्रेन गुरुवार को पांच घंटे 15 मिनट लेट होने से सुबह के बदले शाम में आई। बुधवार को भी तीन घंटे 15 मिनट लेट से दोपहर सवा दो बजे पहुंची थी। अलेप्पी-धनबाद एक्सप्रेस भी लगभग चार घंटे विलंब से कतरास तथा लगभग तीन घंटे विलंब से धनबाद पहुंची।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 01_2025-26, दिनांक 04.04.2025, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक (इंजी.), गति शक्ति इकाई, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/ सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण :** लेवल क्रॉसिंग को हटाने के संबंध में पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के तहत एलसी के स्थान में आरओबी/आरयूबी की व्यवहार्यता अध्ययन, मिट्टी की जाँच, विस्तृत सर्वे का संचालन एवं विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जमा करना। **अनुमानित मूल्य :** रु. 2,06,15,924.72, **बयाना राशि:** रु. 2,53,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** 0.00, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 06 (छह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 28.04.2025 को 12.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-06/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

हावड़ा-लालकुआं एक्सप्रेस के बढ़ेंगे फेरे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद होकर प्रत्येक शुक्रवार को चलने वाली हावड़ा-लालकुआं एक्सप्रेस का फेरा बढ़ाने की तैयारी है। साप्ताहिक ट्रेन को सप्ताह में दो या तीन दिन चलाया जा सकता है। इससे उत्तराखंड की वादियों में बसे नैनीताल तक पहुंचने की राह और आसान हो सकेगी।

इसके साथ ही हावड़ा से नई दिल्ली के बीच चलने वाली पूर्वा एक्सप्रेस के बीकानेर तक विस्तार को भी मुहर लगने की उम्मीद है। पुरी से बोकारो व गोमो होकर चलने वाली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को हिसार तक विस्तार मिल सकता है। 10 से 12 अप्रैल तक इंडियन रेलवे टाइम टेबल कांफ्रेंस (आइआटीटीसी-2025) का आयोजन जयपुर में होगा।

सभी जोन के परिचालन विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में होनेवाली बैठक में तैयारियों पर चर्चा होगी। मार्ग विस्तार तथा फेरे बढ़ाने पर मुहर लगने के बाद

रेलवे बोर्ड को विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाएगी। बोर्ड स्तर पर समीक्षा के बाद उन्हें लागू किया जाएगा।

हावड़ा से नई दिल्ली के बीच चलने वाली पूर्वा एक्सप्रेस के बीकानेर तक का संभावित टाइम टेबल भी निर्धारित है। हावड़ा से नई दिल्ली तक मौजूदा समय पर पहुंचने के बाद नई दिल्ली से बीकानेर शाम शाम 4:20 पर पहुंचेगी। वापसी में बीकानेर से सुबह 9:30 पर रवाना होगी। शाम में दिल्ली और अगले दिन हावड़ा पहुंचेगी। धनबाद की सबसे लोकप्रिय ट्रेन अलेप्पी एक्सप्रेस के केरल के कोचुवेली तक विस्तार भी प्रस्तावित है। अलेप्पी से कोचुवेली तक दोनों ओर से संभावित टाइम टेबल भी निर्धारित है। आइआटीटीसी-2025 में इस पर भी मुहर लग सकती है।

धनबाद से टाटा जानेवाले यात्रियों की परेशानी बढ़ने वाली है। रेलवे ने अलग-अलग दिनों में स्वर्णरेखा एक्सप्रेस को आद्रा तक चलाने की घोषणा कर दी है। धनबाद-टाटा स्वर्णरेखा एक्सप्रेस 10, 17 व 24 अप्रैल तथा एक मई को टाटा के बदले आद्रा तक जाएगी।

वापसी में टाटा के बदले आद्रा से धनबाद लौटेगी। आद्रा से टाटा के बीच ट्रेन दोनों ओर से रद रहेगी। दूसरी ओर, टाटा-बरकाकाना पैसेंजर छह, 13, 20 व 27 अप्रैल को दोनों ओर से रद रहेगी। धनबाद व गोमो होकर शुक्रवार को दिल्ली की दो स्पेशल ट्रेन चलेंगी। 03011 हावड़ा-आनंदविहार स्पेशल हावड़ा से शाम 5:40 पर प्रस्थान पर देर रात 12:20 पर धनबाद तथा अगले दिन रात 10:30 पर आनंदविहार पहुंचेगी। इसके बाद शनिवार को भी हावड़ा से आनंदविहार के लिए स्पेशल ट्रेन चलेगी।

गोमो होकर चलने वाली 02819 स्पेशल ट्रेन रांची से दोपहर दो बजे रवाना होकर शाम 6:05 पर गोमो तथा अगले दिन शाम छह बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। रांची से नई दिल्ली के बीच चलने वाली स्लीपर स्पेशल ट्रेन में पांच सौ से अधिक सीटें उपलब्ध हैं।

30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ दारोगा धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) रांची की टीम ने नामकुम थाने के दारोगा चंद्रदीप प्रसाद को शुक्रवार को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। वह दहेज प्रताड़ना के एक केस को मैनेज करने के नाम पर यह राशि ले रहा था।

शिकायतकर्ता आशीष कुमार यादव हैं। उन्होंने एसीबी में इससे संबंधित शिकायत की थी। इस मामले में एसीबी ने तीन अप्रैल को प्राथमिकी दर्ज करने के बाद पूरे मामले का सत्यापन किया था। सत्यापन में मामला सत्य पाए जाने के बाद एसीबी ने शुक्रवार को जाल बिछाया और उसे गिरफ्तार किया।

शिकायतकर्ता आशीष कुमार यादव मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बलिया स्थित शिवपुर के निवासी हैं। ने नामकुम क्षेत्र में रहते हैं।

उन्होंने एसीबी में लिखित शिकायत की थी कि 18 नवंबर 2023 को बलिया के आमघाट निवासी नंदजी यादव ने उनके और उनके माता-पिता के विरुद्ध नामकुम थाने में उनके विरुद्ध दहेज प्रताड़ना और धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

नंदजी यादव की पुत्री का उनसे छेका हुआ था, लेकिन निजी कारणों से छेका टूट गया था और पंचों के माध्यम से सभी सामान का अदान-प्रदान भी हो गया था। इसके बावजूद उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करा दी थी।

उक्त केस के अनुसंधानकर्ता नामकुम थाने के दारोगा चंद्रदीप प्रसाद थे। इस केस में आरोपित पक्ष आशीष कुमार यादव और उनके परिवार के लोगों ने सिविल कोर्ट से जमानत भी ले लिया था। इसके बाद दारोगा चंद्रदीप प्रसाद केस मैनेज करने के नाम पर उनसे एक लाख रुपये की मांग कर रहे थे। एसीबी ने आशीष कुमार यादव की शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें आरोपों को सही पाया। इसके बाद पहली किस्त के रूप में 30 हजार रुपये रिश्वत लेते दारोगा चंद्रदीप प्रसाद को गिरफ्तार किया गया।

आईपीएल में इस दशक में सबसे ज्यादा शतक जोस बटलर के नाम

आईपीएल 2025: इस नंबर पर हैं गिल, राहुल और कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का कारवां आगे बढ़ रहा है और एक से बढ़कर एक रोमांचक मुकाबले क्रिकेट फैंस को देखने को मिल रहे हैं। वैसे इस सीजन में 14 मैच खत्म होने तक सिर्फ एक शतक लगा है जो केकेआर के बल्लेबाज इशान किशन ने लगाया है। वैसे इस सीजन में और भी शतक देखने को मिलेंगे, लेकिन इस दशक में यानी साल 2020 से अब तक आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर की बात की जाए तो इसमें पहले नंबर पर जोस बटलर हैं। जोस बटलर इस सीजन में आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे हैं और उन्होंने अपनी टीम के लिए सीजन के तीसरे मैच में आरसीबी खिलाफ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली थी और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। जोस बटलर आईपीएल के कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं और वो विकेटकीपिंग भी करते हैं। बटलर का आईपीएल में रिकॉर्ड भी काफी अच्छा रहा है। आईपीएल में वैसे तो सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड विराट कोहली (8 शतक) के नाम पर दर्ज है और उसके बाद दूसरे नंबर पर जोस बटलर हैं जिन्होंने अब तक 7 शतक लगाए हैं, लेकिन इस दशक में यानी साल 2020 से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर की लिस्ट में बटलर पहले नंबर पर हैं। बटलर ने आईपीएल में अपने सारे शतक इस दशक में यानी साल 2020 से लगाए हैं।

इस दशक में बलटर ने अब तक आईपीएल की 64 पारियों में सबसे ज्यादा 7 शतक लगाए हैं जबकि इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर शुभमन गिल हैं जिन्होंने 79 पारियों मे 4 शतक ठोके हैं। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर संयुक्त रूप से केएल राहुल और विराट कोहली मौजूद हैं। कोहली ने इस दशक में आईपीएल में 78 पारियों में 3 शतक जबकि केएल राहुल ने 66 पारियों में कुल 3 शतक जड़े हैं।

दशक में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले

- 7 - जोस बटलर (64 पारी)
- 4 - शुभमन गिल (79 पारी)
- 3 - केएल राहुल (66 पारी)
- 3 - विराट कोहली (78 पारी)

200 विकेट लेकर सुनील नरेन ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुवार रात आईपीएल में खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 80 रनों से हराया. मुकाबले में एक विकेट लेकर केकेआर गेंदबाज सुनील नरेन ने इतिहास रचा. उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए 200 विकेट पूरे कर एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया है. वह दुनिया के दूसरे ही गेंदबाज हैं, जिन्होंने लीग क्रिकेट में किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए 200 विकेट लिए हैं.201 रनों का पीछा करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम 120 रनों पर ढेर हो गई. वैभव अरोड़ा ने ट्रेविस हेड (4), ईशान किशन (2) के रूप में 2 विकेट जल्दी गिरा दिए. अभिषक शर्मा भी 2 रन बनाकर हर्षित राणा का शिकार बने. टीम ने टॉप 3 बल्लेबाजों के विकेट सिर्फ 9 रन पर गंवा दिए थे. अपनी धाकड़ बल्लेबाजी के लिए जानी जाने वाली टीम का गुरुवार को केकेआर ने बुरा हाल किया. इस मैच में स्पिनर सुनील नरेन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया.सुनील नरेन ने 10वें ओवर की तीसरी गेंद पर इस मैच में अपना एकमात्र विकेट कामिन्दु मेंडिस के रूप में लिया. मेंडिस ने 20 गेंदों में 27 रन बनाए. इस विकेट के साथ सुनील नरेन ने केकेआर फ्रेंचाइजी के लिए 200 विकेट पूरे कर लिए हैं. सुनील नरेन ने आईपीएल में केकेआर के लिए 182 पूरे किए हैं. उनके नाम इसी फ्रेंचाइजी के लिए चैंपियंस लीग टी20 में 18 विकेट हैं. सुनील नरेन वर्ल्ड क्रिकेट में दूसरे ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने किसी एक फ्रेंचाइजी टीम के लिए 200 विकेट लिए हैं. उनसे पहले से पटेल ने ऐसा किया है. नॉटिंघमशायर टीम के लिए उन्होंने 208 विकेट लिए हैं. कोलकाता नाइट राइडर्स इस शानदार जीत के बाद अंक तालिका में 5वें नंबर पर आ गई है जबकि इससे पहले वो सबसे नीचे (10वें) थी.

हैदराबाद के जानी दुश्मन है अय्यर

इन 5 स्लॉग ओवर्स में लगा दी लंका, जब-जब खेले तब-तब बजाया बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोलकाता नाइटराडर्स के बीच 3 अप्रैल को हुए मुकाबले में 15 ओवर का खेल हो चुका था. चयक्रके वेंकटेश अय्यर 10 गेंदों पर 11 तो रिंकू सिंह 8 गेंदों पर 6 रन बनाकर खेल रहे थे. कोलकाता की टीम का स्कोर हुआ था 122/4.

इस स्कोर के बाद ही वेंकटेश अय्यर और रिंकू सिंह ने ऐसा मोर्चा संभाला कि कोलकाता ने 20 ओवर्स में पूरे 200 रन बना डाले. इस मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच भले ही चयक्र के वैभव अरोड़ा रहे, पर कोलकाता के लिए मैच बनाने का काम प्रमुख तौर पर वेंकटेश अय्यर ने किया. वरना एक समय कोलकाता के लिए 200 का स्कोर दूर के ढोल की तरह था. वहीं आखिरी के 5 ओवर्स में बल्ले से अय्यर और रिंकू ने तबाही मचा दी. कोलकाता की पारी का 16वां ओवर एसआरएच के पेसर मोहम्मद शमी करने आए. इस ओवर में अय्यर और रिंकू ने मिलकर 12 रन बनाए. फिर 17वें ओवर हर्षल पटेल के हाथ में था , यहां 15 रन आए. 18वें ओवर में सिमरतजीत सिंह अय्यर और रिंकू के सामने पड़े तो फिर 17 रन आए. जब सभी गेंदबाज स्लॉग ओवर में पिट रहे थे तो 19 ओवर खुद कप्तान कमिंस लेकर आए. लेकिन कमिंस की रिंकू और अय्यर ने ऐसी खातिरदारी की उनके ओवर मं 21 रन कूट दिए. 20वां ओवर हर्षल पटेल ने फेंका, जहां कुल 13 रन आए. इस ओवर में तीसरी गेंद पर 29 गेंदों पर 60 रन की पारी खेलने के बाद वेंकटेश अय्यर आउट तो हो गए, लेकिन वो तब तक अपना काम कर चुके थे. अय्यर से पहले अंगकृष रघुवंशी ने 32 रनों पर 50 रनों की पारी खेली. वहीं कोलकाता की ओर कप्तान अजिक्य रहाणे ने 38 तो रिंकू सिंह (32 नाबाद) ने भी सधी पारियां खेलीं. इस वजह से कोलकाता ने निर्धारित 20 ओवर्स में 200/6 का स्कोर बनाया. बाद में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम वैभव अरोड़ा के नेतृत्व में इस तरह सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पर टूटी कि उनको संभलने का मौका ही नहीं मिला. को मुकाबले में 80 रनों से हार मिली, जो उसकी रनों के लिहाज से आईपीएल में सबसे बड़ी हार रही. वहीं एसआरएच की इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार रही, वो केवल अपना पहला मुकाबला ही जीत सकी थी.

हितेश ने रचा इतिहास, जदुमनी, सचिन और विशाल को बॉन्ज से करना पड़ा संतोष

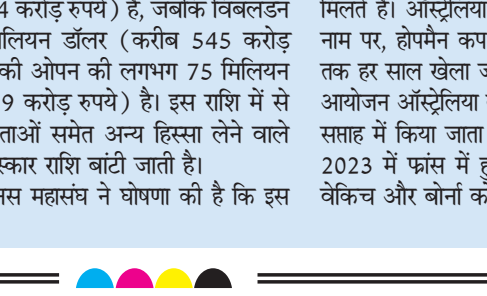

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील में हो रहे वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2025 के फाइनल में पहुंचकर भारत के बॉक्सर हितेश ने शुक्रवार (4 अप्रैल) को इतिहास रच दिया। वह वर्ल्ड बॉक्सिंग कप का खिताबी मुकाबला खेलने वाले पहले भारतीय होंगे। उनके अलावा भारत के 3 अन्य मुक्केबाज जदुमनी सिंह,सचिन और विशाल को सेमीफाइनल में हार मिली। तीनों को बॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। हितेश ने 70 किलोग्राम कैटेगरी फ्रांस के मकान त्राओरे को 5-0 से हराया। इससे पहले हितेश ने इटली के गैब्रिएल गुइडी रोनटानी को 5-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल के अन्य मुकाबलों की बात करें तो 60 किलोग्राम कैटेगरी में जदुमनी सिंह को उजबेकिस्तान के ए.जलिलोव ने 2-3 से हराया। वह ब्रिटेन के एलिस ट्रोब्रिज को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे थे। शुरुआती दौर में बाई मिलने के कारण सचिन (60 किग्रा) और विशाल (90 किग्रा) सीधे सेमीफाइनल में उतरे। सचिन को पोलैंड के पवेल ब्राच से हार का सामना करना पड़ा। विशाल को उजबेकिस्तान के टी. खबीबुल्लाएव ने 0-5 से हराया।

आईपीएल 2025

पंजाब और राजस्थान के मुकाबले में जायसवाल की फॉर्म पर रहेगी नजर

मुल्लांपुर, एजेंसी ।राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने नियमित कप्तान संजू सैमसन की अगुवाई में पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग का मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरेगी तो सभी की निगाह खराब फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल पर टिकी रहेगी जो मैदान के बाहर की घटनाओं के बजाय अपने प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरना चाहेंगे। जायसवाल हाल में तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने मुंबई की टीम के अपने एक सीनियर साथी के साथ कथित मतभेदों के कारण घरेलू क्रिकेट में गोवा की तरफ से खेलने का फैसला किया। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज आईपीएल में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया है। उन्होंने दिन मैच में केवल 34 रन बनाए हैं जिसका उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स पर काफी प्रभाव पड़ रहा है। जायसवाल की खराब फॉर्म का एक कारण उनका मैच अभ्यास की कमी है क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ फरवरी में वनडे क्रिकेट में पदार्पण के बाद वह आईपीएल से पहले किसी प्रतिस्पर्धी मैच में नहीं खेले थे। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से भी बाहर कर दिया गया था। सैमसन की उंगली में चोट के कारण राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को पहले तीन मैच के लिए कप्तान नियुक्त किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि जायसवाल को यह फैसला नागवार गुजरा या नहीं। लेकिन यह बात किसी से छुपी नहीं है कि जायसवाल आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में बड़ी भूमिका निभाना चाहते हैं लेकिन अभी उन्हें अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना होगा क्योंकि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में फॉर्म बद से बदतर होने में देर नहीं लगती। रियान पराग की कप्तानी में नेतृत्व कौशल की अनुभवहीनता स्पष्ट नजर आई लेकिन इस बीच उसकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया जिससे उसके खिलाड़ी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे। रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर होंगे जिन्होंने लगातार दो अर्धशतक जमा कर अपनी शानदार फॉर्म का परिचय दिया है। वह लंबे शॉट खेलने से नहीं हिचकिचा रहे हैं। इसका सबूत यह है कि उन्होंने अभी तक केवल दो मैच में 13 छक्के लगाए हैं।

आईपीएल के लिए हनीमून किया कैंसिल, बलिदान नहीं गया बेकार, एसआरएच के लिए डेब्यू में उगली आग

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के प्रतिभावान खिलाड़ी कामिंदु मेंडिस ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए अपना आईपीएल डेब्यू किया. उन्होंने अपने डेब्यू मैच में एक विकेट भी लिया. तारीख 3 अप्रैल, गुरुवार का दिन जब कामिंदु मेंडिस ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए अपना आईपीएल डेब्यू किया. श्रीलंका का यह प्रतिभाशाली गेंदबाज दोनों हाथों से बॉलिंग करता है, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया. उनके बैट से 27 रनों की पारी निकली और उन्होंने अपने डेब्यू मैच में एक विकेट भी लिया. मगर मेंडिस एक अन्य कारण से भी चर्चा में आ गए हैं क्योंकि अपने आईपीएल डेब्यू की वजह से उन्होंने अपने हनीमून तक का त्याग कर दिया.अभी कुछ दिन पहले ही मार्च 2025 में कामिंदु मेंडिस ने अपनी लॉन्ग-टाइम गर्लफ्रेंड निशनी से शादी रचाई है. दोनों का रिश्ता लंबे समय से चर्चा में रहा है और उन्होंने पिछले साल अप्रैल में सगाई कर ली थी. जब शादी हुई तब मेंडिस ने एक कार्ड पर खूबसूरत संदेश लिख कर बताया था कि वो अपनी सोलमेट से शादी कर रहे हैं और निशनी से बहुत प्यार करते हैं. खैर शादी के कुछ समय बाद अब विख्यात वेडिंग प्लानर पथुम गुनावर्दना ने मेंडिस के हनीमून के कैंसिल होने की जानकारी दी है.पथुम गुनावर्दना ने कामिंदु मेंडिस के हनीमून प्लान की जानकारी देकर बताया कि कामिंदु मेंडिस और निशनी श्रीलंका में ही हापुताले नाम की जगह पर हनीमून मनाने गए थे. उन्होंने विदेश का ट्रिप इसलिए प्लान नहीं किया क्योंकि कामिंदु मेंडिस को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए डेब्यू करना था. हनीमून के बजाय आईपीएल को तवज्जो देना दिखाता है कि इस श्रीलंकाई खिलाड़ी को क्रिकेट से कितना प्यार है.

क्या बढ़ेगी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि, शीर्ष खिलाड़ियों ने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन की कुल पुरस्कार राशि करीब 58 मिलियन डॉलर है, जबकि विंबलडन की करीब 64 मिलियन डॉलर और अमेरिकी ओपन की लगभग 75 मिलियन डॉलर है।नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, अरिना सबालेंका और कोको गॉफ जैसे 20 प्रमुख टेनिस खिलाड़ियों ने चारो ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि बढ़ाने की मांग की है। इतना ही नहीं, इन दिग्गज और स्टार टेनिस खिलाड़ियों ने उन्हें प्रभावित करने वाले फैसलों में उनकी बात को अधिक तवज्जो देने की मांग की है। इन स्टार्स ने इस संबंध में चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के प्रमुखों को पत्र लिखा है। यह पत्र 21 मार्च को लिखा गया था।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के प्रमुख क्रेग टिली हैं, जबकि फ्रेंच ओपन के प्रमुख स्टीफन मोरेल, विंबलडन के प्रमुख सैली बोल्टन और अमेरिकी ओपन के प्रमुख ल्यू शेर हैं। इन सभी को संबोधित करते हुए खिलाड़ियों ने पत्र में इस महीने होने वाले मैड्रिड ओपन के दौरान अपने प्रतिनिधियों और चारों ग्रैंड स्लैम के प्रमुखों के बीच बैठक करने का भी अनुरोध किया है।

इस पत्र में पुरुष रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर हैं, जबकि महिला वर्ग में शीर्ष-11 खिलाड़ियों में से केवल एलिना रयबाकिना के इस पर हस्ताक्षर नहीं हैं। अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन की कुल पुरस्कार राशि करीब 58 मिलियन डॉलर (करीब 494 करोड़ रुपये) है, जबकि विंबलडन की करीब 64 मिलियन डॉलर (करीब 545 करोड़ रुपये) और अमेरिकी ओपन की लगभग 75 मिलियन डॉलर (करीब 639 करोड़ रुपये) है। इस राशि में से विजेताओं-उपविजेताओं समेत अन्य हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि बांटी जाती है।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने घोषणा की है कि इस साल का होपमैन कप इटली के दक्षिणी शहर बारी में खेला जाएगा। इस मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इटली, फ्रांस, स्पेन, यूनान, कनाडा और मौजूदा चैंपियन क्रोएशिया की टीमें हिस्सा लेंगी। इसका आयोजन विंबलडन के एक सप्ताह बाद 16 से 20 जुलाई तक किया जाएगा। होपमैन कप के लिए टीमों में एक पुरुष और एक महिला खिलाड़ी शामिल होते हैं। इसके एक मुकाबले में एक पुरुष एकल मैच, एक महिला एकल मैच और एक मिश्रित युगल मैच शामिल होता है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक नहीं मिलते हैं। ऑस्ट्रेलिया के महान खिलाड़ी हैरी होपमैन के नाम पर, होपमैन कप 1989 में शुरू हुआ और 2020 तक हर साल खेला जाता था। पहले 30 वर्ष तक इसका आयोजन ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर में टेनिस सत्र के पहले सप्ताह में किया जाता था। आखिरी बार इसका आयोजन 2023 में फ्रांस में हुआ था जिसमें क्रोएशिया के डोना वेकिच और बोर्ना कोरिच चैंपियन बने थे।

संक्षिप्त समाचार

वक्फ विधेयक को ''बहुत जल्द'' उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी कांग्रेस

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' की संवैधानिकता को ''बहुत जल्द'' उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। राज्यसभा ने वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता बढ़ाने सहित कई महत्वपूर्ण प्रावधानों वाले 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। इसी के साथ संसद में यह विधेयक पारित हो गया। लोकसभा ने बुधवार देर रात करीब दो बजे इस विधेयक को पारित कर दिया था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' 'कांग्रेस वक्फ (संशोधन) विधेयक की संवैधानिकता को उच्चतम न्यायालय में बहुत जल्द चुनौती देगी।'' उन्होंने कहा, ''...हम भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों, प्रावधानों और परंपराओं पर मोदी सरकार के सभी हमलों का विरोध करते रहेंगे।'' रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने 'नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) 2019' को चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है। उन्होंने कहा कि 'आरटीआई (सूचना का अधिकार) अधिनियम, 2005' में 2019 के संशोधनों को भी कांग्रेस ने चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है। कांग्रेस नेता ने कहा, '' 'निर्वाचन का संचालन नियम (2024)' में संशोधनों की वैधता को कांग्रेस ने चुनौती दी और उसकी उच्चतम न्यायालय में सुनवाई हो रही है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, '' 'उपासना स्थल अधिनियम, 1991' की मूल भावना को बनाए रखने संबंधी कांग्रेस की याचिका पर उच्चतम न्यायलय में सुनवाई की जा रही है।

विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी भाजपा, अमित शाह करेंगे बिहार, बंगाल और तमिलनाडु का दौरा

नईदिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए इस महीने बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु की यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा के बाद भी वे कई बार वहां जाएंगे, क्योंकि भाजपा बिहार में अपने सहयोगियों के साथ सत्ता बरकरार रखना चाहती है और दो अन्य राज्यों में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। सूत्रों ने बताया कि शाह इन राज्यों में चुनाव तक लगभग हर महीने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संगठनात्मक बैठकें आयोजित करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके 14 और 15 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में तथा 30 अप्रैल को बिहार में रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

डीएनए रिपोर्ट पिता तय कर सकती है, सहमति का अभाव नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के दोषी को किया बरी

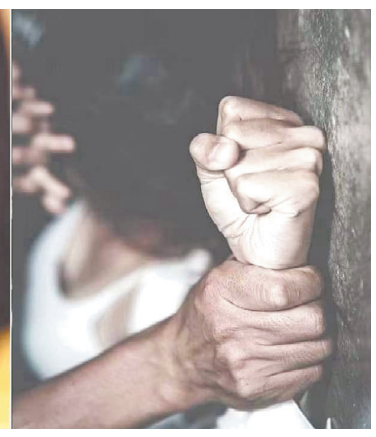

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में एक अहम फैसला देते हुए 10 साल जेल की सजा पाने वाले दोषी को बरी कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि डीएनए टेस्ट रिपोर्ट से केवल पितृत्व साबित होता है, सहमति का अभाव साबित नहीं होता।

जस्टिस अमित महाजन ने कहा कि डीएनए रिपोर्ट से भले ही यह साबित हो गया कि महिला की कोख से जन्मे बच्चे का जैविक पिता आरोपी ही है, लेकिन अकेले गर्भावस्था दुष्कर्म का अपराध सिद्ध करने के लिए काफी नहीं है, जब तक कि यह भी न साबित किया जाए कि संबंध सहमति के बिना बनाया गया था।

हाईकोर्ट ने 20 मार्च को सुनाए गए अपने फैसले में कहा, डीएनए रिपोर्ट केवल पितृत्व को साबित करती है- यह सहमति के अभाव को न तो सिद्ध नहीं करती है और ना ही कर सकती है। यह एक स्थापित कानून है कि आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) के तहत अपराध की सिद्धि सहमति के अभाव पर निर्भर करती है। फैसले में कहा गया कि घटना से जुड़ी परिस्थितियों ने अभियोजन पक्ष के मामले को 'अत्यधिक असंभव' बना दिया है।

जस्टिस महाजन ने फैसले में इस संभावना से भी इनकार नहीं किया कि बिना किसी स्पष्टीकरण के देरी से दर्ज कराई गई एफआईआर 'सामाजिक दबाव का नतीजा' हो सकती है।

उन्होंने कहा, इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि आरोप सहमति से बने संबंध को बलात्कार के रूप में स्थापित करने के लिए लगाए गए थे, ताकि आरोप लगाने वाली महिला और उसके परिवार को समाज के तानों का सामना न करना पड़े।

जस्टिस महाजन ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, कानून बेशक केवल चुप्पी को सहमति नहीं मानता, लेकिन यह उचित संदेह से परे सबूतों के अभाव में दोषी भी नहीं ठहराता। इस मामले में संदेह बना हुआ है - अटकलों के कारण नहीं, बल्कि सबूत के अभाव के कारण। हाईकोर्ट ने कहा कि मुकदमे के दौरान न सिर्फ महिला के बयानों में विरोधाभास पाया गया, बल्कि दुष्कर्म की पुष्टि करने के लिए मेडिकल और फोरेंसिक सबूत भी नहीं मिले।

दिल्ली के शाहीनबाग में उड़ाए जा रहे ड्रोन, जामिया नगर से जामा मस्जिद तक पुलिस ही पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधित विधेयक पास होने के बाद दिल्ली में पुलिस अलर्ट पर है। विरोध प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली के शाहीनबाग में जहां ड्रोन से निगरानी की जा रही है तो जामिया नगर से जामा मस्जिद तक मुस्लिम बहुल इलाकों में पुलिस ही पुलिस नजर आ रही है। बिल पास होने के बाद पहला जुमा होने की वजह से मस्जिदों के आसपास भी निगरानी बढ़ी दिखी। दिल्ली पुलिस के अलावा रैपिड ऐक्शन फोर्स ने भी अलग-अलग इलाकों में फ्लैग मार्च किया। गलियों और बाजारों से एक साथ सैकड़ों सुरक्षाकर्मी यह संदेश देते हुए निकले कि गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करने वालों पर सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। जामिया नगर, जामा मस्जिद, मुस्तफाबाद, जहांगीरपुरी समेत कई इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी नजर आए। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी अलर्ट मोड पर हैं। कंट्रोल रूम से हर इलाके की निगरानी की जा रही है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के बाहर किसी तरह के प्रदर्शन या उपद्रव की स्थिति से निपटने के लिए सीआरपीएफ की टुकड़ियों को तैनात किया गया। विश्वविद्यालय के गेट संख्या 7 के पास काफी संख्या में सीआरपीएफकर्मी तैनात दिखाई दिए। इसके अलावा पुलिस वैन इत्यादि के साथ कुछ पुलिसकर्मी भी तैनात दिखे। यहां किसी भी तरह के प्रदर्शन, विरोध या असामान्य तरह की स्थिति देखने को नहीं मिली। उपद्रव से निपटने के इंतजाम किए गए। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस के दौरान राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में खामोशी छाई रही। वहीं, कुछ स्थानों पर अलग-अलग संगठनों ने मिठाई बांटकर खुशी भी जताई। इस बीच, संवेदनशील इलाकों में सुबह से सुरक्षाबल मुस्तैद नजर आए। सुरक्षाबलों ने शाम को फ्लैग मार्च कर लोगों को सुरक्षा का अहसास कराया। सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रखी गई। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने वक्फ बिल के विरोध में दिल्ली से आंदोलन की शुरुआत करने का ऐलान किया है। एआईएमआईएम के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने शाहीनबाग की ओर इशारा करते हुए कहा था कि आंदोलन की शुरुआत वहीं से होगी जहां खत्म हुई थी। बता दें कि संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ शाहीनबाग में महिलाएं लंबे समय तक धरने पर बैठी रही थीं।

दिल्ली में जल्द पेपर और फेसलेस की मिलेगी सुविधा

रेखा गुप्ता सरकार बना रही प्लान; आपको क्या होगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार अगले कुछ महीनों में संपत्तियों की सेल डीड के रजिस्ट्रेशन को पेपर और फेसलेस बना सकती है। नए सिस्टम में अधिकारियों और नागरिकों दोनों के लिए सभी निषिद्ध संपत्तियों की सूची भी उपलब्ध होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन्हें धोखाधड़ी से बेचा न जाए और इनके सेल डीड पंजीकरण को रोका जा सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) आशीष चंद्र वर्मा ने गुरुवार को सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक की, जिसमें शहर के नागरिकों के लिए संपत्तियों की सेल डीड के पंजीकरण को सुविधाजनक और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के तरीकों पर चर्चा की गई। वर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग ने प्रक्रियाओं को मैप करने और सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए संभावित समाधान सुझाने के लिए डेलॉइट को सलाहकार के तौर पर शामिल किया है। पोर्टल में नागरिकों के लिए एक ड्रॉप-डाउन मॉड्यूल भी होगा, जिससे वे निषिद्ध संपत्तियों - विवादित, शत्रु, ग्राम सभा भूमि और वक्फ के अलावा अवैध निर्माण के लिए नागरिक एजेंसियों द्वारा बुक की गई संपत्तियां को आसानी से ढूंढ सकेंगे। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, वर्मा ने कहा, हम चाहते हैं कि सिस्टम पूरी तरह से फेसलेस हो और इसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप न हो। इसके लिए हमें तकनीकी बदलाव और कियोस्क स्थापित करने होंगे। जहां लोग जाकर पंजीकरण करा सकें और दस्तावेज अपलोड कर सकें। वर्मा ने कहा कि यह परियोजना नई सरकार की प्राथमिकता है और इसे इसी साल पूरा कर लिया जाएगा। दिल्ली ने सब-रजिस्ट्रारों द्वारा सेल डीड, पावर ऑफ अटॉर्नी, वसीयत और 25 अन्य ऐसे दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली (एनजीडीआरएस) का उपयोग करना शुरू कर दिया है। सेल डीड पंजीकरण पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर को एमसीडी के मूल्यांकन और संग्रह विभाग की ऑनलाइन प्रणाली के साथ एकीकृत किया जाएगा।

मायावती ने वक्फ विधेयक को जल्दबाजी में पारित करने की आलोचना की

नईदिल्ली, एजेंसी। बसपा नेता ने विधेयक पारित करने में सरकार की ''जल्दबाजी'' पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार ने जल्दबाजी में इस विधेयक को पेश किया और पारित कराया, जो उचित नहीं है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को जल्दबाजी में पारित करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि इस विधेयक को जनता की चिंताओं एवं शंकाओं को दूर करने के बाद ही पेश किया जाना चाहिए था। उनकी यह टिप्पणी बृहस्पतिवार देर रात को राज्यसभा द्वारा विधेयक को पारित करने के बाद आई। विधेयक को लोकसभा में मंजूरी मिल चुकी है, जहां विपक्ष ने इसका कड़ा विरोध किया था। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''संसद में वक़्फ़ संशोधन विधेयक पर सत्ता व विपक्ष को सुनने के बाद निष्कर्ष यही निकलता है कि केंद्र सरकार अगर जनता को इस विधेयक को समझने के लिए कुछ और समय दे देती तथा उनके सभी संदेहों को भी दूर करके इस विधेयक को लाती, तो बेहतर होता।

भाजपा के आते ही 82 तक बढ़ गई स्कूलों की फीस, बच्चों को परेशान कर रहे

नईदिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर बिजली कटौती के बाद अब एक और बड़ा आरोप लगा दिया है। मामला स्कूलों की फीस से जुडा है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज का दावा है कि भाजपा के आते ही स्कूलों की फीस भी बढ़नी शुरू हो गई है। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बिजली कटौती के बाद अब मिडिल क्लास पर दूसरा बड़ा प्रहार किया है। एक अप्रैल से प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ा दी गई है।

उन्होंने कहा कि ये तकरीबन हर स्कूल में हुआ है। कहीं पर 20 तो कहीं पर 40-65 फीसदी स्कूल की फीस बढ़ा दी गई है। उनका दावा है कि कहीं तो यह आंकड़ा 82 फीसदी तक भी पहुंच गया है। उन्होंने कहा, एक अखबार के मुताबिक एक नामी स्कूल की द्वारका, वसंत कुंज और रोहिणी ब्रांच में फीस बढ़ाने के बाद बच्चों को परेशान किया जा रहा। जिन बच्चों के माता-पिता ने बढ़ी हुई फीस नहीं दी, उन्हें लाइब्रेरी में बैठा दिया जाता है। टॉयलेट जाने के लिए भी उन्हें अटेंडेंट के साथ भेजा जा रहा है ताकी बच्चे क्लास में जाकर पढ़ाई ना करने लगे। उन्होंने कहा, इन स्कूलों में पढ़ने वाले मिडिल क्लास नहीं, अपर मिडिल क्लास के बच्चे हैं और उन्हें इस तरह से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अखबार के मुताबिक एक छात्र को दूसरे छात्रों ने चिढ़ाया कि तुम्हारा बाप बढ़ी हुई फीस भी नहीं दे सकता। सौरभ भारद्वाज ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा, मयूर विहार फेज 3 के अंदर सालवन पब्लिक स्कूल ने कहा है कि ये 82 फीसदी फीस बढ़ाएगा। 57 फीसदी बढ़ा दी है और 25 फीसदी और बढ़ाएगा। जिन्होंने बढ़ी हुई फीस नहीं दी है, उनके रिजल्ट रोक लिए गए हैं। माता-पिता धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी तरह उन्हें अन्य कई स्कूलों के उदाहरण दिए। उन्होंने कहा, केजरीवा सरकार के दौरान अगर फीस बढ़ती तो पहले विधायक स्कूल के बाहर पहुंच जाता था लेकिन बीजेपी के विधायक बच्चों के परिजनों क साथ खड़े नहीं दिखे। सौरभ भारद्वाज ने दावा कि पिछले 10 सालों में जो प्राइवेट स्कूल माफिया खत्म हुआ था।

सच हो रहीं बाबा वेंगा की 2025 को लेकर डरावनी भविष्यवाणियां ! बताया कब होगा दुनिया का अंत

लंदन, एजेंसी। मशहूर बल्गेरियाई भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की 2025 को लेकर की गई कुछ भविष्यवाणियां सच होती दिख रही हैं। हाल ही में म्यांमार में आए भीषण भूकंप में 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, और यह घटना उनकी उन भविष्यवाणियों से मेल खाती है, जिनमें उन्होंने विनाशकारी भूकंप की चेतावनी दी थी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वेंगा ने इस विशेष भूकंप का उल्लेख किया था या नहीं, लेकिन इस त्रासदी के बाद उनकी भविष्यवाणियों को लेकर बहस फिर से तेज हो गई है। बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों के अनुसार, 2025 में दुनिया कई बड़े संकटों का सामना कर सकती है। कुछ प्रमुख चेतावनियां जो अब सच होती दिख रही हैं।

यूरोप में बड़े युद्ध की भविष्यवाणी: बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि 2025 में यूरोप एक बड़े युद्ध की चपेट में आएगा, जिससे महाद्वीप की जनसंख्या पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। मौजूदा रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य वैश्विक तनावों को देखते हुए, इस भविष्यवाणी को लेकर डर बढ़ रहा है। 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता और आर्थिक पतन की भविष्यवाणी की गई थी। मौजूदा समय में दुनिया भर में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी को देखते हुए, यह भविष्यवाणी भी सच होती दिख रही है। बाबा वेंगा ने 2025 को मानवता के पतन की शुरुआत के रूप में भी देखा था। अगर मौजूदा वैश्विक हालातों को देखा जाए–युद्ध, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक संकट तो कई लोग इसे इस भविष्यवाणी से जोड़कर देख रहे हैं।

सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोवर्स वाली नर्स की हुई मौत

न्यूयार्क, एजेंसी। नर्सिंग इन्फ्लुएंसर हैली ओकुला की अपने पहले बच्चे को जन्म देने के बाद कुछ दिक्कतों के कारण मौत हो गई। पति मैथ्यू ओकुला ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। ओकुला एक ईआर नर्स थीं, जिन्हें ऑनलाइन नर्स हैली के नाम से जाना जाता था। हैली को काफी समय से बच्चा नहीं हो रहा था और उन्होंने इस समस्याओं के बारे में खुलकर बात की थी। हैली ने अपनी गर्भावस्था की यात्रा को साझा करने के बाद लोकप्रियता और हजारों फॉलोवर्स हासिल किए थे। हैली के पति मैथ्यू ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं बहुत भारी मन से अपनी खूबसूरत पत्नी हैली मैरी ओकुला के प्रसव संबंधी दिक्कतों के कारण समय से पहले निधन की खबर को साझा कर रहा हूं। कोई भी शब्द उस फीलिंग को व्यक्त नहीं कर सकता जो मैं महसूस कर रहा हूं। हैली एक पत्नी और साथी के रूप में मेरी कल्पना से कहीं बढ़कर थी। मैथ्यू ने आगे लिखा, वह खूबसूरत, स्मार्ट, मेहनती, भावुक, भरोसेमंद थी। लगभग 13 वर्षों तक वह सबसे कठिन समय में मेरे साथ खड़ी रही और मुझे बहुत सारा प्यार करती रही। वह मेरी सब कुछ थी। स्थानीय स्टेशन केटीटीवी के अनुसार, हैली ओकुला को अपने बेटे क्रू को जन्म देने के कुछ ही मिनटों बाद कार्डियक अरेस्ट हो गया था जिससे उनका निधन हुआ। ओकुला को इन विट्रो फर्टिलाइजेशन के माध्यम से गर्भवती होने के लिए दो साल तक इंतजार करना पड़ा था। उन्होंने सितंबर के महीने में अपने फॉलोवर्स से अपने गर्भवती होने की जानकारी साझा की थी। हैली ओकुला के हज़ारों फ़ॉलोअर्स ने उनके निधन पर दुख जताया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनके साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया।

ट्रंप पर कनाडा का पलटवार, पीएम कार्नी बोले- अमेरिकी वाहनों पर लगाएंगे 25 फीसदी टैरिफ

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर 25 फीसदी ऑटो टैरिफ लगाया है जिसको लेकर कनाडा ने भी पलटवार किया है। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने गुरुवार को कहा कि कनाडा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 25 प्रतिशत ऑटो टैरिफ की बराबरी अमेरिका से आयातित वाहनों पर टैरिफ से करेगा। ट्रंप द्वारा पहले घोषित ऑटो आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ गुरुवार से प्रभावी हो गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने पिछले सप्ताह ट्रंप से फोन पर बात करते हुए कहा था कि वे उन टैरिफ के लिए जवाबी कार्रवाई करेंगे। कार्नी ने कहा कि हम ये कदम उठाना नहीं चाहते थे लेकिन हमें अब यह कदम उठाना पड़ रहा है। आगे बोले कि इससे अमेरिका में अधिकतम प्रभाव पड़ेगा और कनाडा में न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा।

कार्नी ने कहा कि कनाडा ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ नहीं लगाएगा जैसा कि ट्रंप ने लगाया है, क्योंकि उन्होंने कहा कि कनाडाई एकीकृत ऑटो सेक्टर के लाभों को जानते हैं। ओंटारियो या मिशिगन में पूरी तरह से असेंबल होने से पहले पार्ट्स कई बार कनाडा-अमेरिका सीमा पर आते-जाते रहते हैं। कार्नी ने कहा कि कनाडाई पहले से ही इसका प्रभाव देख रहे हैं।

पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के खिलाफ एक्शन शुरू

सैंकड़ों को पकड़ कर शिविरों में भेजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने अफगान नागरिकों के खिलाफ एक बड़ी राष्ट्रव्यापी कार्रवाई शुरू की है। इसके तहत अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों सहित सैकड़ों अवैध विदेशियों को गिरफ्तार किया गया, और फिर उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए शिविरों में भेज दिया गया। पाकिस्तान में अफगान नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी के लिए निर्धारित 31 मार्च की समय-सीमा के बाद सैकड़ों अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया गया है और उनके परिवारों के साथ उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा बलों को जारी निर्देशों से पता चलता है कि यदि कोई भी अफगान नागरिक आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो पूरे परिवार को निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। काबुल में तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद से पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया में देरी का अनुरोध किया था, लेकिन इस्लामाबाद इसमें ढील देने के मूड में नहीं है।

अफगान सरकार ने कहा, उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने नए सिरे से कार्रवाई की घोषणा की है, जिसमें कहा गया कि वह बिना कानूनी निवास परमिट वाले व्यक्तियों को निर्वासित करेगा, जबकि वैध कार्डधारकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान में यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि फिलिप कैंडलर ने कहा, पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अनिश्चित काल तक अफगान शरणार्थियों की मेजबानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए। मानवीय सहायता की जरूरत है, न केवल अल्पकालिक राहत के लिए बल्कि दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देने के लिए भी।

समय सीमा को आगे न बढ़ाने और कार्रवाई शुरू करने का निर्णय पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बीच हुई बैठक के दौरान लिया गया। सरकारी प्राधिकारियों ने कड़ी चेतावनी जारी की थी कि 31 मार्च तक देश नहीं छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में अफगान शरणार्थियों को रखने के लिए कम से कम 43 शिविर स्थापित किए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि अधिकारी छापेमारी करेंगे और देश में अवैध रूप से रह रहे अफगानों को हिरासत में लेंगे।

ईरान ने यमन में हूती विद्रोहियों को दिया बड़ा झटका, सैनिकों को बुलाया वापस

तेहरान। ईरान ने अमेरिका और इजरायल के बढ़ते हमलों के बीच यमन के हूती विद्रोहियों को एक बड़ा झटका दिया है। ईरान की सरकार ने अपने सैन्य कमांडरों से कहा है कि वे तुरंत यमन छोड़ दें। इस कदम का उद्देश्य अमेरिका और इजरायल से सीधे टकराव से बचना है। इस स्थिति ने हूती विद्रोहियों को अकेला छोड़ दिया है और अब उन्हें बिना किसी बाहरी समर्थन के संघर्ष करना पड़ेगा। रिपोर्टों के मुताबिक ईरान ने यह फैसला अमेरिकी हमलों के खौफ के कारण लिया है। अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है। इसके अलावा अमेरिकी परमाणु बॉम्बर बी-2 भी अब इस हमले में शामिल हो गए हैं। एक ईरानी अधिकारी के मुताबिक ईरान की सरकार ने अपनी सैन्य टुकड़ियों को वापस बुलाने का फैसला इसलिए लिया है ताकि वह अमेरिका से सीधे टकराव से बच सके। अमेरिका के इन हमलों में ईरान के एक सैनिक की भी मौत हो गई है और इससे ईरान की क्षेत्रीय नीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। ईरान अब अपने समर्थक समूहों जैसे कि हमास, हूती और हिज्बुल्लाह से समर्थन कम कर रहा है ताकि वह अमेरिका से सीधे युद्ध में न उलझे। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि ट्रंप प्रशासन के खिलाफ उनकी चिंता का मुख्य कारण है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिनके खिलाफ ईरान के हर बैठक में चर्चा होती है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को बार-बार चेतावनी दी है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम और हूती विद्रोहियों को दिए जाने वाले समर्थन को बंद करे। ट्रंप ने अपनी सैन्य ताकत को बढ़ाते हुए दो परमाणु एयरक्राफ्ट कैरियर को ईरान के पास तैनात किया है और बड़े पैमाने पर बी-2 बॉम्बर को डिएगो गार्सिया में तैनात किया है। ट्रंप का कहना है कि यदि हूती विद्रोही ईरान के समर्थन से हमला करते हैं तो इसे ईरान के खिलाफ हमला माना जाएगा।

बंद समर्थकों के कब्जे में रहा बोकारो शहर

दिनभर परेशान रहे शहरवासी, हजारों कर्मचारी प्लांट से नहीं निकल पाए

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के प्रशासनिक भवन के समक्ष गुरुवार को नियोजन की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे विस्थापित अप्रेंटिस संघ और सीआईएसएफ के बीच हुई झड़प के दौरान एक विस्थापित युवक की मौत के बाद बोकारो लगभग बंद है।

आक्रोशित विस्थापित एवं उनके समर्थकों ने बोकारो स्टील प्लांट के सभी गेट सहित नगरबमे आने जाने वाले मार्गो पर जाम लगा दिया है। संयंत्र के संचार प्रमुख ने जानकारी दी है कि प्लांट के अंदर कर्मचारी और अधिकारी पिछले 24 घंटे से फंसे हुए हैं। उत्पादन पर भी असर पड़ रहा है। गौरतलब है कि उपायुक्त विजया जाधव ने जानकारी दी है कि बोकारो स्टील प्रबंधन अप्रेंटिस किए हुए विस्थापितों को अगले तीन माह में नियोजन देने को तैयार है। साथ ही मृतक के आश्रित को नौकरी और 20 लाख रुपए मुआवजा देने की भी बात कही है। घायलों का मुफ्त इलाज और 10 हजार रुपए बीएसएल प्रबंधन की ओर से दिया जाएगा। इसके बावजूद बोकारो बंद किया गया है।

उपायुक्त ने बताया है कि मामले में बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (एच आर) हरि मोहन झा को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरी तरह बंद समर्थकों ने बोकारो स्टील सिटी को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया है। उधर 5 हजार लोग प्लांट में फंसे हुए हैं तो दूसरी तरफ बोकारो के बाजार स्कूल, पेट्रोल पंप और बैंक बंद रहे। बंद समर्थकों द्वारा राहगीरों ने मारपीट करने की भी खबर है। दुनदीबाद के निकट मोटरसाइकिल और दो झोपड़ीनुमा दुकान को आग के हवाले कर दिया। यहां व्यवसायियों और बंद समर्थकों के बीच झड़प भी हुई। उधर रांची बोकारो हाइवे पर अहले सुबह से सैकड़ों ट्रैक फंसे हुए है। हाइवे पर आवागमन बंद है। हालांकि बोकारो को पुलिस छावनी में बदल दिया गया है। बावजूद इसके बंद समर्थक खबर लिखे जाने तक डेट हुए थे। कई लोगों रेलवे स्टेशन तक नहीं पहुंच पाए। उनकी ट्रेन छूट गई।

विस्थापितों की समस्या को लेकर उपायुक्त ने की विधायकों के साथ बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो डीसी ऑफिस में देर रात तक विस्थापित की मौत के मामले को लेकर बैठक चल रही थी। बैठक में डुमरी विधायक जयराम महतो, बोकारो विधायक श्वेता सिंह, निरसा विधायक अरूप चटर्जी और बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो मौजूद हैं।

बोकारो डीसी विजया जाधव से वार्ता हो रही थी। उपायुक्त द्वारा बंद को वापस लेने पर चर्चा किए जाने की खबर मिली है। लेकिन विधायक विस्थापितों के स्थाई समाधान निकालने पड़ आड़े हैं। दूसरी तरफ डीसी ऑफिस में भी जयराम महतो और श्वेता सिंह के समर्थकों में नोक झोंक की सूचना है।

रामनवमी को ले छतरपुर में अधिकारियों के नेतृत्व में निकला फ्लैग मार्च

मेदिनीनगर(पलामू) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रामनवमी को ले छतरपुर में जिला अधिकारियों के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाली गई। फ्लैग मार्च की शुरूआत थाना परिसर से की गई । इसका नेतृत्व डीडीसी शबीर अहमद, जिला अपर समाहर्ता कुंदन कुमार व प्रशिक्षु आईएस सह एसडीओ आशीष गंगवार ने की। जिला अधिकारी एनडीसी बिक्रम आनंद, डीएसओ प्रीति कुजूर, एसडीपीओ अवध कुमार यादव, बीडीओ आशीष कुमार साहू, अंचलाधिकारी उपेंद्र कुमार पुलिस निरीक्षक द्वारिका राम, थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद सहित कई अधिकारी व पुलिस के जवान शामिल थे । फ्लैग मार्च मुख्य पथ, सोनार मोहल्ला, खाटीन स्थित जामा मस्जिद होकर ब्राह्मण टोला होते हुए भारत माता चौक निकली। वहां से मुख्य पथ से होते हुए अनुमंडल कार्यालय जाकर वापस थाना परिसर में आकर समापन किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी ने ड्रोन से निगरानी किया। इस अवसर पर डीडीसी शबीर अहमद ने कहा कि रामनवमी को लेकर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। असामाजिक तत्त्व की एक- एक गतिविधि पर प्रशासन की नजर बनी रहेगी। प्रशिक्षु आईएस सह एसडीओ आशीष गंगवार ने कहा कि त्यौहार शांति पूर्वक मनाई जाए इसके लिए रणनीति बनाकर काम किया जा रहा है। ड्रोन से भी निगरानी रखी जा रही है। इसलिए सभी धर्म के लोग एक दूसरे का सहयोग करते हुए त्यौहार को मनाएं। साथ ही आपसी भाई चारा की मिशाल कायम करें।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट में पेश हुए झारखंड के श्रम नियोजन मंत्री संजय यादव

दुमका/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। व्यवहार न्यायालय के एमपी - एमएलए कोर्ट मे झारखंड के श्रम नियोजन मंत्री संजय यादव पेश हुए। गोड्डा जिला के पथरगामा थाना में 2014 के विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में मंत्री संजय यादव पर मामला दर्ज हुआ था। गवाह के स्टेज में केस है। इसके बाद बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों से मुलाकात किए। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय की जांच परीक्षा का परिणाम घोषित

सिमडेगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विदयालय के जांच परीक्षा का परिणाम गुरुवार की दोपहर घोषित कर दिया गया है। स्कूल के एचएम ने बतया कि सभी छात्र चार से नौ अप्रैल तक अपने अभिभावकों के साथ विदयालय अवधि में आकर नामांकन करा सकते है। बताया गया कि मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालक/बालिका और कस्तुरबा गांधी बालिका मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विदयालय में छात्र नामांकन करा सकते है।

पैदल तीर्थयात्रा में निकले श्रद्धालुओं का हुआ स्वागत

सिमडेगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महाराष्ट्र के दस लोग पूरी से अयोध्या तक पैदल यात्रा कर रहे है। यात्रा के क्रम में सभी लोग गुरुवार की शाम सिमडेगा पहुंचे। यहां आनंद भवन में पूर्व वार्ड पार्षद अशोक जैन, बजरंग दल समाजसेवी बसंत शर्मा आदि ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया। बताया गया कि पिछले एक महीने से इन लोगों ने अपनी यात्रा शुरू की है। तीर्थ यात्रियों ने बताया कि अयोध्या तक सभी लोग पैदल ही जाएगें। तीर्थ यात्रियों में जगदीश, यशवंत, रमेश, इंदु मोरे आदि शामिल है।

घर के उपर से गुजर रहे 11 हजार के बिजली तार, ग्रामीण परेशान

सिमडेगा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सदर प्रखंड के तामड़ा कुम्हार टोली गांव के कई परिवार बिजली करंट के आशंका से भयभीत है। बताया गया कि कई घरो के उपर से 11 हजार वोल्ट का तार गुजरा है। तार को हटाकर दुसरी जगह शिफ्ट करने के लिए ग्रामीण गुहार लगा रहे है। ग्रामीण सतीश मांझी ने बताया कि बिजली तार के कारण वे अपने घर की ढलाई नहीं कर पा रहे है क्योंकि बिजली का तार उनके छत के उपर से गुजरा है। इसी तरह शंकर दास, मुकेश गोप, सहित अन्य कई ग्रामीणों ने अपनी समस्या बताई है।

पूजा को लेकर हाईवा परिचालन पर रोक का निर्देश

कोडरमा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रामनवमी त्योहार- 2025 पर मरकच्चो थानान्तर्गत मरकच्चो बाजार से लेकर ब्लॉक रोड तक त्योहार के दौरान काफी भीड-भाड होने की संभावना है। इसके कारण हाईवा से दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसके लिए छह अप्रैल अराह्न दो बजे से आठ अप्रैल रात 11 बजे तक मरकच्चो बाजार से लेकर ब्लॉक रोड तक हाईवा परिचालन पर रोक लगाया गया है। एसडीओ रिया सिंह ने सीओ और थाना प्रभारी मरकच्चो को आपस में समन्वय स्थापित कर हुए मरकच्चो बाजार से लेकर ब्लॉक रोड तक हाईवा परिचालन पर रोक लगाने के नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

डीसी ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोडरमा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला दंडाधिकारी सह डीसी मेघा भारद्वाज ने शुक्रवार को जनता दरबार में आमजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही समयबद्ध कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। इस दौरान फरियादियों ने व्यक्तिगत और सामाजिक मुद्दों को डीसी के सामने रखा। इस पर उन्होने यथोचित कार्रवाई को लेकर भरोसा किया। फरियादियों ने भूमि विवाद, खनन पट्टा नवीकरण करने, जमीन से संबंधित समस्या,एमईसीसी कंपनी से भुगतान नहीं मिलने समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं,समस्याओं को लेकर डीसी का ध्यान आकृष्ट कराया। डीसी ने मामले में पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रखंड कार्यालय के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों का जांचोंपरांत समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें।

लंगूर भी पहुंचा रहे फसलों को नुकसान

गढ़वा/कांडी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के किसान अबतक नीलगाय के आतंक से परेशान थे। अब उन्हें लंगूरों का भी सामना करना पड़ रहा है। पिछले एक महीने से बड़ी संख्या में लंगूर प्रखंड के विभिन्न गांवों और टोलों में देखे जा रहे हैं। लंगूर किसानों के महुआ की फसल को अधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। साथ ही सब्जियों को भी क्षति पहुंचा रहे हैं। महुआ की फसल क्षेत्र के किसानों के लिए शुद्ध मुनाफे की फसल माना जाता है। महुआ की फसल किसानों के लिए बिना पूंजी का आमदनी देने वाला फसल माना जाता है। महुआ फसल पैदा करने में किसानों को कोई पूंजी नहीं लगानी पड़ती है। झुंड में एक साथ लंगूर आ कर महुआ की फसलों को चट कर जा रहे हैं। लंगूर रातों में महुआ के पेड़ के नीचे आ रहे हैं।

विभिन्न दवाओं के नकली स्टीकर छपवाने वाले पर कड़ी कार्रवाई की जाए : ललित अग्रवाल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने धनबाद क्लब में प्रेस वार्ता का आयोजन कर एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने मीडिया को बताया कि धनबाद के विभिन्न अखबारों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई की बेकारबाँध स्थित गुप्तेश्वर कॉम्प्लेक्स बैनर बाजार प्रिंटिंग प्रेस में मंगलवार को छापेमारी हुई जिसमें विभिन्न दवाओं के लगभग 35000 नकली स्टीकर बरामद हुए हैं, धनबाद थाना में केस भी दर्ज हुआ है, इतने बड़े पैमाने में नकली दवाओं के स्टीकर मिलना नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है इसमें जान भी जा सकती हैं, उपरोक्त प्रिंटिंग प्रेस के मालिक पर कानूनी कार्रवाई करके इसके जो भी साजिशकर्ता है जिसने स्टीकर छपवाने का काम किया है उसके ऊपर भी कड़ी से कड़ी करवाई होनी चाहिए एवं उसका नाम भी उजागर होना चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार के काले धंधे करने वाले लोग सावधान हो जाएं, धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन धनबाद जिले के नागरिकों से अपील करता है की दवा अपने विश्वसनीय दवा दुकानदारों से ही खरीदे। संगठन द्वारा एक जागरूकता पोस्टर का भी अनावरण किया गया जिसको धनबाद जिले के सभी दवा दुकान और डॉक्टर के चैंबर में लगाया जाएगा।संगठन उपरोक्त विषय पर शुक्रवार को एक ज्ञापन धनबाद के वरीय आरक्षी अधीक्षक को देगा।

वेदांता ईएसएल ने विश्व जल सप्ताह 2025 मनाया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वेदांता ईएसएल ने विश्व जल सप्ताह 2025 का सफल और प्रभावशाली समारोह मनाया। जिसमें सतत जल प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया। सप्ताह भर चलने वाले इस समारोह में ज्ञान-साझाकरण सत्र, इंटरैक्टिव प्रतियोगिताएं और सीएसआर-संचालित पहल शामिल थीं। जिसमें 1 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की मुख्य बातें

सप्ताह का मुख्य आकर्षण ग्लेशियर संरक्षण पर एक ज्ञानवर्धक वेबिनार था, जिसका नेतृत्व (Wapp) वैप और (DigitalPani) डिजिटल पानी के सह-संस्थापक राजेश जैन ने किया. जिन्होंने भारत के घटते ग्लेशियरों की रक्षा और उद्योगों और घरों के लिए सतत जल समाधानों के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला। वेदांता ईएसएल के वरिष्ठ नेतृत्व ने सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और उन्हें संबोधित किया। तपेश चंद्र नस्कर, निदेशक - सीई और एचएसईएस; और दुर्गा प्रसन्ना पांडा, उप निदेशक सीई, ने जल अनुकूलन, अपशिष्ट में कमी और पर्यावरण संरक्षण के लिए कंपनी के दृष्टिकोण पर अपनी, बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। भाषण, पोस्टर-मेकिंग, नारा लेखन और ऑनलाइन और ऑफलाइन क्विज सहित आकर्षक प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला में मजबूत सामुदायिक भागीदारी देखी गई। विजेताओं को उनकी रचनात्मकता और जल संरक्षण के प्रति समर्पण के लिए पहचाना और पुरस्कृत किया गया। वेदांता ईएसएल के सीएसआर विभाग ने केंद्रीय इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से विश्व जल दिवस 2025 पर प्रोजेक्ट स्वजल के तहत प्रभावशाली जमीनी स्तर की पहल की। बुढ़ीबिनोर आंगनवाड़ी में, 45 एसएचजी लाभार्थियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिसमें वर्षा जल संचयन और कुशल भंडारण तकनीकों जैसे व्यावहारिक जल-बचत तरीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। सत्र का समापन शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने स्थायी जल प्रथाओं को अपनाने का संकल्प लिया। इसके अलावा, चंदाहा ड्राइंग सेंटर में, जल संरक्षण-थीम वाली ड्राइंग प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिससे उन्हें जल संरक्षण के बारे में अपनी समझ को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शीर्ष तीन प्रतिभागियों को उनके कलात्मक योगदान के लिए सम्मानित किया गया, तथा कार्यक्रम का समापन मीठे पानी के संसाधनों की रक्षा के लिए सामूहिक शपथ के साथ हुआ।

जल संरक्षण के प्रति वेदांता ईएसएल की प्रतिबद्धता

इस अवसर पर बोलते हुए, वेदांता ईएसएल के निदेशक तपेश चंद्र नास्कर ने कहा, पानी उद्योग और समुदायों दोनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण संसाधनों में से एक है। वेदांता ईएसएल में, हम न केवल स्थिरता की वकालत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, बल्कि सक्रिय रूप से इसका अभ्यास भी करते हैं। विश्व जल सप्ताह जागरूकता पैदा करने, बदलाव लाने और सभी स्तरों पर जिम्मेदार जल प्रथाओं को लागू करने की हमारी गहरी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।

महिला ने की गलत व्यक्ति द्वारा मुआवजा लेने की शिकायत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में विभिन्न लोगों की शिकायतें सुनी। इसमें तोपचांची के रामाकुंडा से आई महिला ने अपर समाहर्ता को बताया कि उनकी पैतृक जमीन डेडिकेटेड फ्रेट कोरिडोर कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (डी.एफ.सी.सी.आई.एल.) परियोजना को लेकर अधिग्रहित की गई थी। जिसमें वंशावली के आधार पर नोटिस निर्गत नहीं किया गया तथा किसी गलत आदमी को मुआवजा का भुगतान कर दिया गया। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें 32 लख रुपए मिले थे। इस रकम में से करमाटांड, बलियापुर रोड में 8 कट्ठा जमीन के साथ घर बनाकर देने के लिए डेवलपर को 30 लाख 60 हजार रुपए का भुगतान 28 अप्रैल 2023 को किया था। उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि न तो उन्हें जमीन मिली न ही मकान मिला। इसके विपरित, डेवलपर उनपर और 20 लाख रुपए देने का दबाव बना रहा है। जनता दरबार में एसएसएलएनटी स्कूल, टेलीफोन एक्सचेंज रोड द्वारा छात्रा के नाम में सुधार नहीं करने की शिकायत प्राप्त हुई। छात्रा ने बताया कि मैट्रिक तक स्कूल रजिस्टर में उनका सही नाम दर्ज था। इसके बाद इंटर में जब नामांकन कराया तब नाम गलत लिख दिया। कई बार आवेदन देने के बाद भी नाम में सुधार नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन लगान रसीद निर्गत कराने, महुदा ग्रामीण जलापूर्ति योजना की क्षतिग्रस्त पाइपलाइन ठीक कराने, जमीन लेनदेन में धोखाधड़ी करने, कोलाकुसमा में घनी आबादी के बीच आरा मशीन का कारखाना खोलने, पति के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद, डीडीएमए के संजय कुमार झा, जनशिकायत कोषांग के प्रधान लिपिक नंदकिशोर कुशवाहा भी मौजूद थे।

पांच छठव्रती महिलाएं चेन स्नेचिंग की शिकार

दुमका/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहर के बड़ाबांध तालाब में पांच छठव्रती महिलाएं चेन स्नेचिंग की शिकार हो गई। एक साथ महिलाओं के गले से सोने की चेन व मंगलसूत्र को उड़ा लिया गया है। यह घटना दूसरी अर्घ्य शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे हुई। सोने की चेन की चोरी होने के बाद छठ घाट में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। पीड़ित महिलाओं के परिजन इधर-उधर चेन चोरी करने वालों की तलाश में जुट गए। पुलिस भी चेन चोरी करने वालों की तलाश करने लगी। एक महिला के गले से सोने की चेन चोरी होने से बच गयी। महिला के सोने के चेन के लॉक को खोल लिया गया था,पर संयोग से सोने की चेन सरकर ब्लॉउज के अंदर चला गया था,जिस कारण उक्त महिला की सोने की चेन चोरी होने से बच गयी।

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही छठ महापर्व का समापन

गोबिंदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोबिंदपुर छंठ पूजा तालाबों में लोक आस्था के छठ महापर्व के चौथे दिन आज (शुक्रवार) की सुबह छठ व्रतियों के उगते सूर्य भगवान को अर्घ्य देने के साथ ही समापन हो गया इसके बाद सभी छठ व्रतियों ने व्रत का पारण किया मान्यता है कि सूर्योदय के समय अर्घ्य देने से सुख-समृद्धि, सौभाग्य, संतान प्राप्ति की मनोकामना और संतान की रक्षा का वरदान मिलता है।

छठ व्रतियों ने किया पारण

छठ महापर्व के आखिरी दिन सूर्योदय के दौरान अर्घ्य देते समय मंत्र-ओम एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते, अनुकंपय माम भक्तया गृहाणार्घ्यम् दिवाकर का जाप किया गया महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान मंगलवार को नहाय-खाय के साथ आरंभ हुआ था पहले दिन व्रतियों ने यहां गंगा स्नान के साथ सूर्यदेव को जल से अर्घ्य दिया इसके बाद पूरी पवित्रता के साथ अरवा चावल, चना दाल, कद्दू की सब्जी और आंवले की चटनी आदि का भोग लगाकर प्रसाद तैयार किया बुधवार को खरना पूजन के दिन व्रतियों ने पूरे दिन उपवास कर शाम में भगवान का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण किया इसके बाद 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हुआ गुरुवार को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया।

भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की कुशलता की प्रार्थना की

आज उदीयमान सूर्य को नदी-तालाब या अन्य जल स्त्रोतों के बीच खड़े होकर अर्घ्य देने के साथ ही छठ का चार दिवसीय अुनष्ठान पूरा हो गया छठ व्रतियों ने अनुष्ठान के समापन की पूर्व संध्या पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया इस दिन षष्ठी तिथि को छठी मैया का पूजन विधि-विधान के साथ हुआ।

धनबाद में चैती दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन, विधायकों ने किया उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद में चैती दुर्गा पूजा पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाई जा रही है। लूबी सर्कुलर रोड यूथ क्लब दुर्गापूजा समिति द्वारा इस वर्ष भी भव्य मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसे आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है। गुरुवार को पंचमी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा और विशेष लाइटिंग का उद्घाटन निरसा विधायक अरूप चटर्जी और धनबाद विधायक राज सिन्हा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने दोनों विधायकों का स्वागत किया और पूजा आयोजन को लेकर विशेष चर्चा की। धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि इस वर्ष भी समिति द्वारा अत्यंत भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है, जो भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वहीं, निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने मां दुर्गा से आशीर्वाद की कामना करते हुए कहा कि माता अपनी कृपा सभी भक्तों पर बनाए रखें और समाज में सुख-शांति बनी रहे। पूजा पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है और श्रद्धालु माता के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं ताकि भक्तजन बिना किसी परेशानी के मां के दर्शन कर सकें।

डीडीयू-गया-धनबाद रेलखंड पर 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ी ट्रेन

सफल रहा ट्रायल, मौजूद रहे महाप्रबंधक और डीआरएम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डीडीयू-गया-धनबाद रेलखंड पर तेज रफ्तार ट्रेन संचालन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस रूट पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया,जोकि निरीक्षण यान से ट्रायल हुआ. इस ट्रायल में विशेष रूप से हाजीपुर जोन के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा समेत इस रेलवे के कई बड़े अधिकारी मौजूद रहे। महाप्रबंधक ने बताया कि इस सफल ट्रायल के बाद अब इस रेलखंड पर 160 किमी प्रति घंटे की गति से नियमित ट्रेन संचालन की अनुमति के लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया इस खंड पर कुछ दिनों से ट्रायल चल भी रही थी।शुक्रवार को पुनः ट्रायल किया गया और अब इसके आरएसडीओ ट्रायल करेगी.ट्रायल के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। धनबाद रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी के जवान भारी संख्या में तैनात रहे।बता दें कि भविष्य में इस रेलखंड पर तेज और आधुनिक ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा, जिससे यात्रियों के समय की बचत के साथ-साथ सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा।

करंजटोली गांव में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश

सिमडेगा/ठेठईटांगर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के टापूडेगा करंजटोली गांव में पेयजल की समस्या से संबंधित डिजिटल संवाद प्रकाशित हेने के बाद प्रखंड प्रशासन हरकत में आया है। बीडीओ पूनम मिंज ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए मेरोमडेगा पंचायत के मुखिया लक्ष्मी बड़ाईक को गांव में पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

बीडीओ ने 15 वें वित्त आयोग के फंड से गांव में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही है। विदित है कि 30 मार्च के अंक में जिले में हर घर को मिले नल जल योजना का लाभ टापूडेगा करंजटोली गांव की समस्या को उजागर किया था। इधर बीडीओ के द्वारा पेयजल सुविधा बहाल करने के निर्देश की जानकारी मिलने पर गांव के लोगों ने प्रखंड प्रशासन के प्रति अभार प्रकट किया है।

बीएकेएस ने इस्पात मंत्री के समक्ष सभी मुद्दों को रखा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीए के एस नेआज इस्पात मंत्री एचडी कुमार स्वामी जी से संसद भवन के उनके कक्ष मे मिल कर कर्मचारियों के मुद्दो को उनके समक्ष रखा।

तृणमुल सांसद डोला सेन जी के साथ सेल के अन्य यूनिट के साथियों ने आज मिलकर सेल की समस्याओं से इस्पात मंत्री को अवगत कराया। हरिओम जी ने बहुत ही अच्छे तरिके से इस्पात मंत्री को सभी मुद्दे तथा मानव संसाधन विभाग की विफलताओं (अधुरा वेज रीविजन, एमओए, एरियर, एनजेसीएस में सुधार, बोकारो की कल विस्थापित परिवारो के साथ हुई घटना , स्थांतरित साथियों के साथ किए जा रहे बुरे बर्ताव आदि मुद्दे रखा।) इस्पात मंत्री जी विस्थापित परिवारो के साथ हुई घटना से काफी नाराजगी जाहिर कर अपने एपीएस को कड़ी कारवाई करने तथा मामले का सत्य और स्पष्ट रिपोर्ट देने को कहा। इस्पात मंत्री ने शिघ्र ही यूनियनो के साथ सेल मैनेजमेंट की मीटिंग कराने का आश्वासन भी दिया है।

वही कल इस्पात स्टैण्डिंग कमेटी के चेयरमैन, अनुराग ठाकुर से उनके आवास पर मुलाकात कर इस्पात स्टैण्डिंग कमेटी के वेज रीविजन रिपोर्ट को लागु करने में भेदभाव का मुद्दा उठाया तो उन्होने अगली मीटिंग मे कड़ी कार्रवाई करने का भरोसा दिया। अन्य यूनिट के साथियों में सीएमओ से तनय जी, चंचल जी, सेलम से रवि रामचंद्रण जी, दुगार्पुर से जयंता जी आदि शामिल रहे ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com